जन-जन की वाणी...

हिन्दी दैनिक

सोन वर्षा वाणी

औरंगाबाद, आरा एवं रांची से प्रकाशित

Page 11

खेल

झूलन गोस्वामी को विदेशी टी20 लीग में मिली बड़ी जिम्मेवारी

देश

25 जून को कांग्रेस सरकार ने भारत के संविधान को रौंदा था : डा. सतीश पूनिया

Page 10

शुक्ल पक्ष, चित्रा, विक्रम संवत् 2081 • औरंगाबाद • रविवार • 14 जुलाई 2024 • वर्ष 26 • अंक 214 • पृष्ठ 12

मूल्य ₹ 2.00

सोना चांदी

सोना	चांदी
10 ग्राम 24 कैरेट	1 किलो चांदी
₹73,750	₹95,500

आज का इतिहास

- **2015 :** नासा का न्यू हॉरिजन प्लूटो पर जाने वाला पहला अंतरिक्ष यान बना।
- **1899 :** सबसे पहला गणतंत्र दक्षिण अमेरिका में घोषित किया गया।

न्यूज बाइट्स

हिंदी में भी एलएलबी की पढ़ाई हो : सीजेआई

लखनऊ (ए.) । सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ सिंह ने लखनऊ में कहा कि हिंदी में भी एलएलबी की पढ़ाई होनी चाहिए। हिंदी में भी एडवोकेट बेहतर तरीके से पक्ष रखते हैं। जज और वकील तो अंग्रेजी को समझ सकते हैं, लेकिन आम आदमी को इसमें दिक्कत है। इसलिए अंग्रेजी के साथ-साथ स्थानीय भाषा में भी फैसले होने चाहिए। वो शनिवार को डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय लखनऊ के दीक्षांत सामारोह को संबोधित कर रहे थे। सीजीआई ने कहा कि कोर्ट में कई फैसले अंग्रेजी में होने के कारण आम लोगों को समझ में नहीं आते हैं। दीक्षांत समारोह में में सीएम योगी आदित्यनाथ और हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस अरुण भंसाली भी मौजूद थे।

जम्मू-कश्मीर के एलजी की शक्तियां बढ़ीं

जम्मू -कश्मीर (ए.) । केंद्र सरकार ने जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल की प्रशासनिक शक्तियां बढ़ा दी हैं। दिल्ली की तरह अब जम्मू-कश्मीर में राज्य सरकार एलजी की मंजूरी के बिना अफसरों की पोस्टिंग और ट्रांसफर नहीं कर सकेगी। गृह मंत्रालय ने जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 की धारा 55 के तहत बदले हुए नियमों को नोटिफाई किया है, जिसमें एलजी को ज्यादा ताकत देने वाली धाराएं जोड़ी गई हैं। उपराज्यपाल के पास अब पुलिस, कानून व्यवस्था और ऑल इंडिया सर्विस (एआईएस) से जुड़े मामलों में ज्यादा अधिकार होंगे।

सरकारी विभागों के 748 नये पदों को मिली मंजूरी

पटना (नि. सं.) । नीतीश कैबिनेट में बिहार विभिन्न विभागों में 748 नये पदों को मंजूरी मिली है। इसके अलावा सभी 534 प्रखंडों में डाटा इंट्री आपरेटर भी बहाल किये जाएंगे। राज्य मंत्रिपरिषद ने इन पदों को मंजूरी दे दी। अब इन पदों पर नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू होगी। विज्ञान, प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के अन्तर्गत संचालित 34 राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालयों में कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम के लिए 338 शैक्षणिक पदों (प्राध्यापक-28, सह-प्राध्यापक -71 एवं सहायक प्राध्यापक-239) के सृजन की स्वीकृति मिली है।

सोनिया गांधी से मिलने उनके आवास पर पहुंचे हेमंत सोरेन

नई दिल्ली (ए) झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने आज कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी से यहां उनके आवास पर मुलाकात कर आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर चर्चा की। श्री सोरेन ने अपने ट्विटर हैंडल पर यह जानकारी साझा की है। उन्होंने एक तस्वीर भी पोस्ट की है जिसमें वह अपनी पत्नी कल्पना सोरेन के साथ श्रीमती गांधी के आवास पर उनसे मुलाकात कर रहे हैं।

सात राज्यों की 13 सीटों पर उपचुनाव के नतीजे

भाजपा को एक सीटों का नुकसान, कांग्रेस को दो का फायदा, टीएमसी ने जीतीं चार सीटें

एजेंसी | नई दिल्ली

मध्य प्रदेश और बिहार समेत 7 राज्यों की 13 सीटों पर हुए विधानसभा उपचुनाव के नतीजे आ गए हैं। सभी सीटों पर 10 जुलाई को वोटिंग हुई थी। इनमें से कांग्रेस ने 4, टीएमसी ने 4, भाजपा ने 2, आप, डीएमके और निर्दलीय ने 1-1 सीटें जीत ली हैं। इन 13 सीटों में भाजपा के पास 3 सीटें थीं, कांग्रेस के पास 2, टीएमसी के पास 1, जेडीयू 1, आप 1, डीएमके 1, बीएसपी 1 और निर्दलीय के पास 3 सीटें थीं। इस उपचुनाव में भाजपा 2, कांग्रेस 4, टीएमसी 4, जेडीयू 0, आप 1, डीएमके 1, बीएसपी 0 और निर्दलीय को एक सीट मिली है। यानी भाजपा को 1, उसकी सहयोगी जदयू को एक सीट का नुकसान हुआ है। कांग्रेस को 2 और टीएमसी को 3 सीटों का फायदा हुआ है। हिमाचल में भाजपा में शामिल हुए 3 में से एक निर्दलीय ही चुनाव जीत पाए, दो हार गए। पंजाब में भी आप से आए कैंडिडेट चुनाव हार गए। एनडीए ब्लॉक में 13 में से 11 सीटों पर भाजपा और दो अन्य पर जदयू, पीएमके ने चुनाव लड़ा। इनमें भाजपा मध्य प्रदेश की अमरवाड़ा और हिमाचल प्रदेश की हमीपुर सीट ही जीत पाई। जदयू बिहार की रुपौली और पीएमके तमिलनाडु की विक्रवंडी सीट हार गई। इंडिया ब्लॉक में 13 में से कांग्रेस 9, आरजेडी 1, सीपीआई(एम) 2 और डीएमके एक सीट पर चुनाव लड़ी। कांग्रेस ने 4 सीटों पर जीत दर्ज की। इनमें हिमाचल प्रदेश की देहरा, नलगढ़ और उत्तराखंड की बद्रीनाथ, मंगलौर सीट शामिल है। डीएमके ने तमिलनाडु की विक्रवंडी सीट पर जीत दर्ज की। पंजाब में एकमात्र सीट आप ने भाजपा से जीत ली। पश्चिम बंगाल की 4 विधानसभा सीटों पर ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने जीत दर्ज की। पिछली बार भाजपा के पास 3 सीटें थीं, लेकिन इस बार टीएमसी ने तीनों सीटें छीन लीं।

रुपौली में निर्दलीय शंकर सिंह ने जेदयू के कलाधर को दी पटखनी

पांच बार की एमएलए बीमा भारती की करारी हार

निज संवाददाता | पूर्णिया

बिहार के पूर्णिया की रुपौली विधानसभा सीट पर 10 जुलाई को संपन्न उपचुनाव में चौंकाने वाला रिजल्ट सामने आया है। निर्दलीय शंकर सिंह को जनता ने रुपौली का रहनुमा बना दिया है। उन्होंने जदयू के कलाधर मंडल को 8 हजार 211 मतों से पराजित कर दिया है। इसके साथ ही पांच बार की विधायक बीमा भारती की भी करारी हार हुई है। नीतीश कुमार के आशीर्वाद पर चुनाव लड़ रहे कलाधर मंडल दूसरे स्थान पर रहे। शंकर सिंह को कुल 67779 वोट मिले जबकि कलाधर मंडल को 59568 मत हासिल हुए। तीसरे स्थान पर रहीं बीमा भारती को मात्र 30108 लोगों ने अपना मत दिया। पूर्णिया लोकसभा की तरह रुपौली विधानसभा में जनता ने निर्दलीय को जिताकर सभी दलों को आइना दिखाया है। यह सीट बीमा भारती के इस्तीफे से खाली हुई थी। वह 2005 से इस सीट पर काबिज थीं। उन्होंने पूर्णिया से लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए रुपौली विधायक पद से त्यागपत्र दे दिया तथा राजद के टिकट पर पप्पू यादव और जेडीयू के संतोष कुशवाहा के खिलाफ मैदान में उतर गईं। हालांकि लोकसभा चुनाव में निर्दलीय पप्पू यादव ने जीत दर्ज किया और बीमा भारती बुरी तरह से चुनाव हार गईं। वे जमानत बचाने में भी कामयाब नहीं हुईं। रुपौली सीट पर निर्दलीय उतरे शंकर सिंह ने 2020 में भी भाग्य आजमाया था। तब उन्हें चिराग पासवान नें लोजपा से टिकट दिया था। लेकिन जेडीयू के टिकट पर चुनाव लड़ रहीं बीमा भारती ने उन्हें हरा दिया था। उससे पहले भी शंकर सिंह कई बार चुनाव लड़े। कहा जा रहा है कि उपचुनाव में लोजपा का टिकट नहीं मिलने पर उनके साथ क्षेत्र के जनता की सहानुभुति जुड़ गई। शंकर सिंह 2005 में भी विधायक बने थे। लेकिन करीब 8 महीने बाद फिर से चुनाव हुए जिसमें उनकी हार हो गई। बीमा भारती ने उन्हें पराजित कर दिया था और तबसे बीमा भारती लगातार विधायक बनी रहीं और शंकर सिंह चुनाव लड़कर हारते रहे।

अमित शाह ने की सीमाओं के निकट के गांवों को जीवंत बनाने के कार्यक्रम की समीक्षा

- मांत गांवों में रोजगार के अवसर बढ़ाकर पलायन रोकने पर जोर।
- 136 सीमांत गांवों में 113 बाहरमासी सड़क परियोजनाओं के माध्यम से संपर्क प्रदान किया जा रहा है।
- सभी गांवों को इस वर्ष के अंत तक 4जी नेटवर्क से कवर करने का लक्ष्य।

एजेंसी | नयी दिल्ली

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सीमाओं पर बसे गावों को विकसित और जीवंत बनाने के कार्यक्रम- "वायब्रेंट विलेजेज प्रोग्राम" की प्रगति की शनिवार को यहां एक उच्चस्तरीय बैठक में समीक्षा की और इन गावों में रोजी रोजगार के अवसर ज्यादा से ज्यादा बढ़ा कर ऐसे गावों से पलायन रोकने की आवश्यकता पर बल दिया।

बैठक को संबोधित करते हुए गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत सरकार देश के सीमांत गांवों के चहुँमुखी विकास के प्रति कटिबद्ध है। श्री शाह ने कहा कि यह कार्यक्रम सीमांत गांवों से पलायन रोकने के लिए स्थानीय निवासियों के लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने और गावों के साथ संपर्क बढ़ाने की आवश्यकताओं को ध्यान में रख कर चलाया जा रहा है। बैठक में केन्द्रीय गृह सचिव, सचिव, सीमा प्रबंधन और महानिदेशक, भारत तिब्बत सीमा पुलिस सहित गृह मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। मोदी सरकार ने "वायब्रेंट विलेजेज प्रोग्राम" पिछले वर्ष 14 फरवरी को 4800 करोड़ रूपए के आवंटन के साथ इस महत्वपूर्ण और महत्वाकांक्षी योजना की शुरूआत की थी।इसके तहत 136 सीमांत गांवों को 2420 करोड़ रुपये की लागत से 113 बाहरमासी सुगम सड़क परियोजनाओं के माध्यम से संपर्क प्रदान किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत आने वाले सभी गांवों को इस वर्ष के अंत तक 4 जी नेटवर्क से कवर कर लिया जाएगा। इन सभी गांवों में वित्तीय समावेशन के कदम उठाए गए हैं और भारत पोस्ट-पेमेंट बैंकों(आईपीपीबी) की सुविधा भी दी जा रही हैं ।

गृह मंत्रालय की एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि श्री शाह ने कहा कि सीमांत गांवों के आस-पास तैनात केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों और सेना को सहकारिता के माध्यम से स्थानीय कृषि और हस्तशिल्प उत्पादों की खरीद को बढ़ावा देना चाहिए।

उन्होंने कहा कि सेना और केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के स्वास्थ्य केन्द्रों और उनकी सुविधाओं का लाभ नजदीकी गांवों के निवासियों को नियमित रूप से मिलना चाहिए। श्री शाह ने कहा कि इन गांवों में सौर ऊर्जा और पवनचक्की जैसे नवीकरणीय ऊर्जा के अन्य स्रोतों केअधिकतम उपयोग पर जोर देने की आवश्यकता है।

उन्होंने सीमांत गावों के मुद्दों को बेहतर ढंग से समझने के लिए वरिष्ठ मंत्रियों और अधिकारियों द्वारा किये जा रहे प्रयासों को जारी रखने का निर्देश दिया। सरकार ने बताया है कि इन सीमांत गांवों में अब तक 6000 से अधिक कार्यक्रम आयोजित किये गये हैं जिनमें लगभग 4000 सेवा वितरण और जागरूकता शिविरों का आयोजनशामिल है। इन गांवों में रोज़गार सृजन के लिए 600 से अधिक परियोजनाओं को भारत सरकार द्वारा स्वीकृति दी जा चुकी है। गृह मंत्री ने बैठक के दौरान लंबित मुद्दों के निपटारे के लिए नियमित अंतराल पर उच्चतम स्तर पर समीक्षा पर विशेष जोर दिया। इन गावों में पर्यटन सर्किट विकसित किए जा रहे हैं। इसके अंतर्गत उन गावों में पर्यटन क्षमता तथा पर्यटन से संबंधित बुनियादी ढांचे का विकास किया जा रहा है।

पीठ दर्द की शिकायत के बाद हुए थे भर्ती

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को अस्पताल से मिली छुट्टी

एजेंसी / नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को लेकर खबर है कि उन्हें दिल्ली एम्स से शनिवार को छुट्टी मिल गई। 11 जुलाई गुरुवार को उन्हें पीठ में दर्द की शिकायत के कारण दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में भर्ती कराया गया था। पीठ में तेज दर्द की शिकायत के बाद राजनाथ सिंह को दिल्ली के एम्स में भर्ती कराया गया था। रक्षा मंत्री को पुराने निजी वार्ड में डॉक्टरों की गहन निगरानी में रखा गया था। गुरुवार को भर्ती कराने के बाद से ही उनकी स्थिति में सुधार होने लगा था। डॉक्टरों ने भी बताया था कि रक्षा मंत्री स्वस्थ्य हैं और उनकी हालत स्थिर है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह अपने 73वें जन्मदिन के ठीक दूसरे दिन ही अस्पताल में भर्ती हुए थे। राजनाथ सिंह 10 जुलाई को 73 साल के हो गए। उनके जन्मदिन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर पोस्ट कर बधाई दी थी। पीएम मोदी ने उन्हें बधाई देते हुए लिखा था, राजनाथ सिंह जी को उनके जन्मदिन पर हार्दिक शुभकामनाएं। एक मूल्यवान कैबिनेट सहयोगी, वे एक ऐसे नेता हैं जो अपनी बुद्धिमत्ता के लिए व्यापक रूप से सम्मानित हैं। वे कड़ी मेहनत और सेवा के प्रति प्रतिबद्धता के आधार पर सार्वजनिक जीवन में आगे बढ़े हैं।

केन्द्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने केन्द्रीय पूनी संयंत्र खादी और ग्रामोद्योग आयोग का किया निरीक्षण

- केंद्रीय मंत्री ने संयंत्र के उत्पादन एवं बिक्री को और गतिरूप देने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश एवं सुझाव दिये गये

निज संवाददाता | हाजीपुर/पटना

केन्द्रीय मंत्री सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार जीतन राम मांझी ने शनिवार (13-7-2024) को केन्द्रीय पूनी संयंत्र, खादी और ग्रामोद्योग आयोग, औद्योगिक क्षेत्र, हाजीपुर (वैशाली) का निरीक्षण किया गया। मौके पर राज्य निदेशक, खादी और ग्रामोद्योग आयोग, पटना के डॉ मोहम्मद हनीफ मेवाती सहित संयंत्र के सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों मौजूद रहे। केन्द्रीय मंत्री के द्वारा सर्वप्रथम राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजली अर्पित किये गये। तत्पश्चात संयंत्र का भ्रमण किया गया। भ्रमण के दौरान दौरान उन्होंने कपास से सलाईवर एवं रोविंग बनने की पूर्ण प्रक्रिया के निरीक्षण किये। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों, कर्मचारियों एवं मशीन संचालकों से विस्तृत पूछताछ किये एवं आवश्यक दिशा निर्देश एवं सुझाव भी दिये। उनके द्वारा दो कार्डिंग मशीन नई लगाने का निर्देश दिया गया जिससे उत्पादन कार्य को बढाया जा सके। केन्द्रीय मंत्री श्री मांझी द्वारा संयंत्र के प्रांगण में वृक्षारोपण भी किया गया। वृक्षारोपण के उपरांत उन्होंने केन्द्रीय पूनी संयंत्र, हाजीपुर के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ बैठक की। बैठक में राज्य निदेशक के द्वारा केंद्रीय मंत्री को जानकारी दिया गया कि इस संयंत्र से उत्पादित सलाईवर एवं रोविंग बिहार राज्य के साथ-साथ झारखण्ड, पश्चिम बंगाल, उडीसा एवं अन्य राज्यों में खादी संस्थाओं के मांग के अनुसार आपूर्ति किया जाता है।

केंद्रीय मंत्री द्वारा बताया गया कि प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत एवं वोकल फोर लोकल के विजन को गतिरूप देने के लिए खादी संस्थाओं द्वारा गॉव-कस्बों में परंपरागत कत्तिन - बुनकरों एवं कारीगरों के माध्यम से लोक लुभावन खादी वस्त्रों (खादी फोर फैशन- खादी फोर नेशन - खादी फोर ट्रान्सफॉरमेशन) का निर्माण करवाया जाता है, जिसके कारण हर हाथ को काम, काम का उचित दाम के मंत्र को सफलीभूत किया जा रहा है।

बिहार में सबसे पहले चार शहरों में मेट्रो स्टेशन के लिए सर्वे

पटना (नि.सं.)। मुजफ्फरपुर, भागलपुर, गया और दरभंगा में मेट्रो रेल के परिचालन की संभावना तलाश करने के लिए एजेंसी का चयन कर लिया गया है। इन शहरों में मेट्रो रेल परिचालन की फिजिबिलिटी रिपोर्ट की जिम्मेदारी राइट्स लिमिटेड को दी गई है। राज्य कैबिनेट ने शनिवार को इसकी स्वीकृति दे दी। इसके साथ ही राइट्स लिमिटेड के लिए परामर्शी शुल्क के रूप में सात करोड़ दो लाख दस हजार रुपये खर्च की स्वीकृति भी दी गई है। राज्य सरकार ने पिछले माह ही कैबिनेट की बैठक कर पटना के अलावा चार अन्य प्रमुख शहरों में मेट्रो रेल के परिचालन की सैद्धांतिक सहमति दी थी। इसी सिलसिले में सबसे पहले इन शहरों में मेट्रो रेल परिचालन का संभाव्यता अध्ययन (फिजिबिलिटी स्टडी) किया जाएगा।

साइबर अपराध पीड़ितों के लिए कानूनी सहायता की तत्काल आवश्यकता : धनखड़

नयी दिल्ली 13 जुलाई (ए.)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने साइबर अपराध पीड़ितों के लिए कानूनी सहायता की तत्काल आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा है कि भारत दुनिया के सबसे बड़े डिजिटल समाज में से एक है। श्री धनखड़ ने शनिवार को यहां वैश्विक आतंकवाद प्रतिरोधक परिषद (जीसीटीसी) के तीसरे साइबर सुरक्षा सम्मेलन के समापन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि साइबर अपराध पीड़ितों, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में, कानूनी सहायता प्रदान करने की आवश्यकता है। देश में डिजिटल पहुंच बढ़ने के साथ-साथ साइबर अपराध की घटनाओं में वृद्धि पर उन्होंने कहा कि यह एजेंसियों, जांचकर्ताओं, नियामकों और विधि समुदाय के लिए चिंता का क्षेत्र है।

छत्रसाल सिंह बने पूर्व मध्य रेल के नए महाप्रबंधक

निज संवाददाता

हाजीपुर (वैशाली)। छत्रसाल सिंह ने शनिवार को पूर्व मध्य रेल के नए महाप्रबंधक का पदभार ग्रहण कर लिया है । इसके पूर्व आप रेलवे बोर्ड, नई दिल्ली में एडिशनल मेंबर (ट्रैफिक ट्रांसपोर्टेशन) के पद पर पदस्थापित थे। छत्रसाल सिंह 'भारतीय रेलवे यातायात सेवा' (आईआरटीएस) के 1988 बैच के एक ख्याति प्राप्त अधिकारी हैं। आपने आईआईटी, रूड़की से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में स्नातक की डिग्री प्राप्त किया है। छत्रसाल सिंह भारतीय रेलवे के कई महत्वपूर्ण पदों पर अपना योगदान दे चुके हैं। आप दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, उत्तर मध्य रेलवे, उत्तर पश्चिम रेलवे और उत्तर रेलवे में परिचालन, वाणिज्यिक और संरक्षा विभागों में विभिन्न पदों पर कार्य करते हुए व्यापक अनुभव प्राप्त किया है। आपने रेलवे बोर्ड में निदेशक (कम्प्यूटराईजेशन एंड इनफार्मेशन सिस्टम) एवं क्रिस, नई दिल्ली में महाप्रबंधक के रूप में भी कार्य किया है। आप दक्षिण पूर्व रेलवे के चक्रधरपुर मंडल में मंडल रेल प्रबंधक तथा दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में प्रधान मुख्य परिचालन प्रबंधक जैसे पदों पर भी अपना महत्वपूर्ण योगदान दे चुके हैं।

में बिना रजिस्ट्रेशन के नहीं लग सकेंगे लिफ्ट और एस्केलेटर

पटना(नि.सं.)। अब किसी बहुमंजिला इमारत, व्यावसायिक भवन, अस्पताल, होटल व दफ्तरों में बिना निबंधन के लिफ्ट व एस्केलेटर नहीं लगाए जा सकेंगे। ऊर्जा विभाग के पास इसका निबंधन कराना होगा। ऊर्जा विभाग के इस प्रस्ताव को राज्य कैबिनेट ने अपनी मंजूरी प्रदान की। इसके अतिरिक्त जिन सरकारी कार्यालयों का स्वीकृत भार 20 किलोवाट है वहां स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाए जाएंगे। ऊर्जा मंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव ने कहा कि लिफ्ट व एस्केलेटर से संबंधित निर्णय बिहार को स्मार्ट व सुरक्षित राज्य बनाए जाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। वहीं, सरकारी कार्यालयों में स्मार्ट प्रीपेड मीटर के संबंध में जो फैसला लिया गया है, उससे ऊर्जा प्रबंधन में सुधार होगा। राज्य में बहुमंजिली इमारत, व्यावसायिक भवनों व होटलों का निर्माण तेजी से हुआ है।

ऑटो रिक्शा व इ-रिक्शा को मिली नीति मंजूर

छह शहरों में चलेंगी 400 ई-बसें और ई-रिक्शा

निज संवाददाता

पटना। बिहार के मुख्य शहरों पटना, मुजफ्फरपुर, गया, भागलपुर, दरभंगा और पूर्णिया में पीएम इ-बस सेवा की सुविधा नागरिकों को मिलेगी। इन शहरों में परिवहन को सरल बनाने के लिए सरकार ने 400 इलेक्ट्रिक बसों की खरीद की राशि स्वीकृत की है। इसके लिए 1032।81 करोड़ की स्वीकृति कैबिनेट ने दी है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में कुल 54 एजेंडों को स्वीकृति दी गयी। कैबिनेट ने इसके साथ ही राज्य के आम नागरिकों को अंतरक्षेत्रीय और अंतरराज्यीय रूटों पर अधिक से अधिक यात्रियों को परिवहन व्यवस्था को मंजूरी दी गयी। इसके लिए बिहार राज्य परिवहन निगम के लिए नयी बसों की खरीद की जा रही है। नयी बसों की खरीद होने के बाद 500 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा और 30 हजार व्यक्तियों को प्रतिदिन आवागमन की सुविधा उपलब्ध होगी। कैबिनेट ने सड़क सुरक्षा और बेहतर यात्री सुविधा के साथ शहरों को जाम मुक्त बनाने के लिए राज्य के विभिन्न प्रमंडलों और जिला मुख्यालयों में ऑटो रिक्शा और इ-रिक्शा रेगुलेट करने की योजना की स्वीकृति दी गयी। इस नीति के लागू होने से राज्य के शहरों में ऑटो रिक्शा और इ-रिक्शा का व्यवस्थित परिचालन होगा। इससे जाम की समस्या का निदान, प्रदूषण में कमी, यात्रियों की सुरक्षित यात्रा, सड़क दुर्घटनाओं में कमी और पार्किंग स्थल या ठहराव स्थल का निर्धारण होगा।

बस डिपो और चार्जिंग स्टेशन भी बनेंगे

मंत्रिमंडल की जानकारी के अनुसार, सरकार ने आज की बैठक में राज्य में ई-परिवहन को बढ़ावा देने के लिए कई निर्णय पारित किए। जिसके अंतर्गत पीएम ई-बस सेवा के लिए 1032.81 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। इस राशि में केंद्रांश 728.42 करोड़, जबकि राज्यांश 235.20 करोड़ रुपये शामिल हैं।

प्रखंडों में डाटा इंट्री ऑपरेटर सहित शिक्षा विभाग में भी विभिन्न पदों पर होगी बहाली

बिहार के विभिन्न विभागों में 1430 नये पदों पर होगी भर्ती

निज संवाददाता | पटना

बिहार में विभिन्न विभागों में 1430 नये पदों पर भर्ती होगी । इनमे 534 प्रखंडों में डाटा इंट्री ऑपरेटर सहित शिक्षा विभाग में भी विभिन्न पदों पर बहाली होगी ।इन पदों पर नियुक्ति की प्रकिया जल्द ही शुरू की जाएगी । कैबिनेट ने शुक्रवार को इन पदों को मंजूरी दे दी है। विज्ञान , प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के अंतर्गत संचालित 34 राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालयों में कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम के लिए 338 शैक्षणिक पदों के सृजन की स्वीकृति मिली है । जिनमे प्राध्यापक के 28 पद, सह-प्राध्यापक के 71 पद एवं सहायक प्राध्यापक के 239 पद शामिल हैं। इसके साथ ही 31 राजकीय पॉलिटेक्निक / राजकीय महिला पॉलिटेक्निक संस्थानों में असैनिक पाठ्यक्रम के लिए 203 शैक्षणिक पद सृजित किए गए हैं । जिनमें विभागाध्यक्ष के 04 पद एवं व्याख्याता के 199 पद शामिल हैं।

534 प्रखंडों में 1-1 डाटा एंट्री ऑपरेटर की सुनिश्चित हुयी बहाली

इसके अलावा कैबिनेट द्वारा राज्य के नये आईटीआई में प्रधान लिपिक के 31 एवं निम्नवर्गीय लिपिक के 31 अर्थात् कुल 62 पदों के सृजन की मंजूरी दी गई है । वहीं औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में पूर्व से प्रारंभ विभिन्न व्यावसायों में व्यवसाय अनुदेशकों तथा गणित अनुदेशकों , ड्राइंग अनुदेशकों के 130 एवं ग्रुप अनुदेशकों के 7 कुल 137 पद का प्रस्ताव स्वीकृत किया गया है । इसके अलावा 534 प्रखण्डों में 1-1 डाटा इंट्री ऑपरेटर भी बहाल किए जाएँगे । पंचायती राज विभाग में 6 पद सृजित किए गए हैं ।

मैट्रिक का अंक पत्र डाउनलोड करने के बाद 11वीं में दाखिला

पटना(नि.सं.)। बिहार बोर्ड ने मैट्रिक के छात्रों को 11वीं में दाखिले के लिए बोर्ड वेबसाइट से अंक पत्र डाउनलोड करने का निर्देश दिया है। 11वीं में दाखिले के लिए बोर्ड वेबसाइट results.biharboardonline.com/secondary24 पर अंक पत्र उपलब्ध करवा दिये गये हैं। वेबसाइट से अंक पत्र डाउनलोड कर छात्र आगे दाखिले की प्रक्रिया पूरी करेंगे। दाखिले के बाद अंक पत्र का सत्यापन बिहार बोर्ड द्वारा किया जाएगा। ऐसे छात्र जो राज्य या राज्य के बाहर किसी शिक्षण संस्थान में दाखिला ले रहे हैं, उनकी मदद के लिए बोर्ड ने यह कदम उठाया है।

प्रथम चयन सूची पर दाखिला आज तक, 25 हजार ने किया स्लाइडअप

निज संवाददाता | पटना

इंटर दाखिले के प्रथम चयन सूची के आधार पर 14 जुलाई तक दाखिला लिया जाएगा। अभी तक 25 हजार छात्र स्लाइडअप के लिए आवेदन कर चुके हैं। जिन छात्रों ने स्लाइडअप किया है, उनका नाम फिर द्वितीय चयन सूची में जारी किया जाएगा। वहीं जिन छात्रों को प्रथम चयन सूची के आधार पर स्कूल आवंटित हो चुके हैं, अगर वे वहां नामांकन नहीं लेते हैं तो उनका आवेदन ही रद्द कर दिया जाएगा। आवंटित स्कूल में दाखिला लेने के बाद ही छात्र स्लाइडअप के लिए आवेदन कर पाएंगे। बता दें कि प्रथम चयन सूची में सैकड़ों छात्र ऐसे हैं जिन्हें बोर्ड द्वारा आवंटित स्कूल में दाखिला नहीं लेना है। ऐसे छात्रों के लिए बोर्ड ने स्लाइडअप की सुविधा दी है। स्लाइडअप करने के बाद ही छात्र आवंटित स्कूल में बदलाव कर सकते हैं। कई छात्रों को इसकी जानकारी नहीं है, इसको लेकर बिहार बोर्ड ने तमाम स्कूलों को पत्र भी लिखा है, जिससे छात्रों को सही जानकारी प्राप्त हो सके। इंटर में दाखिला का दौर चल रहा है। अब तक आठ लाख से अधिक छात्रों का दाखिला हो चुका है। शेष बची सीटों पर 14 जुलाई तक और फिर द्वितीय और तीसरे चरण में दाखिला लिया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

नहीं रहे वयोवृद्ध कम्युनिस्ट नेता दीनानाथ सिंह, शोक

नीमचक बथानी। खिजरसराय प्रखंड के खुशियालुर गांव निवासी वयोवृद्ध कम्युनिस्ट नेता दीनानाथ सिंह की मौत शुक्रवार की अहले सुबह हो गई। वे 90 वर्ष के थे और पिछले कई सालों से लकवाग्रस्त थे। उनकी पहचान अपने जमाने मे एक तेज तर्रार नेता के रूप में थी। वे 80 के दशक में मुखिया चुनाव जीते थे। वे जहानाबाद के चर्चित सांसद रामाश्रय प्रसाद यादव के काफी नजदीकी माने जाते हैं। उनकी मौत पर कम्युनिस्ट नेता सीताराम प्रसाद यादव, रामबालक जमादार, पूर्व उप सरपंच वीरेंद्र सिंह के अलावे कई नेताओं ने गहरी संवेदना व्यक्त की है।

गया शहर के विक्रम को सीए परीक्षा में सफलता

गया। जिला के नूतन नगर मोहल्ला निवासी विक्रम विश्वजीत ने चार्टर्ड एकाउंटेंट की फाइनल परीक्षा पास करके सफलता हासिल की है। विक्रम विश्वजीत के पिता प्रभात कुमार शंकर घर-घर जाकर बच्चों ट्यूशन पढ़ाते हैं व इनकी माता मंजू देवी गृहिणी हैं। विक्रम विश्वजीत के इस सफलता के पीछे उनके माता-पिता का बहुत बड़ा योगदान रहा है। विपरीत आर्थिक स्थितियों में रहकर अपने बेटे को इस काबिल बनाया है ।

विधवा के बच्चों को प्रतिमाह मिलेगी चार हजार की अनुदान राशि

गया। समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित योजना के तहत आवेदन प्रक्रिया को लेकर बिहार प्रदेश बुनकर कल्याण संघ ने नगर निगम क्षेत्र मानपुर में अभियान द्वारा पात्र जरुरतमंद गरीबों को जागरूक करने का निर्णय लिया है। अभियान के तहत पात्र विधवा पेंशनधारी महिला के दो बच्चों को चिह्नित कर पूरी जानकारी प्रदान कर लाभांवित होने में सहयोग करेंगे। जानकारी हो कि योजनाओं की जानकारी के अभाव में जरुरतमंद अनाथ बच्चे शिक्षा से वंचित रह जाते हैं। प्रतिमाह चार हजार रुपए अनुदान राशि मिलने से इनका आत्मबल और आत्मविश्वास बढ़ेगा। बुनकर संघ के अध्यक्ष गोपाल प्रसाद पटवा ने उक्त जानकारी देते हुए कहा कि जिला बाल संरक्षण इकाई (समाज कल्याण विभाग) द्वारा मिशन वात्सल्य योजना के अंतर्गत कई कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। योजना के तहत विधवा पेंशनधारी के 18 वर्ष से कम उम्र के अनाथ बच्चों को प्रतिमाह चार हजार रुपए का अनुदान मिलने का प्रावधान है। श्री पटवा ने कहा कि 18 वर्ष से कम उम्र के जरुरतमंद पात्र लाभुकों को आवेदन के साथ शहरी क्षेत्र में 96000 वार्षिक आय और ग्रामीण क्षेत्र में 72000 वार्षिक आय प्रमाण-पत्र अथवा बीपीएल सूची में नाम रहने पर छायाप्रति, बच्चा के पिता का मृत्यु प्रमाण-पत्र की छायाप्रति, लाभार्थी बालक या बालिका का जन्म प्रमाण-पत्र की छायाप्रति, , बच्चा और मां का संयुक्त बैंक खाता की छायाप्रति, बच्चे का विद्यालय से अध्ययनरत का लिखित पत्र, बच्चा एवं मां का आधार कार्ड की छायाप्रति अनिवार्य है।

एएम कॉलेज में मनाई गई सत्येंद्र बाबू की जयंती

गया। अनुग्रह मेमोरियल महाविद्यालय, गया के सत्येंद्र नारायण सिन्हा भवन में शुक्रवार को स्वतंत्रता सेनानी, राजनीतिज्ञ, सांसद, राज्य के मुख्यमंत्री व शिक्षा मंत्री रहे स्वर्गीय सत्येंद्र बाबू की जयंती मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ सत्येंद्र बाबू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया। प्रभारी प्रधानाचार्य डॉ. अनंत कुमार सिन्हा ने कहा कि सत्येंद्र बाबू ने बिहार के विकास में अग्रणी भूमिका निभाई। इनको छोटे साहब के नाम से भी जाना जाता है। इन्होंने शिक्षा मंत्री के रूप में शैक्षणिक सुधार किए और मगध विश्वविद्यालय की स्थापना भी की। मौके पर डॉ. पार्थ सारथी, डॉ. अमृतेंदु घोषाल, डॉ. श्वेता सिंह, डॉ. विजय , राजेश रंजन कुमार सिंह, मुकेश आदि उपस्थित थे।

ट्रांसफॉर्मर पर गिरा पेड़, वाहन ने हाई टेंशन तार के पोल में मारी टक्कर, आपूर्ति बाधित

टिकारी। टिकारी पंचानपुर मुख्य मार्ग स्थित डिहुरी गांव के समीप टिकारी पॉवर स्टेशन से सीयूएसबी फीडर के लिए गए 33 हजार सप्लाई के पोल पर वाहन ने धक्का मार दिया। पोल में धक्का लगने से 33 हजार वोल्ट के तार से निकली चिनगारी से पेड़ धू-धूकर जल गया। घटना गुरुवार की देर रात्रि घटित हुई। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर काबू पाया। वहीं टिकारी थाना की पुलिस द्वारा धक्का मारने वाले वाहन को जब्त कर लिया गया। मामले को लेकर बिजली विभाग द्वारा अब तक कोई लिखित शिकायत नहीं की गई। वहीं दूसरी ओर टिकारी पंचानपुर मार्ग के मुर्गी बिगहा मोड़ के समीप बिजली ट्रांसफॉर्मर पर विशाल पेड़ गिर गया। गुरुवार की रात्रि हुई मूसलाधार बारिश के कारण सड़क किनारे लगा बरगद का पेड़ ट्रांसफॉर्मर पर ही गिर गया। पेड़ के गिर जाने से ट्रांसफॉर्मर पोल से अलग हो सड़क पर आ गया। ट्रांसफॉर्मर पर पेड़ गिर जाने के कारण क्षेत्र की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। बिजली विभाग व एजेंसी के कर्मियों द्वारा पेड़ हटाकर पुनः ट्रांसफॉर्मर लगाने का कार्य किया जा रहा है। इधर, उपभोक्ताओं ने यह भी कहा कि मामले को लेकर विभाग के सहायक विद्युत अभियंता व कनीय अभियंता से दूरभाष पर जानकारी लेने की कोशिश की गई । लेकिन सहायक विद्युत अभियंता ने कॉल रिसीव नहीं किया। वहीं कनीय अभियंता का मोबाइल नम्बर ही स्विच ऑफ मिला।

नालंदा के मुक बधिर युवक की नागपुर में मौत

नालंदा। नालंदा के एक युवक की ट्रेन से कटकर नागपुर में मौत हो गई। मृतक नीतीश कुमार(19) कपटीया गांव का रहने वाला था। हैदराबाद से घर लौटते समय हादसा हुआ है। हैदराबाद में रहकर मजदूरी करता था मृतक की भाभी पिंकी देवी ने बताया कि नीतीश मूक बधिर था। वो हैदराबाद में रहकर मजदूरी करता था। शुक्रवार को घर लौटने वाला था, लेकिन उससे पहले रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। पुलिस से घटना की जानकारी मिलते ही परिवार के सदस्य घटनास्थल के लिए रवाना हो गए हैं। उन्होंने आगे कहा कि नीतीश ई-रिक्शा लेने वाला था। घर पर रहकर ही काम करता, लेकिन उससे पहले ये हादसा हो गया। वह चार भाई और दो बहनों में सबसे छोटा था। घर आने से पहले उसने वीडियो कॉल भी किया था। आसपास के लोग घर पहुंचकर परिजनों को सांत्वना दे रहे हैं।

मुहर्रम में शांति व्यवस्था को 80 शहरवासियों को जिम्मेदारी

निज संवाददाता। गया

- शांति समिति की अहम बैठक के लिए मिला न्योता, वार्ड पार्षदों को शामिल नहीं किया जाएगा

गया में मुहर्रम के जुलूस के मौके पर शहर के 80 से अधिक आम अवाम के कंधे पर शांति बनाए रखने की जिम्मेदारी होगी। ये 80 से अधिक वे लोग हैं जिनके ऊपर जिला प्रशासन ने भरोसा किया है। उन्हें शांति समिति की अहम बैठक के लिए न्योता दिया है। बैठक शनिवार को तीन बजे से कलेक्ट्रेट सभागार में होने जा रही है। जिला प्रशासन ने जिन 80 से अधिक लोगों पर भरोसा जताया है वे अलग अलग क्षेत्रों में अपनी खास पहचान रखते हैं। उनमें शिक्षाविद से लेकर डॉक्टर, समाजसेवी और विभिन्न राजनीतिक दलों के राजनीतिज्ञ आदि शामिल हैं। प्रशासन ने इन सभी को बैठक में शरीक होने का न्योता भेजा है। खास बात यह भी इस बार इस बैठक में वार्ड पार्षदों को शामिल नहीं किया गया है। उन्हें थाना स्तर से होने वाली शांति समिति की बैठक में शामिल किया गया।

विभिन्न थानों के थानाध्यक्ष ऑनलाइन बैठक में रहेंगेः प्रशासन की लिस्ट में शामिल शांति समिति के जिम्मेदार लोग विभिन्न इलाकों से निकलने वाले जुलूस के समय से लेकर उसके समापन तक पुलिस प्रशासन के साथ मिल कर अपनी पहचान की बदौलत शहर में शांति व्यवस्था कायम रखने में हर सम्भव मदद करेंगे। खास बात यह भी कि प्रशासन की शांति-समिति की बैठक के दौरान जिले के विभिन थानों के थानाध्यक्ष ऑनलाइन बैठक में शरीक होंगे। बैठक के दौरान तय किए गए दिशा-निर्देशों पर ही विभिन्न थाना के थानाध्यक्ष अपने अपने इलाके में शांति व्यवस्था बनाए रखने के मसले पर काम करेंगे। मुहर्रम को लेकर पुलिस और प्रशासन बीते एक पखवाड़े से विशेष बैठक करने में जुटा है।

गया में दो बंद घरों से 10 लाख की चोरी, कैश समेत जेवरात ले उड़े चोर

निज संवाददाता। गया

गया में कोतवाली थाना क्षेत्र के गोल बगीचा गबरा के पास चोरों ने दो बंद घरों को निशाना बनाया है। दोनों घरों से 10 लाख से अधिक के जेवरात की चोरी हुई है। पूरी वारदात सीसीटीवी में कैद हो गई है। घटना के समय घर में कोई भी सदस्य नहीं था। शादी समारोह में शरीक होने के लिए बोधगया गए थे।

नगद समेत 10 लाख के जेवरात ले उड़े चोरः शुक्रवार को सभी लोग वापस घर लौटे तो देखा कि मेन डोर का ताला टूटा हुआ है। घर के अंदर कमरों में रखा सारा सामान बिखरा पड़ा था। पीड़ित रूबी देवी और सुमन देवी ने बताया कि दोनों घरों से नगद समेत करीब 10 लाख रुपए से अधिक के जेवरात की चोरी हुई है। सीसीटीवी फुटेज में देखा जा सकता है कि दो चोर पहले गली में रेकी करता है। उसके बाद घर में एंट्री करता है। वारदात को अंजाम देने के बाद आराम से निकल गए।

क्या कहते हैं कोतवाली इंस्पेक्टरः कोतवाली इंस्पेक्टर आशीष मिश्रा ने बताया कि जानकारी मिलते ही पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची थी। सीसीटीवी के आधार पर चोरों की शिनाख्त की जा रही है।

गया में बाराचट्टी के जंगल से 182 किलो डोडा बरामद

निज संवाददाता। गया

- एसएसबी और स्थानीय पुलिस ने की कार्रवाई, तस्कर मौके से फरार

गया में बाराचट्टी के जंगल से 182 किलो डोडा बरामद हुआ है। एसएसबी और लोकल पुलिस ने सर्च अभियान चलाकर डोडा बरामद किया है। हालांकि मौके से एक भी तस्कर की गिरफ्तारी नहीं हुई है। 29वीं वाहिनी एसएसबी बीबी पेसरा को सूचना मिली थी कि छोटकी चापी के रुधवा जंगल में भठवा पहाड़ के पास मादक पदार्थ की बड़े स्तर पर तस्करी की जा रही है। इनपुट के आधार पर एसएसबी बीबीपेसरा के सहायक कमांडेंट शिवराम कृष्णन ने बाराचट्टी पुलिस और राजस्व विभाग के साथ मिलकर एक संयुक्त टीम का गठन किया। सर्च अभियान के दौरान 12 प्लास्टिक के बोरे में करीब 182 किलो मादक पदार्थ (डोडा) बरामद हुआ। सहायक कमांडेंट शिवराम कृष्णन ने बताया कि एसएसबी नक्सलवाद और तस्करों के खिलाफ पूरी मुस्तैद से काम कर रही है। अफीम और डोडा की बरामदगी करने के लिए क्षेत्र में एसएसबी सक्रिय हैं। आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी।

7 दिन से बिजली गुल, ग्रामीणों ने सड़क किया जाम, जले ट्रांसफार्मर को बदलने के लिए कई बार लगाई गुहार

निज संवाददाता। नालंदा

शनिवार को नालंदा जिले के बिन्द थाना क्षेत्र के कुंभरी पुल के पास ग्रामीणों ने बिजली और पानी की किल्लत से परेशान होकर बिहटा-सरमेरा मुख्य मार्ग को जाम कर दिया। ग्रामीणों का कहना है कि पिछले एक सप्ताह से बिना बिजली और पानी के रहने को मजबूर है। ट्रांसफार्मर नहीं बदला जा रहा। बिन्द गांव की आबादी करीब 5 हजार है जो पिछले एक सप्ताह से बिजली और पानी की किल्लत से जूझ रही है। ग्रामीणों ने बिहटा-सरमेरा टू-लेन पर प्रदर्शन किया। सड़क के दोनों ओर गाड़ियों की लंबी कतार लग गई। करीब आधे घंटे तक आवागमन पूरी तरह से ठप हो गया।

बिहटा-सरमेरा टू-लेन पर लगा जामः पूनम देवी, धनवंती देवी शर्मिला देवी, कंचन देवी, रामरती देवी, पार्वती देवी, उमा देवी, रजनी देवी, खुशबू देवी, मंजू देवी ने बताया कि मजबूर होकर सड़क जाम करने पहुंचे हैं। अधिकारियों से ट्रांसफार्मर बदलने को लेकर कई बार गुहार लगाई जा चुकी है, लेकिन कोई ठोस पहल इसके लिए नहीं की जा रही है।

ट्रांसफार्मर मंगवाया गया हैः बिन्द थाना अध्यक्ष रौशन कुमार ने बताया कि सड़क जाम की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और आक्रोशित ग्रामीणों को समझा-बूझकर मामले को शांत कराया गया। आवागमन को फिर से सुचारू किया गया। ग्रामीणों की समस्या से बिजली विभाग के अधिकारियों को अवगत करा दिया गया है। जेई कुमारी श्वेता सिंह ने बताया कि ट्रांसफार्मर जल जाने की वजह से समस्या हुई है। ट्रांसफार्मर मंगाया गया है। समस्या का समाधान जल्द कर लिया जाएगा।

मुहर्रम के एक जुलूस में 200 की होगी संख्या, 10% लोगों को देना होगा पहचान पत्र

निज संवाददाता। नालंदा

- रूट चार्ट के अनुसार मिलेगा परमिशन

नालन्दा जिलाधिकारी शशांक शुभंकर और एसपी अशोक मिश्रा ने आगामी मुहर्रम के अवसर पर नालंदा जिलान्तर्गत शांति व्यवस्था और विधि व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से कई निर्देश दिए हैं। जिलाधिकारी ने कहा कि 17 जुलाई को मुहर्रम शांतिपूर्ण और आपसी भाईचारे के साथ मनाएंगे। पर्व के अवसर पर जुलूस का रूट चार्ट के अनुसार परमिशन लेना आवश्यक है, डीजे पूर्णतः प्रतिबंधित रहेंगे, सभी मुख्य चौक-चौराहों और मार्गों पर दंडाधिकारियों और पुलिस पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की जाएगी, सीसीटीवी कैमरे क्रियाशील रखे जाएंगे, जुलूस का वीडियोग्राफी किया जाएगा, ट्रैफिक व्यवस्था, साफ-सफाई आदि की समुचित व्यवस्था की जाएगी। अपने-अपने क्षेत्रों में स्थानीय लोगों को शांतिपूर्ण माहौल में पर्व मनाने के लिए प्रेरित करें। एक जुलूस की संख्या 200 तक सीमित होगी।जुलूस में शामिल 10% लोगों का आधार कार्ड / पहचान पत्र/ मोबाइल नंबर देना अनिवार्य होगा ।

सोशल मीडिया पर पैनी नजरः जिलाधिकारी ने सख्त निर्देश देते हुए कहा है कि पर्व के अवसर पर असामाजिक तत्वों पर पैनी नजर रखी जाएगी, सौहार्द पूर्ण माहौल खराब करने वाले शख्स को चिह्नित कर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सोशल मीडिया, फेक न्यूज के गलत अफवाहों पर ध्यान न दें, भड़काऊ बयान बाजी भेदभाव उत्पन्न करते हैं, बिना किसी भेदभाव के एक-दूसरे धर्म का सम्मान करें, शांति व्यवस्था भंग न होने दें, किसी प्रकार की अप्रिय घटना की सूचना प्रशासन तक पहुंचाएं।

जुलूस की जिम्मेदारी अखाड़ा संचालकों की होगीः जिले भर में दंडाधिकारियों और पुलिस पदाधिकारियों का पुख्ता इंतजाम रहेगा, सीसीटीवी कैमरे, वीडियो ग्राफी, ड्रोन, साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था की जाएगी। आखाड़ा संचालकों को जुलूस में सिर्फ लाठी-डंडे का परमिशन रहेगा, इसके अलावे तलवार, भाला, अग्नेयास्त्र, बंदूक आदि पूर्णतः प्रतिबंधित रहेंगे। जुलूस की सारी जिम्मेदारी आखाड़ा संचालकों की होगी।

पहाड़ियों पर प्लांट लगाने को सीड बॉल का होगा छिड़काव

निज संवाददाता। गया

- 4 करोड़ 28 लाख पौधे लगाने की योजना, गांधी मैदान में मनाया 75वां वन महोत्सव

शहर के गांधी मैदान में वन व पर्यावरण मंत्री डॉ. प्रेम कुमार की मौजूदगी में 75वां वन महोत्सव मनाया गया। इस मौके पर बतौर विशिष्ट अतिथि लघु जल संसाधन विभाग के मंत्री डॉ. संतोष कुमार सुमन और बाराचट्टी की विधायक ज्योति मांझी भी मौजूद रहीं। महोत्सव का शुभारंभ अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर किया। मौके पर डॉ. प्रेम कुमार और डॉ. संतोष कुमार सुनम ने पौधरोपण किया गया। मंत्री डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि विभाग की ओर से इस बार 4 करोड़ 28 लाख पौधे लगाने की योजना है। पहाड़ियों पर सीड बॉल का छिड़काव किया जाना है। ताकि पहाड़ियों को वृक्षों से हरा भरा किया जा सके। सीड बॉल से होने वाले पेड़-पौधे का संरक्षण की योजना लागू की जाएगी। ताकि उनका विस्तार किया जा सके और प्रयोग विफल न हो।

पहाड़ियों पर पेड़-पौधे का अभाव हैः गौरतलब है कि गया कि पहाड़ियों पर पेड़-पौधे का अभाव है। सभी पहाड़ियां पेड़-पौधे नहीं होने की वजह से भयावह नजर आतीं हैं। ऐसे में वन विभाग की ओर से इस बार नया प्रयोग सीड बॉल के जरिए किया जा रहा है। मंत्री डॉ. संतोष कुमार सुमन ने मानव जीवन के लिए वृक्ष की महत्ता पर प्रकाश डाला। इस मौके पर वन विभाग के अधिकारियों के अलावा गया के एसएसपी आशीष भारती, उपविकास आयुक्त विनोद दुहन भी उपस्थित रहे। वन महोत्सव में काफी संख्या में स्थानीय लोग, जीविका दीदियां मौजूद रहीं।

हथियार के साथ अपराधी को किया गिरफ्तार, तलाशी में 9 कारतूस और पिस्टल बरामद

निज संवाददाता। नालंदा

नालंदा की नूरसराय पुलिस ने हथियार-कारतूस के साथ एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। अपराधी नूरसराय थाना क्षेत्र के डोईया गांव निवासी बाल्मीकि प्रसाद यादव का बेटा कृष्णकांत कुमार उर्फ संतोष कुमार यादव है। नूरसराय थाना अध्यक्ष रजनीश कुमार ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि नूरसराय थाना क्षेत्र के डीपीएस यमुनापार मोड़ के पास एक व्यक्ति बाइक से हथियार-कारतूस ले जा रहा है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बाइक सवार कृष्णकांत कुमार उर्फ संतोष कुमार यादव को पकड़ लिया। तलाशी के क्रम में कृष्णकांत कुमार के पास से एक लोडेड देसी पिस्तौल और मैगजीन से पांच राउंड जिंदा कारतूस बरामद किया गया। चार राउंड कारतूस और एक स्मार्टफोन जब्त किया गया। बरामद हथियार-कारतूस के मामले में नूरसराय थाना में आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ कर दिया गया है। छापेमारी टीम में नूरसराय थाना अध्यक्ष रजनीश कुमार, दारोगा राजेश कुमार ठाकुर, दारोगा रंजीत प्रसाद, जमादार सुनील राम, पीटीसी बीरेंद्र सिंह और नूरसराय थाना की सशस्त्र पुलिस बल शामिल रही।

पेंटर की बेटी बनीं दारोगा, हर दिन 10 घंटे करतीं थीं तैयारी, मां-पिता ने घरेलू काम से रखा अलग

- बचपन का सपना हुआ पूरा

निज संवाददाता। नालंदा

नालंदा में पेंटर की बेटी सुमन कुमारी दारोगा बन गईं हैं। सुमन बचपन से ही पुलिस की वर्दी पहनने का सपना देखती थीं। जो अब पूरा हो गया। इस मुकाम तक पहुंचने के लिए सुमन को रोजाना 10 घंटे तक पढ़ाई करनी पड़ी। सुबह से शाम तक लाइब्रेरी में पढ़ाई करतीं थीं। सेल्फ स्टडी कर सफलता हासिल की। मां-पिता ने घर के काम से उन्हें अलग रखा था। ट्यूशन पढ़ाकर अपनी पढ़ाई के लिए खर्च निकाला। खान सर के ऑनलाइन क्लास से पिछले 2 सालों से जुड़ी हुई थी। जबकि फिजिकल के लिए संजीव सर का काफी सहयोग मिला। सुमन दारोगा परीक्षा से पहले कॉन्स्टेबल और जीडी की परीक्षा में भी सफल हुई हैं।

चार भाई-बहनों में सबसे छोटी हैंः बिहार शरीफ के लहेरी थाना क्षेत्र निवासी दिनेश प्रसाद की बेटी सुमन कुमारी चार भाई-बहनों में सबसे छोटी हैं। इनके पिता घरों में दीवार पेंटिंग का काम करते हैं। सुमन की इस सफलता से परिवार और मोहल्ले के लोग काफी खुश हैं। दिनेश प्रसाद ने कहा कि बेटी ने आज यह मुकाम हासिल किया है। बेटी को घर के कामों से अलग रखकर पढ़ने की आजादी दी। आज उसने पूरे परिवार का नाम रोशन किया है।

एमए तक की पढ़ाई कीः सुमन कुमारी ने एमए तक की पढ़ाई की है। मैट्रिक, इंटर और स्नातक में फर्स्ट डिवीजन से उत्तीर्ण हुईं हैं। वह बचपन से ही पढ़ाई में काफी तेज हैं। सुमन कुमारी की कहानी उन सभी युवाओं के लिए प्रेरणा है। जो कठिन परिस्थितियों में भी अपने सपनों को पूरा करने की हिम्मत रखते हैं। उनकी सफलता यह दर्शाती है कि कड़ी मेहनत और लगन से कोई भी मुकाम हासिल किया जा सकता है।

मुहर्रम को लेकर डीएम व एसपी ने की बैठक

- डीएम ने शांतिपूर्ण मुहर्रम के लिए दो जिलों के अधिकारियों के सहयोग की बात कही और व्यापक तैयारी की जानकारी दी।
- प्रशासनिक अधिकारी ताजिया पहलाम और मुहर्रम के दौरान संयम बनाए रखने की अपील कर रहे हैं।
- एसपी ने पिछले साल मुहर्रम में हुई छिटपुट घटनाओं का जिक्र करते हुए इस साल सख्ती बरतने की बात कही।

निज संवाददाता

पकरीबरावां (नवादा)। मुहर्रम शांतिपूर्ण संपन्न कराने को लेकर जिले के वरीय पदाधिकारी लगातार पुलिस एवं प्रशासनिक पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, ताजियादारों एवं समाज के प्रबुद्ध नागरिकों के साथ बैठक कर रहे हैं। जिला प्रशासन इसके लिए कोई कोर कसर छोड़ना नहीं चाहती है। हर स्तर से प्रशासनिक तैयारियां की जा रही है। इसी कड़ी में शनिवार को नवादा डीएम आशुतोष कुमार वर्मा, एसपी अंब्रीश राहुल, एडीएम चंद्रशेखर आजाद, डीडीसी दीपक कुमार मिश्रा, सदर एसडीओ अखिलेश कुमार, पकरीबरावां एसडीपीओ महेश चौधरी, वरीय पदाधिकारी शशांक राज, इंस्पेक्टर सुरेश राम, सीओ राजेश कुमार, बीपीआरओ गौरव कुमार, थानाध्यक्ष हिमांशु पप्पू समेत जिले व प्रखंड के कई प्रशासनिक पदाधिकारी धमौल थाना परिसर में एक मंच पर दिखे। मुहर्रम को लेकर आयोजित इस बड़ी बैठक में जमुई जिला के एसडीओ अभय तिवारी व एसडीपीओ सतीश सुमन सहित ईस्लामनगर (अलीगंज) प्रखंड के बीडीओ अभिषेक कुमार, सीओ दिवाकर रंजन, चंद्रदीप थाना के थानाध्यक्ष राजेंद्र कुमार साह समेत कई पदाधिकारी शामिल हुए। बैठक के दौरान ताजियादारों एवं उपस्थित तमाम लोगों को संबोधित करते हुए डीएम ने कहा कि मुहर्रम शांतिपूर्ण संपन्न कराने के लिए दो जिलों के अधिकारी जुटे हैं। इसे सबों के सहयोग से शांतिपूर्ण संपन्न कराना है। इसके लिए जिला प्रशासन की ओर से व्यापक तैयारी भी की गई है। ताजिया पहलाम एवं अखाड़ा के दौरान लोग संयमित रहें। युवा वर्ग के लोग जल्दी विचलित हो जाते हैं। उन्हें इससे बचना होगा। जिला प्रशासन ताजिया पहलाम एवं मुहर्रम शांतिपूर्ण संपन्न कराने के बीच आने वाले हर समस्याओं का समाधान करेगी। उन्होंने कहा इसके लिए जिला से लेकर प्रखंड स्तर के पदाधिकारी लगे हैं। एसपी ने पिछले साल मुहर्रम में ताजिया पहलाम के दौरान हुई छिटपुट घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि इसकी पुनरावृति न हो। अगर चूक हुई तो बख्शें नहीं जाएंगे। खपरैल मकान को क्षतिग्रस्त करना, बल्ब फोड़ना आदि बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। उन्होंने कहा प्रशासन सहयोग के लिए आपके साथ है। आपको सारी सुविधाएं मुहैया कराई जाएगी। सोशल मीडिया पर उन्होंने कहा कि आज के लोग बिना वेरिफाई किए किसी पोस्ट को फॉरवर्ड करते हैं। ऐसा करने से बचें, अन्यथा उन्हें जेल जाना पड़ेगा। किसी भी तरह की सूचना मिलने पर इसकी सत्यता की जांच कर लें। उन्होंने लोगों से त्योहार खुशी-खुशी मनाने को कहा। कहा विधि व्यवस्था खराब न करें। एडीएम एवं सदर एसडीओ ने लोगों को मुहर्रम को लेकर जारी गाइडलाइन से अवगत कराया। लाइसेंस के शर्तो की जानकारी देते हुए इसे हर हाल में फॉलो करने को कहा। कहा मंदिर, गिरिजाघर एवं हॉस्पिटल के पास जुलूस नहीं रुकेगी। जुलूस में बाइक ले जाने पर रोक होगी। पकरीबरावां एसडीपीओ महेश चौधरी ने असामाजिक तत्वों को चेताते हुए कहा कि इस पर प्रशासन ऐसे लोगों के विरुद्ध सख्ती से पेश आएगी। कहा जुलूस के दौरान कोई ऐसा नारा अथवा पोस्टर नहीं होगा, जिससे किसी की धार्मिक भावना आहत हो। जमुई एसडीओ एवं एसडीपीओ ने भी लोगों को संबोधित किया। खासकर आढ़ा एवं कैथा के ताजियादारों से रु -बरु होकर उनकी समस्याएं जानी। साथ ही मुहर्रम शांतिपूर्ण संपन्न कराने की अपील करते हुए कई दिशा निर्देश दिए। बैठक के दौरान ताजियादारों ने जुलूस के रूट, खराब रास्ता, पेयजल, बिजली के तार जैसे कई समस्याओं पर जिला प्रशासन का ध्यान आकृष्ट कराया। डीएम ने संबंधित अधिकारियों को समस्याओं के निराकरण के निर्देश दिए। बता दें कि धमौल में धमौल, तुर्कबन, धरहरा, जम्हड़िया, जसत आदि के अलावे जमुई जिले के कैथा एवं आढ़ा के लोगों का जुटान धमौल इमामबाड़ा पर होती है। यहां से लोग बाजार होते हुए पडरिया स्थित करबला पर पहुंच ताजिया का पहलाम करते हैं। बैठक में स्थानीय सरपंच इंद्रजीत कुमार सिन्हा, मुखिया रामरूप यादव, पंसस उपेंद्र सिंह, ढोढ़ मुखिया प्रतिनिधि चंद्रमा यादव, अल्पसंख्यक नेता कमरूल वारी, मो. मोइन आलम, बेलखुंडा सरपंच यहिया अंसारी, सतीश अग्रवाल, मो. इम्तियाज सहित कई अन्य उपस्थित थे।

जनता दरबार में 8 मामलों का ऑन द स्पॉट निष्पादन

निज संवाददाता

रजौली (नवादा)। थाने में शनिवार को अंचलाधिकारी मो गुफरान मजहरी एवं थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर राजेश कुमार के नेतृत्व में जनता दरबार का आयोजन किया गया। इस दौरान 8 मामलों का ऑन द स्पॉट निष्पादन किया गया, जबकि एक मामले में नोटिस किया गया। इस मौके पर एसआई गौतम कुमार, अंचल लिपिक शिवशंकर कुमार, राजस्व कर्मचारी जितेंद्र कुमार राम एवं राहुल कुमार मौजूद रहे। अंचलाधिकारी ने बताया कि अंचल क्षेत्र से जमीन से संबंधित विवाद के 9 मामले जनता दरबार में पहूंचे थे। जिसमें 8 मामलों के दोनों पक्षों के लोगों की मौजूदगी के कारण ऑन द स्पॉट निष्पादन कर दिया गया। वहीं एक नए मामले में द्वितीय पक्ष के लोगों की उपस्थिति नहीं रहने के कारण नोटिस जारी किया गया है। उन्हें अगले शनिवार को लगने वाली जनता दरबार में हाजिर होने को कहा गया है। बताते चलें कि सरकारी निर्देशानुसार प्रत्येक शनिवार को जनता दरबार लगा कर विवादित मामलों का निष्पादन अंचलाधिकारी और थानाध्यक्ष के द्वारा करना है। प्रत्येक शनिवार की तरह इस बार भी जनता दरबार लगाया गया। जिसमें रैयती भूमि से सम्बंधित विवादों को निराकरण किया गया। साथ ही आमलोगों से अपील किया गया कि वे जमीन से सम्बंधित विवाद को लेकर आपस मे झगड़ा न करें, बल्कि थाना परिसर में लगने वाले जनता दरबार में आएं।

अवध असम एक्सप्रेस के पैंट्री कार स्टाफ द्वारा दुर्व्यवहार के विरुद्ध तत्काल कार्रवाई

निज संवाददाता

हाजीपुर (वैशाली)। 11 जुलाई को अवध असम एक्सप्रेस की पैंट्री कार से कचरे के गैर जिम्मेदाराना निपटान को उजागर करने वाले एक चिंतित नागरिक द्वारा सोशल मीडिया पर पोस्ट की गई। एक वीडियो शिकायत के बाद तिनसुकिया डिवीजनल रेलवे मैनेजर (डीआरएम) द्वारा तुरंत निर्णायक कार्रवाई की गयी। शिकायत प्राप्त होने पर अवध असम एक्सप्रेस के रखरखाव और परिचालन हेतु जिम्मेदार तिनसुकिया डिवीजन के डीआरएम ने तुरंत भारतीय रेलवे खानपान और पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) के साथ समन्वय करके संबंधित लाइसेंसधारी के खिलाफ 15 हजार रुपये का भारी जुर्माना लगाया। इसके अतिरिक्त, सभी ट्रेनों में स्वच्छता प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के लिए एक सख्त चेतावनी जारी की गई। इसके अलावा, पूर्व मध्य रेल के रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) द्वारा इस दुर्व्यवहार के लिए जिम्मेदार संविदा कर्मचारियों की पहचान करने और उन्हें गिरफ्तार करने के लिए त्वरित कार्रवाई की गई। संबंधित पेंट्री कार कर्मचारी को गिरफ्तार कर लिया गया है, तथा जवाबदेही सुनिश्चित करने और भविष्य में इस तरह के व्यवहार को रोकने के लिए रेलवे अधिनियम के तहत रेलवे सुरक्षा बल के थाना बिहपुर पोस्ट पर केस सं. 162 /24 u/s 145 दर्ज किया गया है। भारतीय रेलवे सभी ट्रेनों में स्वच्छता और परिचालन अनुशासन के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। यात्रियों और हितधारकों को तत्काल निवारण के लिए ऐसी किसी भी घटना की रिपोर्ट करना जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, जो सभी के लिए स्वच्छ और सुरक्षित यात्रा वातावरण सुनिश्चित करने के लिए भारतीय रेलवे की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

तीन महिलाओं को हुआ बंध्याकरण संवाद

नारदीगंज (नवादा) (नि. सं.)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नारदीगंज में परिवार कल्याण पखवाड़े के तहत शनिवार को परिवार नियोजन कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस दौरान प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डा. नवीन कुमार ने महिलाओं को बंध्याकरण की। इस दौरान उन्होंने प्रखंड के विभिन्न गांवों के तीन महिलाओं को बंध्याकरण किया गया। कार्यक्रम में लैब टेक्नीशियन जितेन्द्र कुमार व आशुतोष कुमार ने परिवार नियोजन में आये महिला को खून जांच,मूत्र जांच,रक्त चाप व अन्य जांच किया। इस मौके पर एएनएम समेत अन्य शामिल रहे।

नम आंखों से निवर्तमान बीडीओ अनिल मिस्त्री को दी गई विदाई

निज संवाददाता

रजौली (नवादा)। प्रखण्ड परिसर में शनिवार को निवर्तमान बीडीओ अनिल मिस्त्री की विदाई सह सम्मान समारोह धूमधाम से मनाया गया।इस मौके पर नवपदस्थापित बीडीओ संजीव झा, सीओ गुफरान मजहरी, बीपीआरओ राजन कुमार, एमएलसी प्रतिनिधि दीपक कुमार मुन्ना, प्रमुख प्रतिनिधि बब्लू यादव, उपप्रमुख विनोद राजवंशी एवं नगर पंचायत के मुख्य पार्षद प्रतिनिधि प्रमोद कुमार चन्द्रवंशी के अलावे सभी पंचायतों के मुखियागण भी मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरुआत कस्तूरबा गांधी विद्यालय की छात्राओं ने विदाई गीत गाकर किया। वहीं समारोह के दौरान प्रखण्ड कर्मियों ने नम आंखों से निवर्तमान बीडीओ को फूलों का गुलदस्ता एवं शॉल के साथ उपहार देकर विदाई दी। एमएलसी प्रतिनिधि दीपक कुमार मुन्ना ने कहा कि निवर्तमान बीडीओ अनिल मिस्त्री का स्वभाव बहुत ही सरल है। वे आमलोगों से मिलकर उनकी समस्याओं को सुनते थे एवं उसके निवारण हेतु आवश्यक कदम उठाते थे। साथ ही बताया कि आमजन जब अपनी समस्याओं को लेकर किसी भी पदाधिकारी के पास जाते हैं और पदाधिकारी आमजनों की समस्याओं को सुनते हैं। जिससे फरियादियों को मानसिक शांति मिलती है और प्रशासन पर विश्वास बढ़ता है। किंतु लोक सेवकों का पदस्थापना एवं स्थानांतरण होते रहता है। लोक सेवक प्रदेश के विभिन्न स्थानों में जाकर सेवा देते हैं। समारोह में मौजूद मुखिया गणों ने कहा कि बीडीओ साहब समयवार हर ग्राम पंचायतों में जा-जाकर गरीब तबके के लोगों से बातचीत करके उन्हें सरकारी योजनाओं से लाभान्वित किया करते रहे हैं। ग्रामीण भी बीडीओ साहब को गांव में देखकर उत्साह से भर जाते थे। क्योंकि आमजनों से सरलतापूर्वक बातचीत हर पदाधिकारी नहीं किया करते हैं। हरदिया पंचायत के मुखिया पिन्टू साव ने कहा कि बीडीओ सर ने अपने कार्यकाल में प्रखण्ड के सुदूरवर्ती क्षेत्रों में विकास हेतु बहुतों कार्य किये हैं। वहीं निवर्तमान बीडीओ अनिल मिस्त्री ने कहा कि रजौली प्रखण्ड में पदस्थाना से पहले मेसकौर प्रखण्ड में पदस्थापित था। उन्होंने वर्ष 2021 के जुलाई माह में रजौली प्रखण्ड में पदभार ग्रहण किया था। पदभार ग्रहण करने के बाद कोविड वैक्सीन शुरू था और कम से कम समय में अधिकांश लोगों को वैक्सीन दिलाने का काम किया। उसके बाद ग्राम पंचायत का चुनाव सम्पन्न हुआ। फिर नवसृजित नगर पंचायत का सीमांकन किया गया एवं बाद में उसका चुनाव भी सम्पन्न हुआ। निवर्तमान बीडीओ ने कहा कि रजौली प्रखण्ड में सेवा देने के बाद जहानाबाद सदर में सेवा करने को निर्देशित किया गया है।उन्होंने रजौली प्रखण्ड के आमलोगों के साथ-साथ जनप्रतिनिधियों द्वारा प्राप्त सहयोग के लिए आभार भी व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि प्रखण्ड में बन्द कन्या विवाह की राशि के आवंटन को भी चालू करवाया। साथ ही कहा कि प्रखण्ड के सुदूरवर्ती पंचायत सवैयाटांड़ एवं हरदिया डैम के पार स्थित गांवों में ज्यादा विकास नहीं कर पाएं। नवपदस्थापित बीडीओ संजीव झा को बहुत संवेदनशील पदाधिकारी बताया एवं कहा कि वे सुदूरवर्ती क्षेत्रों में अधूरे पड़े कार्यों को बरसात के बाद गांव में जाकर जरूर पूर्ण करेंगे। ताकि वहां के लोगों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ा जा सके।

बिना घबराए व बिना संकोच के महिला डेस्क आकर हमें बताएं, एसआई पिंकी कुमारी

अमन राज वर्मा

रजौली (नवादा)। प्रखंड क्षेत्र में स्कूल व कॉलेज में महिला हेल्प डेस्क प्रभारी एसआई पिंकी कुमारी ने छात्राओं को नये कानून की दी जानकारी शनिवार को रजौली नगर पंचायत स्थित कन्या मध्य विद्यालय में महिला हेल्प डेस्क छात्राओं को नये कानून से संबंधित जानकारी दी गयी है। महिला हेल्प डेस्क प्रभारी ने सभी छात्राओं को नये कानून ने बारे में बताकर अवगत कराया। आपराधिक कानून के बारे में विस्तार से बताया की महिला हेल्प डेस्क का जो नंबर गूगल पर जारी किया है। उन सभी नंबरों को छात्रों के बीच साझा किया गया। छात्राओं व महिलाओं के साथ हो रहे क्राइम के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी। बताया कि वर्तमान समय में छात्राएं साइबर क्राइम का शिकार हो रही हैं। ऐसे क्राइम से थोड़ा सावधान रहना है और खुद को सुरक्षित रखना है। डायल 112 के बारे में बताया और कहा कि अगर कभी भी असुविधा महसूस हो तो अविलंब डायल 112 को सूचना दें। सूचना के कुछ देर बाद ही 112 के पुलिसकर्मी आपके पास होंगे। जिससे आप अपने आप को सुरक्षित महसूस कर सकेंगे। दंड से न्याय की ओर अग्रसर होते हुए एक जुलाई से नये कानून लागू हुए हैं। देशभर में लागू नये कानून का सभी को पालन करना होगा। नया आपराधिक कानून औपनिवेशिक युग के पुराने कानूनों की जगह पर लाया गया है। उन्होंने बताया कि नये कानून में महिलाओं और बच्चों के साथ होने वाले अपराधों के लिए सख्त सजा के प्रावधान किये गये हैं। नये कानून को लाने का उद्देश्य जांच और न्याय प्रणाली को पारदर्शी, सहज और सुलभ बनाना है। आमजन को नये कानून के बारे में जानकारी देने के उद्देश्य से स्कूल में इस तरह का कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। ताकि स्कूल, कॉलेज के विद्यार्थी सहित आमजन नये कानून से परिचित हो सके। घटना की जानकारी पुलिस को देनी चाहिए गौरतलब हो कि एक जुलाई 2024 से नये आपराधिक अधिनियम भारतीय न्याय संहिता बीएनएस भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता बीएनएसएस और भारतीय साक्ष्य अधिनियम बीएसएलागू हुए है। तीनों कानूनों का उद्देश्य विभिन्न अपराधों और उनकी सजाओं को परिभाषित कर देश में आपराधिक न्याय प्रणाली को पूरी तरह बदलना है। यह कानून दंड नहीं दिया है। यदि छात्र या छात्राओं के आसपास अपराध घटित हो रहा है तो उसकी जानकारी पुलिस को देनी चाहिए।

किसान उत्पादक संघ में कृषि विज्ञान केंद्र के भूमिका पर हुई चर्चा

कौआकोल (नवादा) (नि.सं.)। प्रखण्ड के जेपी आश्रम परिसर अवस्थित राजेन्द्र भवन में शनिवार को कृषि विज्ञान केंद्र, ग्राम निर्माण मंडल सर्वोदय आश्रम सोखोदेवरा, नवादा के बैनर तले समूह गतिशीलता से कृषि उद्यमी सशक्तिकरण विषय पर एक दिवसीय बैठक का आयोजन किया गया। आयोजित बैठक में केवीके के प्रभारी वरीय वैज्ञानिक सह प्रधान डॉ. जयवंत कुमार सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सौ दिवसीय कार्य योजना के बारे में जानकारी देते हुए किसान उत्पादक संघ के विकास में कृषि विज्ञान केंद्र के द्वारा उपलब्ध तकनीकी ज्ञान के महत्व एवं बाजार उपलब्धता पर विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान कृषि इनपुट उत्पादों की बिक्री और उसके खरीद की समस्याओं का समाधान हुआ। बैठक में पांच एफपीओ के निदेशक मंडल, इफको के क्षेत्रीय अधिकारी, कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक रवि कांत चौबे, डॉ. शशांक शेखर सिंह, रौशन कुमार, अंगद कुमार, पिंटू पासवान, श्रवण कुमार आदि मौजूद रहे।

छत्रसाल सिंह बने पूर्व मध्य रेल के नए महाप्रबंधक

निज संवाददाता

हाजीपुर (वैशाली)। छत्रसाल सिंह ने दिनांक 13.07.2024 को पूर्व मध्य रेल के नए महाप्रबंधक का पदभार ग्रहण कर लिया है। इसके पूर्व आप रेलवे बोर्ड, नई दिल्ली में एडिशनल मेंबर (ट्रैफिक ट्रांसपोर्टेशन) के पद पर पदस्थापित थे। छत्रसाल सिंह ''भारतीय रेलवे यातायात सेवा'' (आईआरटीएस) के 1988 बैच के एक ख्याति प्राप्त अधिकारी हैं। आपने आई.आई.टी, रूड़की से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में स्नातक की डिग्री प्राप्त किया है। छत्रसाल सिंह भारतीय रेलवे के कई महत्वपूर्ण पदों पर अपना योगदान दे चुके हैं। आप दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, उत्तर मध्य रेलवे, उत्तर पश्चिम रेलवे और उत्तर रेलवे में परिचालन, वाणिज्यिक और संरक्षा विभागों में विभिन्न पदों पर कार्य करते हुए व्यापक अनुभव प्राप्त किया है। आपने रेलवे बोर्ड में निदेशक (कम्प्यूटराईजेशन एंड इनफार्मेशन सिस्टम) एवं क्रिस, नई दिल्ली में महाप्रबंधक के रूप में भी कार्य किया है। आप दक्षिण पूर्व रेलवे के चक्रधरपुर मंडल में मंडल

रेल प्रबंधक तथा दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में प्रधान मुख्य परिचालन प्रबंधक जैसे पदों पर भी अपना महत्वपूर्ण योगदान दे चुके हैं।

गर्भावस्था में शिशुओं को सही तरीके से देखभाल करें : प्रभारी

नारदीगंज (नवादा) (नि.सं.)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नारदीगंज में शनिवार को एएनएम,आशा की बैठक की गई। अध्यक्षता सीएचसी प्रभारी डा. नवीन कुमार ने की।इस मौके पर प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी ने कहा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में संस्थागत प्रसव कराने में आप सभी अपनी भागीदारी को अवश्य निभाये, प्रसव कार्य के लिए सीएचसी में पूर्ण व्यवस्था है। आप अपने पोषक क्षेत्र सभी लोगों को जागरूक करें।

पूर्व मध्य रेल

रेल यात्री बन्धुओं के लिए आवश्यक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि यात्रियों के अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए निम्नलिखित गाड़ियों का परिचालन किया जा रहा है, जिसका विवरण निम्नवत् है :-

क्र.सं.	गाड़ी सं०	कहाँ से	प्र०	कहाँ तक	आ०	परिचालन की तिथि
1	05293	मुजफ्फरपुर	10.45	सिकंदराबाद	23.50	16.07.24 से 24.09.24 (मंगलवार को)
	05294	सिकंदराबाद	03.55	मुजफ्फरपुर	16.30	18.07.24 से 26.09.24 (गुरूवार को)
इन स्टेशनों पर ठहराव : हाजीपुर, पाटलिपुत्र, दानापुर, आरा, बक्सर, प. दीन दयाल उपाध्याय।						
2	05599	समस्तीपुर	17.00	दुर्ग	21.30	15.07.24 (सोमवार को)
इन स्टेशनों पर ठहराव : मुजफ्फरपुर, हाजीपुर, छपरा।						
3	05182	मऊ	17.15	हटिया	14.30	15.07.24 (सोमवार को)
इन स्टेशनों पर ठहराव : छपरा, हाजीपुर, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, बरौनी।						

क्र. सं.	गाड़ी सं०	कहाँ से - कहाँ तक	परिचालन के दिन	विस्तारित अवधि
1	02393	पटना - नई दिल्ली	गुरूवार को छोड़कर	30.09.2024
	02394	नई दिल्ली - पटना	शुक्रवार को छोड़कर	01.10.2024
2	02397	गया - आनंद विहार (ट)	शनिवार को छोड़कर	30.09.2024
	02398	आनंद विहार (ट) - गया	रविवार को छोड़कर	01.10.2024

श्रावणी मेला स्पेशल गाड़ियाँ

क्र.सं.	गाड़ी सं०	कहाँ से	प्र०	कहाँ तक	आ०	परिचालन की तिथि
1	05597	जयनगर	22.00	आसनसोल	11.30	23.07.24 से 20.08.24 (मंगलवार, शुक्रवार, रविवार को)
	05598	आसनसोल	13.00	जयनगर	04.20	24.07.24 से 21.08.24 (बुधवार, शनिवार, सोमवार को)
इन स्टेशनों पर ठहराव : मधुबनी, सकरी, दरभंगा, समस्तीपुर, दलसिंह सराय, बछवारा, बरौनी, बेगूसराय।						
2	05551	रक्सौल	05.15	देवघर	16.45	21.07.24 से 20.08.24 (रविवार, मंगलवार, गुरूवार को)
	05552	देवघर	17.45	रक्सौल	06.00	21.07.24 से 20.08.24 (रविवार, मंगलवार, गुरूवार को)
इन स्टेशनों पर ठहराव : छौड़ादानो, बैरगनिया, सीतामढ़ी, रून्नी सैदपुर, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, बरौनी, मनकठा, किऊल, झाझा।						
3	03653	गया	17.00	मधुपुर	23.50	21.07.24 से 20.08.24 (प्रतिदिन)
	03654	मधुपुर	01.00	गया	10.25	22.07.24 से 21.08.24 (प्रतिदिन)
इन स्टेशनों पर ठहराव : तिलैया, नवादा, शेखपुरा, किऊल, मननपुर, जमुई, झाझा।						
4	03266	पटना	23.10	मधुपुर	04.50	21.07.24 से 20.08.24 (प्रतिदिन)
	03265	मधुपुर	05.00	पटना	12.00	22.07.24 से 21.08.24 (प्रतिदिन)
इन स्टेशनों पर ठहराव : राजेन्द्र नगर (ट), पटना साहिब, फतुहा, खुसरूपुर, करौटा, बख्तियारपुर, अथमल गोला, बाढ़, मोकामा, हाथीदा, बड़हिया, मनकठा, लखीसराय, किऊल, मननपुर, जमुई, झाझा।						
5	05573	सरायगढ़	03.05	देवघर	11.30	21.07.24 से 20.08.24 (प्रतिदिन)
	05574	देवघर	11.45	सरायगढ़	22.15	22.07.24 से 21.08.24 (प्रतिदिन)
इन स्टेशनों पर ठहराव : थरबिटिया, सुपौल, गढ़ बरूआरी, पंचगछिया, सहरसा, सोनबरसा कचहरी, सिमरी बख्तियारपुर, कोपरिया, धमारा घाट, बदलाघाट, मानसी, खगड़िया, सबदलपुर।						

विस्तृत जानकारी के लिए–**www.enquiry.indianrail.gov.in/ NTES APP**

पीआर/0688/एचक्यू/ओपीटीजी/एन/24–25/198 मुख्य यात्री परिचालन प्रबंधक, पूमरे/हाजीपुर

छः बाइकों पर लदे 540 लीटर शराब जब्त, एक धंधेबाज गिरफ्तार

निज संवाददाता

रजौली (नवादा)। थाना क्षेत्र के फरका बुजुर्ग पंचायत अंतर्गत जॉब कला डैम के समीप से उत्पाद एसआई पिन्टू कुमार ने छः बाइकों पर लदे कुल 540 लीटर शराब को जप्त किया है। साथ ही मौके से एक शराब धंधेबाज को भी गिरफ्तार किया गया है। वहीं समेकित जांच चौकी पर 10 लोगों को शराब के नशे में हिरासत में लिया गया। उत्पाद अधीक्षक अरुण कुमार मिश्र ने बताया कि बिहार मद्दनिषेध को लेकर चितरकोली स्थित समेकित जांच चौकी पर उत्पाद बलों के सहयोग से वाहन जांच किया जाता है। साथ ही आसपास के जंगली क्षेत्रों में भी शराब निर्माण, भंडारण, परिवहन, सेवन एवं बिक्री के विरुद्ध गश्त एवं विशेष अभियान के तहत कार्रवाई सुनिश्चित की जाती है। बीते शुक्रवार की देर शाम को एसआई पिन्टू कुमार एवं एसआई सन्नी कुमार ने उत्पाद बलों के सहयोग से जॉब कला डैम के समीप जंगली रास्तों से बाइक पर शराब लादकर आ रहे एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया। वहीं पीछे रहे अन्य बाइक सवारों ने उत्पाद बलों को दूर से ही देखकर बाइक को सड़क पर पटककर जंगली रास्तों की मदद से भाग खड़े हुए। जप्त शराब की कुल मात्रा 540 लीटर है। गिरफ्तार शराब धंधेबाज की पहचान अकबरपुर थाना क्षेत्र के लोहसिंघना गांव निवासी विनोद यादव के 24 वर्षीय पुत्र गुड्डू यादव के रूप में हुई है। वहीं जप्त बाइकों में होंडा शाइन संख्या बीआर27के9916, ग्लैमर संख्या बीआर27एल0226, हीरो स्प्लेंडर संख्या बीआर21 0981 और होंडा शाइन संख्या बीआर01डीए8117 के अलावे बिना रजिस्ट्रेशन नम्बर के एक होंडा शाइन एवं हीरो स्प्लेंडर है। उत्पाद अधीक्षक ने कहा कि जंगली रास्तों के फायदा उठाकर कुछ लोग शराब के धंधे में जुटे हुए थे। शराब धंधेबाज सुदूरवर्ती पहाड़ी एवं जंगली क्षेत्रों को चुनते हैं एवं बाइक पर सूती अथवा प्लास्टिक के बोरे में शराब लादकर ग्रामीण क्षेत्रों से शराब की खेंप पहुंचाते हैं। साथ ही कहा कि गिरफ्तार शराब धंधेबाज से पूछताछ के बाद प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। वहीं समेकित जांच चौकी के समीप वाहनों की जांच में शुक्रवार को शाम से लेकर शनिवार की सुबह तक 10 संदिग्ध लोगों की जांच ब्रेथ एनालाइजर मशीन से जांच किया गया। जांच के क्रम में सभी 10 लोगों के शराब पीये होने की पुष्टि हुई। उत्पाद अधीक्षक ने कहा कि गिरफ्तार शराब धंधेबाज को शनिवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।वहीं सभी शराब धंधेबाजों को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया,जहां लोगों ने जुर्माना राशि भरकर अपने घर चले गये।इस मौके पर उत्पाद एएसआई राकेश कुमार राकेश कुमार,उत्पाद सिपाही,सैप बल एवं गृहरक्षक के जवान मौजूद रहे।

पूर्व मध्य रेल

ई. निविदा सूचना

ई–निविदा नोटिस सं०–12 ऑफ 2024–25/खुला / इंजीनियरिंग, डीडीयू ।

मंडल रेल प्रबंधक/इंजीनियरिंग/डीडीयू एवं भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से अनुभवी तथा वित्तीय एवं तकनीकि दृष्टि से सम्पन्न ठेकेदारों के साथ–साथ उन ठेकेदारो से जो रेलवे, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, भारत संचार निगम लिमिटेड, मिलिटरी इंजीनियर सर्विस, लोक निर्माण विभाग तथा अन्य सार्वजनिक उपक्रमों में सूचीबद्ध है, निम्नलिखित कार्य के लिए ऑन लाईन (ई–निविदा) आमंत्रित की जाती है। **(1) निविदा सं०–23– डीडीयू– मं०इंजी०– मुख्यालय– 24–25, (i) कार्य का नाम एवं लोकेशन:** सहायक मंडल इंजीनियर/ मुख्यालय/ डी०डी०यू० के अधीन डीडीयू में (गया कालोनी, मानस कालोनी और सेंट्रल कालोनी) के आसपास के संवेदनशील स्थानों पर चारदीवारी/परिसर दीवार का निर्माण। **(ii) कार्य का अनुमानित लागत :** ₹ 23989673.32 **(iii) धरोहर राशि :** ₹ 270000.00 **(2) निविदा सं०–24– डीडीयू– मं०इंजी०– मुख्यालय– 24–25, (i) कार्य का नाम एवं लोकेशन :** सहायक मंडल इंजीनियर/मुख्यालय/ डी०डी०यू० के अधीन डीडीयू० में (पीडी कालोनी, रोजा कालोनी, इंडियन इंस्टीट्यूट कालोनी, आरपीएफ कालोनी और शास्त्री कालोनी) के आसपास के संवेदनशील स्थानों पर चारदीवारी/परिसर दीवार का निर्माण। **(ii) कार्य का अनुमानित लागत :** ₹ 23999939.16 **(iii) धरोहर राशि :** ₹ 270000.00 **(iv) ई–निविदा बन्द होने की तिथि एवं समय:** 02.08.2024 को 12:00 बजे तक। **(v) वेबसाईट पर ई–निविदा की विस्तृत जानकारी : www.ireps.gov.in**

नोट: विवाद की स्थिति में अंग्रजी पाठ मान्य होगा।

मंडल रेल प्रबन्धक, पं० दीन दयाल उपाध्याय

पीआर/0686/डी०डी०यू०/ईएनजीजी/टी/24–25/36

संक्षिप्त समाचार

शहीद प्रमोद सिंह की पत्नी को डीएम ने सौंपा बलिदान पत्र

आरा। शहीद नायक प्रमोद कुमार सिंह की पत्नी निर्मा देवी व उनके परिजनों को शुक्रवार को कलेक्ट्रेट में जिलाधिकारी राज कुमार ने बलिदान पत्र सौपा। यह बलिदान पत्र चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ जनरल मनोज पांडेय ने भेजा था। बिहार राज्य पूर्व सैनिक संघ के अध्यक्ष मेजर राणा प्रताप सिंह ने बताया कि यह बलिदान पत्र शहीद को दिया जाता है। यह सम्मान मिलना हम सैनिकों के लिए बहुत गर्व की बात है। 221 फील्ड रेजिमेंट से आए जेसीओ सूबेदार उमेश समेत समेत 3 जवानों का जिलाधिकारी ने सम्मान किया। जिलाधिकारी राजकुमार ने कहा कि शहीद जवानों के परिजनों के प्रति अपनी संवेदना प्रकट करता हूं। किसी ने अपना भाई खोया है, किसी ने बेटा व किसी ने अपना पति खोया है। आज इन शहीदों के परिजनों को बलिदान पत्र मिलना हम सभी एवं जिले वासियों के लिए फक्र की बात है।

माता मंझारो अजब दयाल सिंह टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज में नैक पीयर टीम का मुआयना

आरा। जगदीशपुर में माता मंझारो अजब दयाल सिंह टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज में नैक पीयर टीम का दो दिवसीय दौरा बुधवार और गुरुवार को हुआ। तीन सदस्यीय इस टीम के अध्यक्ष यूनिवर्सिटी ऑफ कश्मीर के प्रोफेसर डॉ महमूद अहमद खां, कॉर्डिनेटर श्री चंद्रशेखरेंद्र सरस्वती विश्वविद्यालय तमिलनाडू के डीन डॉ वेंकटा सत्यनारायण मूर्ति एवं सदस्य संत जोसेफ कालेज वेस्ट बंगाल के प्राचार्य डॉ डोनेटस कुजुर थे। इस दौरान नैक पीयर टीम पूरे दो दिनों तक माता मंझारो अजब दयाल सिंह टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज जगदीशपुर में डटी रही।

जिले में हुआ एसिटाबुलम का सफल ऑपरेशन

आरा। सड़क दुर्घटना में बुरी तरह घायल एक व्यक्ति का एक निजी हॉस्पिटल में गुरुवार को एसिटाबुलम फ्रैक्चर का सफल ऑपरेशन किया गया। हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. महावीर प्रसाद गुप्ता ने ऑपरेशन सफलतापूर्वक किया। इन्होंने बताया कि आरा शहर में पहली बार एसिटाबुलम का ऑपरेशन किया गया है। अजिमाबाद थाना क्षेत्र के किरकिरी गांव के कृष्ण नंद भगत का पुत्र विक्रम कृष्णानंद भगत महाराष्ट्र के नासिक जिले के खनवेल में प्राइवेट कंपनी में काम करता है।

नरहीं गांव में सिद्धनाथ महादेव की मूर्ति प्राण-प्रतिष्ठा

कोईलवर। नरही गांव में सिद्धनाथ महादेव की प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान किया गया। नए मंदिर में हो रहे प्राण प्रतिष्ठा में चार दिनों से चल रहे पूजन कार्यक्रम के दौरान जलयात्रा, वेदी पूजन, अधिवास व नगर भ्रमण के बाद शुक्रवार को मंदिर परिसर में हवन कार्यक्रम के बाद प्राण प्रतिष्ठा कराई गई। पंडित मृत्यंजय पांडेय की उपस्थिति में पूजन कार्यक्रम कराया गया।मौके पर भू दाता स्व चंदेश्वर सिंह के परिवारजन समेत सैकड़ों की संख्या में स्थानीय ग्रामीणों की उपस्थिति रही।

डॉ भूपेंद्र नाथ ने जन्मदिन पर किया पौधरोपण

बक्सर। शहर के प्रसिद्ध चिकित्सक सह सदर अस्पताल बक्सर से सेवानिवृत अस्पताल उपाधीक्षक डॉ भूपेंद्रनाथ के 68वें जन्मदिन पर पंचमुखी हनुमान मंदिर के सामने मेन रोड पर दो पौधा लगाए और उसका घेराबंदी भी करवाएं।ज्ञात हो की डॉ भूपेंद्र नाथ जिले के लोगों को लम्बे समय से स्वास्थ्य सेवा देते आ रहे है। साथ ही वो प्रतिदिन लगभग आधा दर्जन गरीब व असहाय लोगों को मुफ्त में सेवा देने के साथ मदद भी करते रहते हैं। इस मौके पर युवा समाजसेवी रामजी सिंह, विद्यासागर, रामेन्द्र कुमार, प्रिंस कुमार, रोहित कुमार, अरविन्द कुमार, आकाश कुमार समेत अन्य शामिल रहे।

राष्ट्रीय कार्यशाला की तैयारी को लेकर हुई बैठक

बक्सर। शुक्रवार को बक्सर में महामना मालवीय मिशन, पटना बिहार इकाई के द्वारा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में काशी हिन्दू विश्व विद्यालय के पूर्ववर्ती छात्र महामना मालवीय मिशन बिहार इकाई के सचिव आलोक कुमार, कार्यकारणी सदस्य डॉ शशांक शेखर, प्रदीप कुमार आर्य, बीएचएम प्रिंस कुमार सिंह, प्रदीप कुमार राय उपस्थित हुए। बैठक में भारत रत्न पंडित मदन मोहन मालवीय के भारतीय शिक्षा मे योगदान विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला के आयोजन की तैयारी को लेकर चर्चा की गई । महामना मालवीय मिशन,पटना बिहार इकाई के अध्यक्ष बिपिन कुमार सिंह ने जानकारी दिया कि 14 व 15 सितंबर 2024 को आयोजन प्रस्तावित है। यह आयोजन बिहार के प्रतिष्ठित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, पटना में किए जाने का प्रस्ताव है। कार्यक्रम मे सम्पूर्ण राष्ट्र से लगभग 300 शिक्षाविद, बुद्धिजीवी, शोधार्थी एवं छात्रों का भाग लेने की संभावना है। बैठक में बक्सर व शाहाबाद से इस राष्ट्रीय कार्यशाला में महामना के विचार से प्रेरित एवं काशी हिन्दू विश्व विद्यालय के पूर्ववर्ती छात्र उपस्थित होंगे।

श्रावणी मेला : बाबा बरमेश्वर नाथ मंदिर में तैयारियां शुरू

ब्रह्मपुर। ब्रह्मपुर के सुप्रसिद्ध बाबा बरमेश्वर नाथ की नगरी में हर साल सावन के महीने में लगाने वाले मेले और बाबा के जलाभिषेक को लेकर लाखों की भीड़ होती है।भीड़ के मद्देनजर प्रशासन पहले से ही तैयारियों में जुट गया है।इस साल 22 जुलाई को सावन की पहली सोमवारी पड़ रही है ,जिसको लेकर पिछले दिनों बाबा बरमेश्वर नाथ मंदिर सड़क मार्ग से अतिक्रमण हटाया गया था। ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की दिक्कत ना हो। देवघर की भांति बाबा बरमेश्वर नाथ का मंदिर अति प्राचीन और विख्यात है। किवदंतियों के अनुसार स्वयं भगवान ब्रह्मा जी ने इस मंदिर की स्थापना अपने हाथों से की थी,जिसके कारण इस नगरी का नाम ब्रह्मपुर पड़ा। सावन के महीने में बक्सर स्थित गंगा के रामरेखा घाट से श्रद्धालु जल भरकर 40 किलोमीटर की दूरी पैदल चलते हुए बाबा बरमेश्वर नाथ मंदिर पहुंचते हैं। मान्यता के अनुसार जो भी भक्त पूरी श्रद्धा भक्ति से यहां कावर चढ़ाता है,उसकी मनोकामना बाबा बरमेश्वर नाथ अवश्य पूरी करते हैं। इसी से इनका नाम मनोकामना लिंग के भी बारे में विख्यात है। मंदिर के पूरब में एक बड़ा सा तालाब है जिसको शिव सागर तालाब के रूप में जाना जाता है। इस तालाब का वर्णन स्कंद पुराण एवं शिव महात्मा प्रकरण में भी मिलता है। मान्यता के अनुसार शिव सागर तालाब में स्नान करने से चर्म रोग, कुष्ठ रोग आदि असाध्य बीमारियों से छुटकारा मिलता है।फाल्गुन और सावन के महीने में यहां पूरे महीने मेला लगता है। प्रत्येक सोमवारी को यहां के विभिन्न वर्गों द्वारा सोमवारी पर्व मनाया जाता है। जिसमें रात्रि आरती के बाद भोजपुरी लोकगीत के कलाकारों द्वारा गीत संगीत का कार्यक्रम होता है।

छापेमारी अभियान में 41 की गिरफ्तारी, कई मामले में पुलिस ने की कार्रवाई

निज संवाददाता। आरा

भोजपुर पुलिस अधीक्षक प्रमोद कुमार यादव के आदेश पर कांड में वांछित आरोपियों की गिरफ्तारी और शराब बरामदगी को लेकर छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है। जिसमें 41 पकड़े गए। इसमें एससी-एसटी एक्ट में 1, हत्या के प्रयास में 3, वारंट में 14 और शराब में 22 पुलिस के हत्थे चढ़े हैं। अभियान के दौरान करीब 10 अवैध शराब भट्ठियों को तोड़ा गया। करीब 288 लीटर देसी शराब बरामद की गई। करीब 950 लीटर शराब नष्ट की गई है। करीब 35 वारंट का निष्पादन किया गया। 587 वाहनों की जांच की गई। जिसमें 41 हजार रुपए जुर्माना वसूला गया। तरारी थाना पुलिस ने हत्या के प्रयास में दो आरोपियों को पकड़ा है। पकड़े दोनों आरोपित मनोज और सरोज महादेवपुर गांव के निवासी हैं। एससी-एसटी थाना पुलिस ने उत्पीड़न में एक को गिरफ्तार कर लिया। बिहिया थाना पुलिस ने हत्या के प्रयास में एक को गिरफ्तार किया है। बड़हरा थाना पुलिस ने करीब 250 लीटर देसी शराब बरामद कर तीन को पकड़ा।

ट्रेन में चोरी करने वाला भी धराया: ट्रेन में चोरी के मामले में मध्यप्रदेश के इटारसी से आई रेल पुलिस की टीम ने शुक्रवार को आरा के नवादा थाना क्षेत्र अन्तर्गत अनाईठ इलाके में छापेमारी कर एक शख्स को गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया संदिग्ध बब्लू कुमार अनाईठ क्षेत्र का निवासी है। पुलिस पूछताछ कर चोरी के गहने और मोबाइल बरामद करने

♦ वाहन जांच में 41 हजार वसूला जुर्माना

के प्रयास में लगी है। निशानदेही पर जगह-जगह छापेमारी जारी है। 11 फरवरी 2024 को इटारसी जंक्शन पर खड़ी ट्रेन में सवार एक महिला यात्री का पर्स और मोबाइल चुरा लिया गया था। पर्स में गहने भी थे। इसे लेकर इटारसी रेल थाना में प्राथमिकी कराई गई थी। इस दौरान तकनीकी सूत्र के आधार पर रेल थाना की पुलिस आरा पहुंची और स्थानीय थाने के सहयोग से अनाईठ मोहल्ला इलाके में छापेमारी की। इसके बाद टीम ने बब्लू नामक संदिग्ध को पकड़ा। हालांकि, चोरी के मोबाइल और गहने के बारे में संतोषजनक जवाब नहीं दे रहा है। चोरी के मोबाइल को बिक्री किए जाने की संभावना जताई जा रही है।

सौतन की बहन को चाकू मार किया घायल

निज संवाददाता। आरा

आरा के टाउन थाना क्षेत्र के नगर निगम स्थित पानी टंकी के पास सौतन की बहन को चाकू मार घायल कर दिया गया। पहली पत्नी दूसरी पत्नी का विरोध करती है। पति दूसरी पत्नी को अपने साथ रखना चाहता है। इसी को लेकर झगड़ा हुआ था। बीच-बचाव में आने पर पति और जख्मी महिला की बहन को मारकर जख्मी कर दिया गया। दोनों का इलाज चल रहा है। आनंद राम की 30 वर्षीय दूसरी पत्नी ज्योति देवी और टाउन थाना क्षेत्र के मौलाबाग निवासी लालजी राम का 22 वर्षीय पुत्र भोला राम शामिल है। इधर, ज्योति देवी के भाई बादल ने बताया कि भोला राम की शादी पहले पूजा से हुई थी। इसके बाद उसने उसकी बहन टोनी से लव मैरिज शादी की। इसी बात को लेकर उसकी पहली पत्नी पूजा विरोध कर रही थी। शुक्रवार की देर शाम पूजा अपनी मां और भाई के साथ पहले भोले के घर मौलाबाग गई और वहां उससे झगड़ा किया। इसके बाद पानी टंकी स्थित मेरे घर आ गई और मेरी बहन टोनी से झगड़ा करने लगी। जब उसकी बड़ी बहन ज्योति बीच-बचाव करने गई तो उसकी पहली पत्नी पूजा की मां ने उसे चाकू मार दिया। झगड़ा सुनकर जब भोला वहां आया तो उन लोगों ने उस भी पीटा। दोनों को इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल ले जाया गया। वहीं, दूसरी ओर जख्मी ज्योति देवी के भाई बादल ने अपने जीजा भोला राम की पहली पत्नी पूजा की मां मीना देवी पर अपनी बड़ी बहन ज्योति को चाकू मारने का आरोप लगाया है।

लोक अदालतः 3 हजार मामलों की होगी सुनवाई

निज संवाददाता। बक्सर

व्यवहार न्यायालय बक्सर व डालसा कार्यालय में आज राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन होगा। विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव देवेश कुमार ने कहा है कि वर्ष की द्वितीय राष्ट्रीय लोक अदालत में हम सभी जिले के लोगों को इसे आपसी सौहार्द से लंबित लगभग 3 हजार मुकदमों के निष्पादन का लक्ष्य को पूरा करना है। जिसमें बैंक से संबंधित मामले के निष्पादन के लिए भी बैंकों द्वारा विशेष छूट देने का आश्वासन दिया गया है। इस मौके पर आप यदि लोक अदालत आते हैं तो बैंक ऋण माफी में आपको विशेष छूट दी जाएगी। लोक अदालत जनता की अदालत है और इसे आप सब की पहल से हीं सफल बनाया जा सकता है। जिला विधिक सेवा प्राधिकार कि अध्यक्षता में कुल 18 पीठों का गठन किया गया है। जिसमें एक न्यायिक पदाधिकारी, एक पैनल अधिवक्ता और एक पीठ लिपिक राष्ट्रीय लोक अदालत से संबंधित वाद के सुलह के आधार पर निपटारे का कार्य करेंगे। इस दौरान अलग अलग पदाधिकारी बेंचो पर बैठेंगे। इसके सफल आयोजन हेतु जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष आनंद नंदन सिंह, सुलहनिये वादों को चिह्नित कर इन्हें निष्पादित करने के लिए प्रथम पीठ में मनोज कुमार, द्वितीय अपर जिला एवं सत्र नायाधीश, पैनल अधिवक्ता राकेश रंजन, मोटर वाहन दुर्घटना अधिनियम, व भारतीय स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया से संबंधित वाद का निस्तारण करेंगे। द्वितीय पीठ में विजेंद्र कुमार अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं पैनल अधिवक्ता के रूप में राम लखन पाल कार्य करेंगे, जो बीएसएनएल से संबंधित मामले, साथ ही सेंट्रल बैंक से संबंधित मामलों का निष्पादन करेंगे।

अतिक्रमण के खिलाफ प्रशासन ने की कार्रवाई बक्सर में अवैध कब्जे पर चला बुलडोजर

निज संवाददाता। बक्सर

सरकारी जमीन पर बना लिया था मिट्टी का घर

बक्सर के राजपुर थाना क्षेत्र के बहुआरा टोला में अतिक्रमण करने वाले के खिलाफ प्रशासन का बुलडोजर चला है। इस दौरान राजपुर सीओ के साथ राजपुर थानाध्यक्ष भारी पुलिस बल के साथ पहुंचे हुए थे। उच्च न्यायालय पटना के निर्देश पर जेसीबी चला कर मिट्टी के मकान को ध्वस्त कर मलबा में तब्दील कर दिया। सरकारी रास्ते की जमीन पर अतिक्रमण करने वाले लोगों ने कच्चा झोपड़ी नुमा मकान बना लिया था। इससे आने-जाने में काफी परेशानी हो रही थी। गांव के लोगों ने ही इस जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए न्यायालय में गुहार लगाई थी।

सरकारी जमीन पर था अवैध कब्जा: मिली जानकारी के अनुसार गांव के ही घुरहु सिंह, राम सुरेश सिंह, ललन सिंह ,रामनिवास सिंह ,धनेश्वरी देवी, दीनानाथ पासवान, कामेश्वर पासवान ,रीना देवी, मोतीलाल, शिव लखन कमकर के अलावा अन्य लोगों ने आनाबाद सर्वसाधारण रास्ता के लगभग 96 डिसमिल जमीन पर अवैध रूप से अतिक्रमण कर अपना घर बना लिया था। इस मामले में गांव के ही रामजी सिंह पिता रामाशीष सिंह ने रास्ते की जमीन को अतिक्रमण मुक्त करने के लिए प्रशासन से गुहार लगाई थी।अतिक्रमण नहीं हटने पर इन्होंने उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। यहां से कोर्ट ने आदेश निर्गत कर विधि सम्मत कार्रवाई करते हुए अतिक्रमण हटाने के लिए निर्देश जारी किया था। इनके निर्देश पर पहुंचे प्रभारी सीओ संतोष कुमार प्रीतम, थाना अध्यक्ष संतोष कुमार के नेतृत्व में भारी संख्या में पुलिस बल की मौजूद रहे। सीओ ने कहा कि अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई पूरी की गई है। इससे पूर्व अतिक्रमण करने वाले लोगों को कई बार नोटिस किया गया। फिर भी इन लोगों ने अतिक्रमण नहीं हटाया था। हालांकि, अभी पूरी तरह से सरकारी रास्ते को अतिक्रमण मुक्त नहीं कराया जा सका है। इसको लेकर आगे भी करवाई जारी रहेगी।

रोड एक्सीडेंट में प्राइवेट सिक्योरिटी गार्ड की मौत, अज्ञात वाहन ने बाइक में मार दी थी टक्कर

निज संवाददाता। आरा

♦ वीर कुंवर सिंह यूनिवर्सिटी में थी ड्यूटी

भोजपुर जिले के चांदी थाना क्षेत्र के सलेमपुर गांव के समीप शुक्रवार की देर शाम सड़क हादसे में बाइक से सवार प्राइवेट सिक्योरिटी गार्ड की मौत हो गई। मृतक चांदी थाना क्षेत्र के जलपुरा (तापा) गांव निवासी स्वर्गीय रामकुमार सिंह के 54 वर्षीय पुत्र योगेंद्र प्रताप सिंह है। वे वर्तमान में नवादा थाना क्षेत्र के जगदेवनगर मोहल्ले में अपने भाई के मकान में करीब 25 साल रहते हैं। वह वीर कुंवर सिंह यूनिवर्सिटी में प्राइवेट सिक्योरिटी गार्ड के पद पर कार्यरत थे ।

ग्रामीणों ने परिजनों को सूचना दी: मृतक के चाचा हरेंद्र सिंह ने बताया कि योगेंद्र प्रताप सिंह यूनिवर्सिटी से अपनी ड्यूटी खत्म कर शाम में अपने आरा स्थित घर जगदेव नगर आए। इसके बाद बाइक पर सवार होकर वह अपने गांव जलपुरा किसी काम को लेकर गए थे। शुक्रवार की देर शाम अपने गांव से आरा लौट रहे थे, तभी सलेमपुर के समीप अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में उनकी घटना स्थल पर ही मौत हो गई । घटना के बाद ग्रामीणों ने पूरी सूचना परिजनों को दी। घटना सूचना मिलने के बाद चांदी थानाध्यक्ष पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमॉर्टम सदर अस्पताल में करवाया। घर में तीन बेटी सुप्रिया, अनुप्रिया और कृति, एक बेटा सारंग कुमार है। मृतक अपने चार भाई रविंद्र प्रताप, धीरेंद्रकुमार, सत्येंद्र कुमार, जितेंद्र कुमार और दो बहन रामवती देवी व सुशीला देवी से दूसरे स्थान पर थे।

सड़क हादसे में BDC पति की मौत, बाइक हो गई थी अनियंत्रित

आरा । आरा-बक्सर नेशनल हाईवे पर जिले के गजराजगंज ओपी क्षेत्र के गजराजगंज पुल के समीप शुक्रवार की रात अनियंत्रित होकर बाइक पेड़ से टकरा गई। हादसे में बाइक सवार बीडीसी पति की मौत हो गई।

श्रावणी मेला के दौरान विशेष ट्रेनें

श्रावणी मेला के दौरान अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए, 3 (तीन) विशेष ट्रेनें निम्नलिखित समय, ठहराव और संरचना के अनुसार चलेंगी:-

03511/03512 आसनसोल-पटना जं.-आसनसोल विशेष (साप्ताहिक दो बार)

आसनसोल-पटना जं.			03511 03512	पटना जं.-आसनसोल		
दिन	आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान	दिन
सोमवार बुधवार	-	16.50	↓ आसनसोल	08.30	-	मंगलवार गुरुवार
	18.34	18.44	जसीडीह	06.20	06.28	
	20.20	20.22	किऊल	04.25	04.27	
	23.55	-	पटना जं. ↑	-	01.15	

तिथियाँ और चलने के दिन: 03511 (आसनसोल से): 22, 24, 29, 31.07.2024, 5, 7, 12, 14 और 19.08.2024 (सोमवार और बुधवार) = 9 यात्राएँ। **03512 (पटना जं. से):** 23, 25, 30.07.2024, 1, 6, 8, 13, 15 और 20.08.2024 (मंगलवार और गुरुवार) = 9 यात्राएँ। **संरचना:** 2nd सीटिंग – 4, 2nd क्लास (GS) – 8 और SLRD -2 = 14 कोच। **श्रेणी:** मेल/एक्सप्रेस।

03549/03550 आसनसोल-पटना जं.-आसनसोल विशेष (साप्ताहिक तीन बार)

आसनसोल-पटना जं.			03549 03550	पटना जं.-आसनसोल		
दिन	आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान	दिन
मंगलवार गुरुवार शनिवार	-	16.50	↓ आसनसोल	08.30	-	बुधवार शुक्रवार रविवार
	18.34	18.44	जसीडीह	06.20	06.28	
	20.20	20.22	किऊल	04.25	04.27	
	23.55	-	पटना जं. ↑	-	01.15	

तिथियाँ और चलने के दिन: 03549 (आसनसोल से): 23, 25, 27, 30.07.2024, 1, 3, 6, 8, 10, 13, 15 और 17.08.2024 (मंगलवार, गुरुवार और शनिवार) = 12 यात्राएँ। **03550 (पटना जं. से):** 24, 26, 28, 31.07.2024, 2, 4, 7, 9, 11, 14, 16 और 18.08.2024 (बुधवार, शुक्रवार और रविवार) = 12 यात्राएँ। **संरचना:** स्लीपर क्लास – 9, 2nd क्लास (GS) -7 और SLRD – 2 = 18 कोच। **श्रेणी:** मेल/एक्सप्रेस। उपरोक्त दोनों विशेष ट्रेनें चित्तरंजन, मधुपुर, झाझा, जमुई, लक्खीसराय, मनकठा, बड़हिया , हाथीदा, मोकामा, बाढ़, बख्तियारपुर, खुसरूपुर, फतुहा, पटना साहिब और राजेंद्र नगर स्टेशनों पर दोनों दिशाओं में भी रुकेंगी।

03113/03114 सियालदह-बनारस-सियालदह विशेष (साप्ताहिक)

सियालदह - बनारस			03113 03114	बनारस - सियालदह		
दिन	आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान	दिन
शनिवार	-	23.55	↓ सियालदह	10.20	-	सोमवार
रविवार	डानकुनी के रास्ते					
	02.50	02.55	आसनसोल	06.05	06.10	
	04.58	05.03	जसीडीह	04.07	04.12	
	14.30	14.40	पं. दीन दयाल उपाध्याय जं.	18.25	18.35	
	16.00	-	बनारस ↑	-	17.00	रविवार

ट्रेन बर्द्धमान, दुर्गापुर, चित्तरंजन, मधुपुर, झाझा, किऊल, मोकामा, पटना जं., दानापुर और वाराणसी स्टेशनों पर दोनों दिशाओं में भी रुकेगी। **तिथियाँ और चलने के दिन: 03113 (सियालदह से):** 27.07.2024, 3, 10 और 17.08.2024 (शनिवार) = 4 यात्राएँ। **03114 (बनारस से):** 28.07.2024, 4, 11 और 18.08.2024 (रविवार) = 4 यात्राएँ। **संरचना:** एसी 2-टियर-1, एसी 3-टियर – 5, स्लीपर क्लास – 10, 2nd क्लास (GS) – 2 और SLRD – 2 = 20 कोच। **श्रेणी:** मेल/एक्सप्रेस।

मुख्य यात्री परिवहन प्रबंधक

पूर्व रेलवे

हमें फॉलो कीजिये: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

महामना के शिक्षा में योगदान विषय पर पटना में कार्यशाला, आयोजन को लेकर हुई बैठक

निज संवाददाता। बक्सर

बक्सर में महामना मालवीय मिशन, पटना, बिहार इकाई द्वारा भारत रत्न पंडित मदन मोहन मालवीय के भारतीय शिक्षा मे योगदान विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला के आयोजन की तैयारी के लिए बैठक आयोजित की है। राष्ट्रीय कार्यशाला बिहार के प्रतिष्ठित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, पटना में 14 और 15 सितंबर को आयोजन प्रस्तावित है। इस कार्यक्रम में सम्पूर्ण राष्ट्र से लगभग 300 शिक्षाविद, बुद्धिजीवी, शोधार्थी और छात्रों का भाग लेने की संभावना है। बैठक में आलोक कुमार सिंह ने बताया कि महामना के शिक्षा दर्शन का अनुसरण कर देश की शिक्षा को नई दिशा दी जा सकती है। महामना पूरे जीवन शिक्षक थे। उन्होंने शिक्षा में भारतीय संस्कृति और हिंदू विचारों को समाहित की। यह बताया गया कि बक्सर एवं शाहाबाद क्षेत्र से भी महामना के विचार से प्रेरित एवं काशी हिन्दू विश्व विद्यालय के पूर्ववर्ती छात्र इस राष्ट्रीय कार्यशाला में शामिल होंगे। बैठक में मौजूद वरिष्ठ पत्रकार सह कार्यकारणी सदस्य डॉ शशांक शेखर ने कहा कि अपने लंबे सार्वजनिक जीवन में मालवीय का सबसे महत्वपूर्ण योगदान शिक्षा के क्षेत्र में रहा। वह शिक्षा को मानव मात्र का अधिकार और उसका समुचित प्रबंध सरकार का कर्तव्य समझते थे। आज जिस निशुल्क और अनिवार्य शिक्षा की बात की जा रही है, 100 साल पहले मालवीय प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों में सर्वसाधारण के लिए इस शिक्षा के पक्षधर थे। उनका मानना था कि पुरुषों की शिक्षा से अधिक महत्वपूर्ण स्त्रियों की शिक्षा है, क्योंकि वे ही देश की भावी संतानों की माताएं हैं। बैठक के दौरान काशी हिन्दू विश्व विद्यालय के पूर्ववर्ती छात्र महामना मालवीय मिशन बिहार इकाई के सचिव आलोक कुमार सिंह, कार्यकारणी सदस्य डॉ शशांक शेखर, प्रदीप कुमार आर्य, प्रिंस कुमार सिंह, प्रदीप कुमार राय उपस्थित रहे।

बिहार विधानसभा के उपाध्यक्ष पहुंचे भागलपुर

लगातार पुल गिरने के मामले पर कहा- दोषियों के खिलाफ कार्रवाई हो रही है

निज संवाददाता। भागलपुर

एक निजी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए बिहार विधानसभा के उपाध्यक्ष नरेंद्र नारायण यादव भागलपुर पहुंचे। भागलपुर के सर्किट हाउस में बिहार विधानसभा के उपाध्यक्ष नरेंद्र नारायण यादव ने प्रेस वार्ता की जिसमें उन्होंने NHM (राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन) की मांग और बिहार में गिर रहे पुल पुलिया के बारे में पत्रकारों को बताया। उन्होंने कहा कि जब जब पुल या पुलिया का निर्माण होता है तब नींव डाली जाती है। उस समय सहायक अभियंता को और कार्यपालक अभियंता को रहना चाहिए। ढलाई का जहां काम होता है वहां भी इंजीनियर की टीम को मौके पर रहना चाहिए। इतना ही नहीं दौड़ लगाना चाहिए ताकि कम सही से हो सके यह इंजीनियर की जिम्मेदारी की पुल और पुलिया का निर्माण मजबूत ढंग से किया जा सके, क्योंकि इंजीनियरों को तकनीकी जानकारी होती है। हालांकि

बिहार सरकार ऐसे लापरवाह सहायक अभियंता और कार्यपालक अभियंता को चिन्हित कर विभागीय कार्रवाई कर रही है।

कंपाउंडर और नर्स को मूलभूत सुविधाएं मिलनी चाहिएः इसी का

♦ NHM की मांग का किया समर्थन

नतीजा है कि बिहार में ग्रामीण कार्य विभाग के चार इंजीनियरों को सस्पेंड कर उसके ऊपर सरकार करवाई कर रही है। साथ ही ग्रामीण कार्य विभाग के प्रधान सचिव को भी हटाकर नए प्रधान सचिव की नियुक्ति सरकार की ओर से की गई है, जो अपने विभाग में काफी बेहतर कार्य कर रहे हैं। वहीं उन्होंने एनएचएम की अनिश्चितकालीन हड़ताल में मूलभूत सुविधाओं की मांग का समर्थन करते हुए कहा कि सुबह के अस्पतालों में कंपाउंडर और नर्स को मूलभूत सुविधाएं मिलनी चाहिए। टूटे बेंच टूटी कुर्सियां अस्पताल में पानी पीने का भाव जैसी तमाम दिक्कतें एनएचएम कर्मियों को हो रही है। सरकार को इस और ध्यान आकृष्ट करना चाहिए, ताकि हमारे अस्पताल कर्मियों को ज्यादा परेशानियों का सामना नहीं करना पड़े।

पैक्स निर्वाचन 2024 हेतु मतदाता सूची की तैयारी को लेकर डीएम ने दिया निर्देश

नवादा।आशुतोष कुमार वर्मा, जिला पदाधिकारी, नवादा ने आगामी पैक्स निर्वाचन 2024 के निमित्त पैक्सों द्वारा मतदाता सूची की तैयारी की समीक्षा की। उन्होंने बताया कि निर्वाचन प्रस्ताव प्राधिकार को ऑनलाईन प्रेषित की जा रही है। पैक्स एवं अन्य सहकारी समितियों के विवाद का प्रमुख कारण गलत मतदाता सूची होती है, जिसपर जिला स्तर पर आपत्ति प्राप्त होती है। जिलाधिकारी के निर्देश के आलोक में जिला स्तर पर प्राप्त आपत्ति/शिकायत के निराकरण अनुश्रवण हेतु श्री नवीन कुमार पाण्डेय (वरीय उपसमाहर्त्ता)-सह-जिला पंचायत राज पदाधिकारी, नवादा की अध्यक्षता में कोषांग का गठन किया गया है। इस कोषांग में श्री नवीन कुमार पाण्डेय (वरीय उपसमाहर्त्ता)-सह-जिला पंचायत राज पदाधिकारी, नवादा कोषांग के वरीय पदाधिकारी (मो0 नं0-7004508970), श्री संतोष कुमार जिला सहकारिता पदाधिकारी-सह-सदस्य सचिव (मो0 नं0-7715864756) एवं श्री पवन कुमार साह वरीय सहकारिता प्रसार पदाधिकारी (मो0 नं0-9525204800) है।

पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, गढ़वा।

आवश्यक सूचना।

(लापता व्यक्ति मोनाजिर हुसैन, उम्र करीब–24 वर्ष)

मझिऑव थाना सनहा सं0–14/2024 दिनांक–08.07.2024 में लापता व्यक्ति मोनाजिर हुसैन, उम्र–24 वर्ष, पिता–मजहर हुसैन, ग्राम–कण्डाडीह, थाना–नेयरपुर, जिला–सोनभद्र, उ0प्र0, वर्तमान पता–ग्राम–सोनपुरवा, थाना–मझिऑव, जिला–गढ़वा, राज्य–झारखण्ड, के रहने वाला है। आवेदिका रेशमा बीबी, पति–मोनाजिर हुसैन, पिता–मो0 रहमद खान, ग्राम–सोनपुरवा, थाना–मझिऑव, जिला–गढ़वा के द्वारा बताया गया है कि इनके पति मोनाजिर हुसैन अपने ससुराल, ग्राम–सोनपुरवा, थाना–मझिऑव, जिला–गढ़वा में ही दुकान खोलकर रह रहे थे, जो दिनांक–28.06.2024 समय 03 बजे दिन में अपने मोटरसाईकिल जिसका रजि0नं0–JH14K1015 से अचानक बिना बताये कहीं चले गये और लौटकर घर नहीं आये। उक्त लापता व्यक्ति मोनाजिर हुसैन का काफी खोजबीन किया गया परन्तु अबतक पता नहीं चल सका है। अतः आम जनता से अनुरोध है कि उक्त लापता व्यक्ति मोनाजिर हुसैन कहीं दिखे या इसके कहीं होने के बारे में किसी व्यक्ति को किसी प्रकार की लाभप्रद सूचना प्राप्त हो तो कृपया पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय), गढ़वा के मो0नं0–9431706284 या पुलिस अधीक्षक, गढ़वा के मो0नं0– 9431706281 पर सूचित करने की कृपा करें।

निवेदक,
पुलिस अधीक्षक, गढ़वा।

PR 329524 (Police) 24-25 (D)

राष्ट्रीय लोक अदालत में सुलहनीय वादों का हुआ निष्पादन

नवादा। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार, नई दिल्ली एवं बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, पटना के निर्देश के आलोक में विद्वान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, नवादा आशुतोष कुमार झा के मार्गदर्शन में कुमारी सरोज कीर्ति, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार, नवादा के सहयोग से आज दिनांक 13.07.2024 को 10:00 बजे पूर्वाह्न से व्यवहार न्यायालय, नवादा परिसर में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया एवं पक्षकारों को सुलह के आधार पर वादों का निष्पादन किया गया।

इस मौके पर विद्वान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, नवादा, आशुतोष कुमार झा, जिला दण्डाधिकारी सह उपाध्यक्ष, आशुतोष कुमार वर्मा, पुलिस अधीक्षक सह सदस्य जिला विधिक सेवा प्राधिकार, नवादा अम्बरीष राहुल, प्रधान न्यायाधीश, परिवार न्यायालय, नवादा, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीष उपेन्द्र कुमार, उप विकास आयुक्त, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार, नवादा कुमारी सरोज कीर्ति, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश गण एवं न्या0 दण्डा0 प्र0 श्रेणी एवं द्वितीय श्रेणी तथा पैनल अधिवक्ता, पारा विधिक स्वयं सेवक एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकार, नवादा के समस्त कर्मचारीगण के बीच दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का उदघाटन किया गया।

इस कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए विद्वान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने बताया कि लोक अदालत से कोई भी पक्षकार निरास होकर नहीं लौटे। इस बात को ध्यान में रखते हुए उपस्थित लोगों से अपील किया।

सचिव महोदया ने बताया कि लोक अदालत न्यायालय के बोझ को कम करने का सरल तरीका है। इस लोक अदालत में उभयपक्षों की जीत होती है। सुलहनीय योग्य न्यायालय आधारित कुल 274 मामले का निष्पादन किया गया तथा प्री लिटिगेशन के 746 बैंक के मामले का निष्पादन किया गया। दूर संचार के 05 मामले का निष्पादन किया गया तथा मोटर दुर्घटना के 26 वादों का निष्पादन किया गया। श्रम वाद के 05 मामले का निष्पादन किया तथा वैवाहिक मामले के 01 वादों का निष्पादन किया गया। इस प्रकार व्यवहार न्यायालय में कुल 306 मामले का निष्पादन किया गया। इसमें बैंक द्वारा कुल 12885534/-रु0 समझौता राशि ऋणियों से वसूली की गयी।

बाढ़ के समय पानी को उबालकर करें सेवनः एसडीआरएफ

मुंगेर। मुंगेर डीएम अवनीश कुमार के निर्देश पर शुक्रवार को सदर प्रखंड क्षेत्र के महुली गांव में एसडीआरएफ टीम के कंपनी कमांडर कुमार नीलू के नेतृत्व में बाढ़ से बचने के लिए ग्रामीणों को प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान डूबने से होने वाले मृत्यु बचाव और बाढ़ के दौरान कैसे जानमाल की सुरक्षा की जाए, इसका प्रशिक्षण ग्रामीणों को दिया गया।

झारखण्ड, सरकार
कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (गव्य प्रभाग)
जिला गव्य विकास कार्यालय, गढ़वा

पशुपालकों के लिए आम सूचना

पशुपालकों के लिए आम सूचना

वित्तीय वर्ष 2024–25 में मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजनान्तर्गत विभागीय राज्यादेश संख्या– 14, दिनांकः–01.07.2024 के द्वारा निर्धारित लक्ष्य के आलोक में निम्नलिखित गव्य विकास की योजनाओं से लाभान्वित होने के लिए गढ़वा जिला के ग्रामीण क्षेत्र के इच्छुक कृषकों/पशुपालकों को सूचित किया जाता है कि संबंधित प्रखण्ड पशुपालन कार्यालय/जिला गव्य विकास कार्यालय, गढ़वा से कार्यालय अवधि में योजना– वार विहित आवेदन प्रपत्र प्राप्त कर पूर्ण रूप से भरा हुआ आवेदन पत्र ग्राम सभा की अनुशंसा की कार्यवाही की छायाप्रति के साथ पूर्ण विवरण सहित दिनांकः– 14 अगस्त 2024 तक जिला गव्य विकास कार्यालय, गढ़वा में जमा कराना सुनिश्चित करेंगे।

(क) दो दुधारू गाय/भैंस वितरण–

क0	योजना का नाम	परियोजना लागत	सरकारी अनुदान 90% एवं लाभुक अंशदान/बैंक ऋण 10%	सरकारी अनुदान 75% एवं लाभुक अंशदान/बैंक ऋण 25%
1	दो दुधारू गाय/भैंस वितरण	1,35,050.00	आपदा (बाढ़, आंधी, तुफान बज्रपात आदि) से प्रभावित परिवार की महिला/अगलगी से प्रभावित परिवार की महिला/सड़क दुर्घटना से प्रभावित परिवार की महिला/परित्यक्त महिला/दिव्यांग महिला लाभुकों के लिए	अन्य सभी महिला लाभुकों के लिए

(ख) कामधेनु डेयरी फार्मिंग–

क0	योजना का नाम	परियोजना लागत	सरकारी अनुदान 75% एवं लाभुक अंशदान/बैंक ऋण 25%	सरकारी अनुदान 50% एवं लाभुक अंशदान/बैंक ऋण 50%
1	पांच दुधारू गाय/भैंस वितरण (मिनी डेयरी)	3,37,625.00	अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति के लाभुकों/दुग्ध सहकारी समिति	अन्य सभी जाति के लाभुकों के लिए
2	दस दुधारू गाय/भैंस वितरण (मिडी डेयरी)	6,75,250.00		

(ग) चैफ कटर का वितरण एवं प्रगतिशील डेयरी कृषकों को सहायता–

क0	योजना का नाम	परियोजना लागत	सरकारी अनुदान 90% एवं लाभुक अंशदान 10%	सरकारी अनुदान 75% एवं लाभुक अंशदान 25%
1	हस्त चालित चैफ कटर	8,000.00	प्रगतिशील दुग्ध उत्पादक/डेयरी उद्यमी के लिए (ग्रामीण क्षेत्र के) अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति के लाभुकों/दुग्ध सहकारी समिति जिनके पास पूर्व से 05 अथवा 10 उन्नत नस्ल की दुधारू गाय/भैंस हो	अन्य सभी जाति के लाभुकों के लिए जिनके पास पूर्व से 5 अथवा 10 उन्नत नस्ल की दुधारू गाय/भैंस हो
2	विद्युत चालित चैफ कटर	20,000.00		
3	मिल्कींग मशीन	1,20,000.00		
4	पनीर एवं खोआ मेकिंग यूनिट	1,00,000.00		
5	वर्मी कम्पोस्ट	25,000.00		
6	डीप बोरिंग	1,00,000.00		
7	काउ मैट	5,200.00		

नोट– आवेदन पत्र के साथ आवेदक का आधार कार्ड, बैंक खाता, जमीन का रसीद, वोटर कार्ड की छायाप्रति जाति/आपदा/अगलगी से प्रभावित/सड़क दुर्घटना से प्रभावित परिवार की महिला/परित्यक्त /दिव्यांग महिला आदि से संबंधित प्रमाण पत्र की छायाप्रति अथवा संबंधित मुखिया/पंचायत समिति सदस्य/जिला परिशद का सदस्य इत्यादि के द्वारा लाभुक द्वारा दिये गये घोशणा पत्र की सत्यता की जांच कर सत्यापित प्रति।

1. लाभुकों के चयन प्रकिया में लाभुकों का चयन/अनुशंसा संबंधित ग्राम सभा के साथ–साथ पंचायत स्तरीय समिति द्वारा भी किया जायेगा। पंचायत स्तरीय समिति में ग्राम प्रधान, मुखिया (ग्राम प्रधान नहीं रहने पर) जे0एम0एफ0 का प्रतिनिधि एवं दुग्ध मित्र सदस्य रहेंगे।
2. लाभुकों के चयन हेतु अनुशंसा ग्राम सभा अथवा पंचायत स्तरीय समिति, दोनो से कोई एक द्वारा किया जायेगा साथ हीं साथ झारखण्ड मिल्क फेडरेशन द्वारा संचालित बी0एम0सी0/एम0पी0पी से संबद्ध आवेदक को चयन में प्राथमिकता दी जायगी।
3. विगत पांच वर्षों में जिन परिवारों (JSFSS/NFHS अन्तर्गत परिभाशित) द्वारा अनुदान का लाभ लिया गया है उन्हें पुनः अनुदान अनुमान्य नहीं होगा।
4. मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के तहत चयनित प्रत्येक लाभुकों का ESCROW ACCOUNT/DEDICATED BANK ACCOUNT संबंधित DAHO/DDDO इत्यादि के द्वारा अनिवार्य रूप से खोला जायेगा एवं अनुदान की राशि ESCROW ACCOUNT/DEDICATED BANK ACCOUNT में हीं हस्तांतरित की जायेगी। अंतिम रूप से चयनित होने के उपरांत लाभुकों को भी अपना अंशदान ESCROW ACCOUNT/DEDICATED BANK ACCOUNT में 01 (एक) माह के अंदर जमा करना अनिवार्य होगा तत्पश्चात् लाभुकों को पशुओं के क्रय/प्राप्त करने की अर्हता प्राप्त होगी। पंचायत स्तरीय समिति/ग्राम सभा के द्वारा लाभुक अंशदान संबंधित लाभुकों के ESCROW ACCOUNT/DEDICATED BANK ACCOUNT में जमा कराना सुनिश्चित किया जायेगा। पशुधन/पक्षी इत्यादि के आपूर्ति के उपरांत लाभुक अंशदान एवं अनुदान की राशि एकमुश्त आपूर्तिकर्ता के बैंक खाता में तथा दुधारू पशु बीमा हेतु बीमा कंपनी के बैंक खाते में हस्तांतरित की जायेगी।
5. ए0पी0एल0 वर्ग के महिला लाभुक जिनके परिवार का एक भी सदस्य संस्थागत भूमिधारक/पूर्व अथवा वर्तमान संवैधानिक पद धारक/केन्द्र एवं राज्य सरकार/लोक उपक्रम/सरकारी स्वायत्तशासी संस्थाओं के कर्मी/मल्टी टास्किंग स्टाफ/वर्ग IV/समूह घ के कर्मी को छोड़कर) 10,000/– अथवा उसके अधिक मासिक पेंशनधारी/पिछले मूल्यांग वर्श में आयकर का भुगतान किया हो/पेशेवर/यथा चिकित्सक, अभियंता/वकील, चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट एवं आर्किटेक्ट वर्ग के होने की स्थिति में इस योजना के पात्र नहीं होंगे। (लाभुकों को वर्णित आशय का स्व–अभिप्रमाणित घोशणा पत्र देना होगा)
6. दुधारू मवेशी वितरण कार्यक्रम अंतर्गत योजना का कियान्वयन सरकारी–सह–लाभुक अंशदान/बैंक ऋण पर किया जायेगा।
7. दुधारू मवेशी वितरण योजना का कियान्वयन के क्रम में दुधारू मवेशी का क्रय छः माह के अंतराल पर दो चरणों में किया जायेगा।
8. दुधारू मवेशी वितरण कार्यक्रम अंतर्गत पशु शेड का निर्माण मनरेगा अंतर्गत उपलब्ध निधि के अभिसरण से किया जायेगा। पूर्व से मनरेगा अंतर्गत निर्मित पशु शेड के लाभुकों को पशु शेड का लाभ देय नहीं होगा।
9. योजनान्तर्गत दुधारू पशु की आपूर्ति विभाग द्वारा निबंधित/सूचिबद्ध आपूर्ति कर्ता के द्वारा दुधारू पशुमेला में लाकर नियमानुसार लाभुकों को योजना के आलोक में उपलब्ध कराया जायेगा।
10. हस्त चालित/विद्युत चालित चारा काटने की मशीन की योजना का लाभ योजना कियान्वयन के उपरान्त अनुदान राशि का भुगतान लाभुकों को उनके दावा विपत्र के आधार भौतिक सत्यापन उपरान्त किया जायेगा।
11. चारा काटने की मशीन की योजना के लाभुकों द्वारा हरा चारा उत्पादन किया जाना अनिवार्य होगा।
12. प्रगतिशील डयेरी कृशकों को सहायता की योजना अंतर्गत **आवेदन पत्र के साथ खटाल का कम से कम 05/इससे अधिक दुधारू मवेशी का लाभुक के साथ रंगीन फोटोग्राफ संलग्न करना अनिवार्य होगा।** अंतिम रूप से चयन उपरांत योजना कियान्वयन के पश्चात् स्वीकृत अनुदान राशि का भुगतान विभाग द्वारा निर्धारित दर अथवा राज्यादेश में उल्लेखित दर दोनों में से जो कम होगा, के आधार पर क्रय उपरांत लाभुकों के द्वारा प्रस्तुत विपत्र के आधार पर भौतिक सत्यापन के उपरान्त अनदुान राशि का भुगतान किया जायेगा।
13. वर्मी कम्पोस्ट यूनिट एवं बोरिंग आदि हेतु सक्षम स्तर से तकनीकी स्वीकृत प्राप्त प्राक्कलित राशि अथवा योजना के अनुमानित लागत दोनों में से जो कम हो के आधार पर कार्य उपरांत अनुदान की राशि लाभुकों के दावा विपत्र के आधार पर भौतिक सत्यापन के उपरान्त किया जायेगा।
14. चारा काटने की मशीन, मिल्कींग मशीन, पनीर एवं खोआ मेकिंग यूनिट तथा काउ मैट आदि की विशिष्टियों/गुणवत्ता विभाग द्वारा निर्धारित की जायेगी।
15. लाभुकों को अनदुान राशि का भुगतान बैंक खाते में डी0बी0टी के माध्यम से झारखण्ड कोशागार संहिता 2016 के आलोक में किया जायेगा।

नोटः– विशेष जानकारी के लिए कार्यालय अवधि में मो0–9934347324 पर संपर्क करें

निवेदक
जिला गव्य विकास पदाधिकारी, गढ़वा

PR 329540 Agriculture,Animal Husbandry And Co-opretive Department(24-25)#D

कार्यालयः असैनिक शल्य चिकित्सक सह मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, पलामू

प्रेस विज्ञप्ति

जिला स्वास्थ्य समिति पलामू द्वारा स्वास्थ्य विभाग में अनुबंध आधारित नियुक्ति हेतु प्रकाशित विज्ञापन संख्या 04/2023 के आलोक में प्राप्त आवेदनों का डाटा संकलित कर www.palamu.nic.in पर एक लिंक **applygov.ind.in** Upload किया गया है। दिनांक 18.07.2024 के अपराह्न तक संबंधित अभ्यर्थी Upload Link **applygov.ind.in** के माध्यम से संकलित डाटा का जॉच/मिलान कर अपना Objection अंकित कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त Objection पर विचार नहीं किया जायेगा।

applygov.ind.in लिंक प्रयोग करने का विधि निम्नवत् हैः–

applygov.ind.in लिंक को अपने Android Mobile या Computer पर Open करने के बाद अपने–अपने पद के सामने Downdload Option को Click कर Open करेंगे। Open करने के बाद Display सूची में अपना नाम, पिता/पति का नाम एवं जन्म तिथि का मिलान करते हुए कॉलम 02 में अंकित Application No. को याद कर ले/लिख लें, फिर View Profile को Click करें। View Profile Click करने के बाद Registration of Objection का Sheet Open होगा। Registration of Objection के Sheet में Application No. एवं Emil Id Entry करना है। इसके बाद Send OTP Click करे तदोपरान्त आपके द्वारा Entry किया गया Email ID पर OTP आ जायेंगा, फिर OTP को Enter OTP के स्थान पर OTP Entry कर Verify OTP Click करें। Verify OTP Enter करने के बाद अभ्यर्थी से संबंधित संकलित किया गया पुरा विवरण Screen पर आ जयेंगा। Screen पर संकलित किया Display विवरण का पूर्ण जॉच/मिलान (यथा– नाम, पिता/पति का नाम, पता, एवं शैक्षणिक/प्रशैक्षणिक अंको, प्राप्ताकों, प्रतिशत आदि) कर लें। जॉच करने/मिलान करने के उपरान्त यदि किसी भी प्रकार का त्रुटि/Objection पाई जाती है, तो आवेदक नीचे दिये गए Any Objection के कॉलम में अपना त्रुटि/Objection प्रविष्टि करेंगे। यदि किसी भी प्रकार का त्रुटि/Objection नहीं पाई जाती है तो Blank छोड़ दगें या No Any Objection प्रविष्टि कर Submit Option को Click करने के बाद Exit Click कर Registration of Objection Sheet से बाहर हो जाये।

असैनिक शल्य चिकित्सक सह
मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, पलामू

PR 329503 District (24-25)_D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, डालटनगंज

अल्पकालीन ई–निविदा आमंत्रण सूचना संख्या – 03/2024-25/EE/RWD/DALTONGANJ

दिनांक–12.07.2024

1. कार्य का नाम :

क्र0	आईडेन्टी फिकेशन संख्या/पैकेज संख्या	प्रखंड		कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (लाख में) अंक में	प्राक्कलित राशि (लाख में) अक्षर में	कार्य समाप्ति की अवधि	टेण्डर कॉल नं0
1	RWD/DALTONGANJ/STPKG/25/24-25	विश्रामपुर	1	पी0डब्लू0डी0 रोड से सरवना तक पथ का सुदृढ़ीकरण कार्य। 2.10कि0मी0	1439.374	चौदह करोड़ उन्नचालीस लाख सैतीस हजार चार सौ रू0 मात्र	15 माह	प्रथम
		विश्रामपुर	2	रेहला से तोलरा तक पथ का सुदृढ़ीकरण कार्य। 7.00कि0मी0				
		विश्रामपुर	3	सुलूमदाग से उरसेला तक पथ का सुदृढ़ीकरण कार्य। 7.50कि0मी0				
		विश्रामपुर	4	विश्रामपुर से घरटिया तक पथ का सुदृढ़ीकरण कार्य। 7.00				
2	RWD/DALTONGANJ/STPKG/26/24-25	पाटन	1	आर0ई0ओ0 रोड से मुरमा तक पथ का सुदृढ़ीकरण कार्य। 1.60कि0मी0	1248.943	बारह करोड़ अड़तालीस लाख चौरांबे हजार तीन सौ रू0 मात्र	15 माह	प्रथम
		पाटन	2	पाटन रोड से कजरमा तक पथ का सुदृढ़रीकरण कार्य। 1.80कि0मी0				
		पाटन	3	पाल्हे से बैदा तक पथ का सुदृढ़ीकरण कार्य। 4.00कि0मी0				
		पाटन	4	पी0डब्लू0डी0 रोड मेराल से सिक्का भाया सुखई पाल्हेखूर्द तक पथ सुदृढ़ीकरण कार्य। 5.25कि0मी0				
		पड़वा	5	लामी पुल से बरवाडीह भाया बुचीलामी छेछौरी सदाबह पु ल तक पथ का सुदृढ़ीकरण कार्य। 4.85कि0मी0				
		पड़वा	6	कोकरसा स्कूल से तलियाही होते हुए बासु तिनमुहान छठ घा ट तक पथ का सुदृढ़ीकरण कार्य। 2.65कि0मी0				
3	RWD/DALTONGANJ/STPKG/27/24-25	छतरपुर	1	खजुरी उच्च विद्यालय से लेवाड़ तक पथ का सुदृढ़ीकरण कार्य। 1.10कि0मी0	1401.165	चौदह करोड़ एक लाख सोलह हजार पांच सौ रू0 मात्र	15 माह	प्रथम
		छतरपुर	2	सहरसवा मुख्य पथ से बचकोमा तक पथ का सुदृढ़ीकरण कार्य। 4.20कि0मी0				
		नौडीहा बाजार	3	निमा से महिपता तक पथ का सुदृढ़ीकरण कार्य। 2.63कि0मी0				
		छतरपुर	4	कवल पंचायत भवन से टोला बघमनवा तक पथ का सुदृढ़ीकरण कार्य। 1.06कि0मी0				
		नौडीहा बाजार	5	आर0ई0ओ0 पथ से मायापुर तक पथ का सुदृढ़रकरण कार्य। 1.50कि0मी0				
		छतरपुर	6	मुख्य पथ से खेन्द्राखूर्द तक पथ का सुदृढ़ीकरण कार्य। 1.50कि0मी0				
		छतरपुर	7	मुख्य पथ से चुचरूमोड़ विद्यालय तक पथ का सुदृढ़ीकरण कार्य। 2.40कि0मी0				
		छतरपुर	8	चेराई से हुलसम मंझौति तक पथ का सुदृढ़ीकरण कार्य। 2.57कि0मी0				
		छतरपुर	9	नौडीहा मोड़ से नौडीहा तक पथ का सुदृढ़ीकरण कार्य। 2.49कि0मी0				
		छतरपुर	10	मुख्य पथ से उदयगढ़ तक पथ का सुदृढ़ीकरण कार्य। 3.20कि0मी0				

2. बेवसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि : 22.07.2024
3. ई–निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय : 05.08.2024 up to 5.00 PM
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय 07.08.2024 पूर्वाह्न 3.30 बजे
5. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता : कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमंडल, डालटनगंज।
6. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं0 –06562357595

विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट Jharkhandtenders.gov.in में देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमंडल, डालटनगंज

PR 329558 Rural Development (24-25)_D

संक्षिप्त समाचार

झारखंड के आईजी व डीआईजी ने की हरिहरनाथ मंदिर में पूजा

छपरा, एजेंसी। आईजी वेस्टर्न रांची शांति जी जयदेव व सीआईएसएफ के डीआईजी एम के सिंह ने सोनपुर बाबा हरिहरनाथ मंदिर में पूरे परिवार के साथ पूजा अर्चना की। अधिकारियों ने प्रदेश की खुशहाहली की कामना की। इस अवसर पर प्रदेश कार्य समिति सदस्य सह सांसद प्रतिनिधि राकेश सिंह ने मंदिर परिसर मे अंग वस्त्र बुके व मंदिर का प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया। पुजारी सुशील चंद्र शास्त्री, बमबम बाबा, पवन तिवारी, भुटकुन बाबा ने पूजा अर्चना करवायी। मौके पर त्रिलोकी साह, मोनू सिंह, टोनू सिंह, चुनमुन सहित अनेक लोग उपस्थित थे। मंदिर गेट पर पहुंचते ही मंत्रोच्चार व फूल के साथ स्वागत हुआ। आईजी शांति जी जयदेव ने मंदिर मे पूजा करने के बाद कहा कि यहां आ कर बहुत अच्छा लगा और मन प्रसन्न हुआ। अब बराबर मंदिर में पूजा के लिए आगमन होगा। डीआईजी ने भी लोगों व मंदिर कमेटी के प्रति आभार प्रकट किया।

कोपा पुलिस ने युवती को अस्पताल पहुंचाया

छपरा/जलालपुर, एजेंसी। कोपा पुलिस ने कोपा बाजार में अर्धबेहोशी की हालत में पड़ी बीस वर्षीय एक युवती को इलाज के लिए शुक्रवार को अस्पताल पहुंचाया व परिजनों को इसकी सूचना दी है। युवती छत्तीसगढ़ के मनोहर की पुत्री तुलसी कुमारी बताई गई है। इस संबंध में कोपा पुलिस ने बताया कि युवती कोपा बाजार में अर्धबेहोशी की हालत में पड़ी थी। इसकी सूचना किसी ग्रामीण ने पुलिस को दी जिसके बाद उसे इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। युवती यहां कैसे पहुंची, इसके बारे में खुलासा नहीं हो सका है।

प्रदेश युवा कांग्रेस के सचिव बनाये गये

छपरा/मांझी, एजेंसी। प्रखंड के घोरहट गांव निवासी विशाल मिश्रा उर्फ प्रिंस मिश्रा को बिहार प्रदेश युवा कांग्रेस का सचिव मनोनीत किया गया है। उनके मनोनयन पर पार्टी के कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर अपनी खुशी का इजहार किया व बधाई दी। कार्यकर्ताओं ने कहा है कि उनके सचिव के पद पर मनोनयन से पार्टी को मजबूती मिलेगी। बिहार प्रदेश युवा कांग्रेस के प्रभारी राकेश सन्नी व बिहार युवा कांग्रेस के अध्यक्ष शिव प्रकाश गरीबदास ने उन्हें मनोनयन पत्र प्रदान किया।

तरैया बाजार में आया बालक नहीं पहुंचा घर, परिजन चिंतित

छपरा/तरैया, एजेंसी। थाना क्षेत्र के तरैया बाजार आया एक बालक तीन दिनों से गायब है। युवक माधोपुर बड़ा गांव निवासी हरेराम चौबे का 12 वर्षीय पुत्र मुनमुन चौबे उर्फ रिषभ कुमार बताया जाता है। पिता ने स्थानीय थाने में एक शिकायत प्रतिवेदन दिया है। कहा गया है कि रिषभ दस जुलाई को स्कूली बैग की मरम्मत कराने तरैया बाजार गया था जो आज तक घर लौटा नहीं है। स्थानीय पुलिस बच्चे की तलाश में जुटी हुई है।

पुरानी रंजिश में अधेड़ को मारी गोली, रेफर

मुजफ्फरपुर/बोचहां, एजेंसी। गरहां थाने के हमीदपुर चौक पर शुक्रवार की रात करीब नौ बजे विश्वनाथ ठाकुर के पुत्र राजीव कुमार उर्फ पप्पू ठाकुर (50) को गोली मार दी। आनन-फानन में आसपास के लोगों ने उन्हें बोचहां अस्पताल पहुंचाया, जहां से चिकित्सकों ने मेडिकल रेफर कर दिया। बदमाश ने दो गोली चलाई, जिसमें से एक गोली उनके बाएं जांघ में लगी। वारदात को अंजाम देने के बाद भाग रहे बदमाश गोविंद को लोगों ने खदेड़कर पकड़ने की कोशिश की, लेकिन अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। सूचना पर पहुंचे थानाध्यक्ष आशीष कुमार ठाकुर ने बताया कि पप्पू ठाकुर ने पिछले माह पुत्री के साथ गोविंद द्वारा छेड़खानी किए जाने का आवेदन दिया था। इसी रंजिश में उन्हें गोली मारी गई है। गोविंद की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है। पप्पू ठाकुर पेठिया से सब्जी खरीदकर घर लौट रहे थे।

सरकारी विभागों के 748 नये पदों को मिली मंजूरी, 534 डाटा इंट्री ऑपरेटर भी होंगे बहाल, नीतीश कैबिनेट में लगी मुहर

पटना, एजेंसी। नीतीश कैबिनेट में बिहार विभिन्न विभागों में 748 नये पदों को मंजूरी मिली है। इसके अलावा सभी 534 प्रखंडों में डाटा इंट्री आपरेटर भी बहाल किये जाएंगे। राज्य मंत्रिपरिषद ने शुक्रवार को इन पदों को मंजूरी दे दी। अब इन पदों पर नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू होगी। विज्ञान, प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के अन्तर्गत संचालित 34 राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालयों में कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम के लिए 338 शैक्षणिक पदों (प्राध्यापक-28, सह-प्राध्यापक -71 एवं सहायक प्राध्यापक-239) के सृजन की स्वीकृति मिली है। 31 राजकीय पोलिटेकनिक/राजकीय महिला पोलिटेकनिक संस्थानों में असैनिक अभियंत्रण पाठ्यक्रम के लिए 203 शैक्षणिक पद (विभागाध्यक्ष-04 एवं व्याख्याता-199) सृजित किये गए हैं। राज्य के

नये आईटीआई की स्थापना व नये महिला के लिये प्रधान लिपिक के 31 एवं निम्नवर्गीय लिपिक के 31 अर्थात कुल 62 पदों के सृजन की मंजूरी दी गई। वहीं औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में पूर्व से प्रारंभ विभिन्न व्यवसायों में व्यवसाय अनुदेशकों तथा गणित अनुदेशकों, ड्राइंग अनुदेशकों के 130 एवं ग्रुप अनुदेशकों के 7 कुल 137 पद सृजित करने का प्रस्ताव स्वीकृत किया गया। इंदिरा गांधी हृदय रोग संस्थान पटना में अपर निदेशक (मेडिकल कार्डियोलाजी) एवं अपर निदेशक (सर्जिकल कार्डियोलाजी) के कुल 2 नये पदों के सृजन की स्वीकृति दी गई है। इसके साथ ही 534 प्रखण्डों, 11 श्रमायुक्त कार्यालयों और दशरथ मांझी श्रम नियोजन अध्ययन संस्थान पटना के लिए 3 कुल 548 श्रम प्रवर्तन पदाधिकारियों के लिए भाड़े पर वाहन रखने तथा सभी 534 प्रखंडों में एक-एक डाटा इन्ट्री ऑपरेटर बहाल करने की मंजूरी दी गई है।

केंद्रीय बजट से बिहार ने मोदी सरकार से मांगे 30 हजार करोड़, विशेष दर्जा या विशेष पैकेज मिलेगा? : इनके अलावे सभी प्रखण्डों, 11 श्रमायुक्त कार्यालयों और दशरथ मांझी श्रम नियोजन अध्ययन संस्थान पटना के लिए 3 कुल 548 श्रम प्रवर्तन पदाधिकारियों के लिए भाड़े पर वाहन रखने तथा प्रखंडों में एक-एक डाटा इंट्री ऑपरेटर बहाल करने की मंजूरी दी गई है। विज्ञान, प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के अन्तर्गत संचालित 34 राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालयों में कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम के लिए 338 शैक्षणिक पदों (प्राध्यापक-28, सह-प्राध्यापक -71 एवं सहायक प्राध्यापक-239) के सृजन की स्वीकृति दी। 31 राजकीय पॉलिटेक्निक/राजकीय महिला पॉलिटेक्निक संस्थानों में असैनिक अभियंत्रण पाठ्यक्रम के लिए 203 शैक्षणिक पद (विभागाध्यक्ष-04 एवं व्याख्याता-199) सृजित किये गए हैं। राज्य के नये आईटीआई की स्थापना व नये महिला के लिये प्रधान लिपिक के 31 एवं निम्नवर्गीय लिपिक के 31 अर्थात कुल 62 पदों के सृजन की मंजूरी दी गई।

कैबिनेट के अन्य महत्वपूर्ण फैसले

- बिहार में प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान योजना लागू करने का प्रस्ताव स्वीकृत हो गया है। रुसा के स्थान पर इसे लागू किया जा रहा है।
- राजभवन में राजेन्द्र भवन, राज्यपाल सचिवालय व अतिथि गृह के निर्माण के लिए 129.69 करोड़ मंजूर
- राजभवन में प्रोटोकॉल पदाधिकारी का एक पद सृजित, यह स्थायी पद होगा
- बिहार पुलिस चालक संवर्ग (संशोधन) नियमावली, 2024 का गठन किया गया
- तारामंडल में वर्चुअल रियलिटी थियेटर की स्थापना के लिए काउंसिल ऑफ साइंस म्यूजियम कोलकाता बनाई गई कार्यान्वयन एजेंसी

जेएनवी की ओर से गति निर्धारक कार्यक्रम का आयोजन

मुंगेर, एजेंसी। शुक्रवार को पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय, रमनकाबाद की ओर से प्रखंड के रमनकाबाद स्थित मध्य विद्यालय में पोस्टर-स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। गतिनिर्धारक गतिविधि के रूप में बेटी पढ़ाओ, बेटी बचाओ, संतुलित आहार, जीवन का आधार और छोटा परिवार, सुखी परिवार विषयों पर विद्यालय के कक्षा पांचवीं से आठवीं के विद्यार्थियों ने पोस्टर रचना तथा स्लोगन लेखन प्रतियोगिता में उत्साह के साथ भाग लिया। जेएनवी के प्राचार्य अरूण कुमार के निर्देशन में कार्यक्रम के समन्वयक केसी कुमार, पीके सुंदरम, सुजीत चौबे एवं राजीव कुमार ने कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना अहम योगदान किया। इस अवसर पर नवोदय विद्यालय की ओर से सभी प्रतिभागियों को लेखन और चित्रांकन सामग्री प्रदान किया गया। प्रतिभागियों को अपना संदेश देते हुए जेएनवी के प्राचार्य अरुण कुमार ने बालिकाओं की शिक्षा की आवश्यकता के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि एक बालिका के अशिक्षित छूट जाने का मतलब एक परिवार का अपूर्ण शिक्षित रह जाना है।

सौ फीसदी शिक्षित भारत के लक्ष्य के लिए हर बालिका का विद्यालय पहुंचकर गुणवत्तापूर्ण अनिवार्य शिक्षा प्राप्त करना हमारा न्यूनतम लक्ष्य होना चाहिए। उन्होंने प्रतिभाशाली बालिकाओं को उनकी प्रतिभा के विकास के सर्वोत्तम अवसर देने पर अपना पूरा जोर दिया। कार्यक्रम के संयोजक केसी कुमार ने विद्यार्थियों को सभी प्रकार की प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के उपरांत सभी सफल प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। गति निर्धारक कार्यक्रम के सफल आयोजन में मध्य विद्यालय रमनकाबाद की प्रधानाध्यापक सिन्धु कुमारी के साथ विद्यालय परिवार के सदस्य मौजूद थे।

शादी समारोह में फायरिंग, दूल्हे के जीजा, भाई की हत्या

बिन बुलाए पहुंचा था, झगड़े के बाद 7 लोगों के साथ लौटा, गोलियां चलाई

पटना, एजेंसी। पटना में शादी में ताबड़तोड़ फायरिंग हुई है। इसमें दूल्हे के जीजा और भाई की मौके पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है कि पटना से सटे दानापुर के खगौल में रुद्रा मैरिज हॉल में बीती रात शादी थी। जमुई से बारात आई थी। बारात में आए विजय शेखर सिन्हा ने बताया कि डांस हो रहा था, तभी एक शख्स जबरन घुस आया। वो न तो बाराती पक्ष से था, ना लड़की वाले की तरफ से। डांस के दौरान उसकी वहां मौजूद लोगों से बहस हुई। जिसके बाद उसने वापस आकर देख लेने की धमकी दी। थोड़ी देर बाद वो करीब 7 लोगों के साथ वापस लौटा। इधर वरमाला की रस्म हो रही थी। इसी दौरान विक्की यादव और शुभम सिन्हा ने ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी, जिसमें दो लोगों को गोली लगी। उनके साथ आए बाकी लोग बाहर फायरिंग कर रहे थे। मौके से पुलिस को 5 खोखे मिले हैं। इस गोलीबारी में जिनकी मौके पर मौत हुई है। वो आपस में भी जीजा-साला बताए जा रहे हैं। मृतकों की पहचान गोल्डन सिंह और सर्वेंद्र कुमार सिंह के रूप में हुई है। दोनों जमुई के मलयपुर के रहने वाले थे।

मुझे और मेरे भाई को भी मारने की कोशिश की- चश्मदीद

चश्मदीद विजय शेखर ने बताया कि हम लोग जमुई से बारात लेकर आए थे। एक लड़का बारात में नाच रहा था। वो ना तो हमारी तरफ से था, ना ही लड़की वाली की तरफ से। बारात मैरिज हॉल में जब अंदर आ गई थो वो बदमाशी करने लगा। लेकिन उसको समझाया गया। उसने कहा कि आते हैं लोगों के साथ तो तुम लोग को बताते हैं। वरमाला के दौरान वो बाहर में फायरिंग करने लगा। विजय शेखर का कहना है कि मेरे सामने ही दोनों को गोली मारी। 4 बाइक से बदमाश आए थे। फायरिंग कर रहे थे और बाइक घुमा रहे थे। चश्मदीद का कहना है कि बदमाशों ने मुझ पर और मेरे भाई पर फायरिंग की लेकिन हम लोग भाग निकले।

सुबह तीन बजे फायरिंग हुई- पुलिस

शुक्रवार की रात जमुई के मलयपुर थाना के मलयपुर गांव निवासी टुन्नू सिंह के बेटे अमित कुमार सिंह उर्फ रोशन की बारात दानापुर आई थी। घटना खगौल के मुस्ताफुर की है। सुबह तीन बजे गोली चली है। घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस जांच में जुट गई है। लड़का और लड़की पक्ष दोनों से पूछताछ की जा रही है।

SI गितेन्द्र का कहना है कि शुक्रवार को रूद्रा मैरिज हॉल में शादी थी। लड़का पक्ष जमुई जबकि लड़की पक्ष बक्सर के रहने वाले हैं। दोनों पक्ष का कहना है कि शादी समारोह में अचानक एक लड़का आया। उसने पहले घर वालों से बहस की। उसके कुछ देर बाद आकर वारदात को अंजाम दिया। मौके से 5 खोखा भी बरामद किया गया है।

बेटे को लगा करंट, बचाने गई मां भी चपेट में आई, दर्दनाक हादसे से परिवार में पसरा मातम

सुपौल, एजेंसी। बिहार के सुपौल में एक परिवार का आंगन सूना हो गया। बेटे को करंट से बचाने के लिए आगे आई मां भी काल के गाल में समा गई। दरअसल परिवार का 15 साल का बेटा ई रिक्शा पर बैठा था, लेकिन बेटा को करंट लगा तो मां दोड़ती हुई बचाने आई। मगर वह भी करंट की चपेट में आ गई और दोनों की मौत हो गई। यह घटना नगर परिषद क्षेत्र के बभनगामा वार्ड 11 में शुक्रवार की शाम की है। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। गांव वालों ने बताया कि बभनगामा वार्ड 11 में नागेंद्र यादव के घर के सामने ई-रिक्शा लगी थी। ई-रिक्शा पर नागेंद्र यादव का पुत्र अजय कुमार (15 वर्ष) बैठा हुआ था। इसी दौरान बिजली का तार खंभे से टूटकर ई रिक्शा पर गिर गया। इससे ई-रिक्शा में करंट फैल गया और इसकी चपेट में अजय आ गया। अजय को बिजली का करंट लगा देख जब उसकी मां अमृता देवी (35 वर्ष) बेटे को बचाने गई तो वह भी करंट की चपेट में आ गई। बाद में अन्य परिजन मां-बेटे दोनों को अनुमंडलीय अस्पताल लेकर आए, जहां डॉक्टर ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। ग्रामीणों के अनुसार डॉ. बीएन पासवान ने बताया कि दोनों को परिजन मृत अवस्था में यहां लेकर आए थे। दोनों की मौत बिजली करंट लगने से हुई है। मृतक अजय कुमार और उसकी मां अमृता देवी के शरीर में बिजली करंट लगने से जख्म के निशान भी थे।

पहली बार बिहार अंडर- 17 महिला फुटबॉल टीम के लिए मुंगेर टाउन क्लब महिला टीम के तीन खिलाड़ियों का हुआ चयन

मुंगेर, एजेंसी। उड़ीसा में नेशनल बालिका अंडर- 17 फुटबॉल टूर्नामेंट आयोजित होना है। इसके लिए बिहार राज्य अंडर- 17 महिला फुटबॉल टीम के कैंप के लिए खिलाड़ियों का चयन बीते दिनों किया गया। इन चयनित महिला फुटबॉल खिलाड़ियों के लिए 16 से 24 जुलाई तक बरौनी फ्लैग में कैंप का आयोजन किया जाएगा। बिहार महिला अंडर-17 फुटबॉल टीम में उक्त कैंप के लिए मुंगेर की तीन महिला खिलाड़ियों का भी चयन किया गया है। चयनित होने वाली खिलाड़ी मुंगेर टाउन क्लब की नंदनी कुमारी, सानिया परवीन एवं लूसी कुमारी हैं। मुंगेर के एक साथ तीन महिला खिलाड़ियों का बिहार अंडर- 17 महिला फुटबॉल टीम में एवं कैंप के लिए चयन होने से मुंगेर के फुटबॉल खिलाड़ियों एवं फुटबॉल प्रेमियों में खुशी की लहर छाई हुई है। टीम के मुख्य कोच मो हैदर, महिला कुछ प्रियंका कुमारी, पूर्व फुटबॉल खिलाड़ी प्रभु दयाल सागर, लालूजी, मुंगेर के

प्रसिद्ध खेल उद्घोषक महमूद आलम, राजेश पासवान, अनिल कुमार यादव एवं रजी अहमद, सहित कई फुटबॉल प्रेमियों ने तीनों महिला खिलाड़ियों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए शुभकामनाएं दी हैं। वहीं, बिहार टीम में मुंगेर के तीन महिला खिलाड़ियों के चयनित होने के संबंध में जानकारी देते हुए मुंगेर टाउन क्लब के मुख्य कोच मो हैदर ने बताया कि, अंतिम रूप से कैंप में चयन के बाद बिहार अंडर-17 की टीम नेशनल बालिका फुटबॉल टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए 26 जुलाई को उड़ीसा के लिए प्रस्थान करेगी।

कचरे का सही से नहीं होता निस्तारण, शहर में तीन कंपोजिट पिट हैं, लेकिन एक में भी नहीं बनती खाद

दरभंगा, एजेंसी। शहर के कचरों के निस्तारण एवं उससे जैविक खाद बनाने के लिए दरभंगा नगर निगम की ओर से शहर में तीन कंपोजिट पिट टाउन हॉल के पीछे, कमला नेहरू लाइब्रेरी के पीछे एवं नगर निगम कार्यालय परिसर में करीब 66 लाख रुपए की लागत से बनाए गए। आज की तारीख में तीन कंपोजिट पिट से कचड़ों का निस्तारण नहीं हो रहा है। जैविक खाद नहीं बन रही है। करीब 19 लाख की लागत से कमला नेहरू लाइब्रेरी परिसर में बने कंपोजिट पिट का आज तक उद्घाटन भी नहीं हुआ। गुरुवार को तीन कंपोजिट पिट में जैविक खाद नहीं बन रही थी। वहीं सिटी मैनेजर रवि अमरनाथ ने दावा

किया कि 10 दिनों में कचरों से करीब 12 टन जैविक खाद बनाने की क्षमता है। लेकिन फिलहाल सात से आठ टन जैविक खाद बनती है। पहले दो लोग यहां से खाद लेते थे मगर अब एक भी नहीं है। जैविक खाद बाजार से बेहद सस्ता है। बीस किलो की कीमत 200 रुपए प्रति बैग, 10 किलो की कीमत 50 और पांच किलो के 25 रुपए प्रति बैग है। बावजूद लोग नहीं खरीद रहे हैं। सिटी मैनेजर रवि अमरनाथ ने कहा कि निगम क्षेत्र के सभी 48 जगहों में कचरा संग्रह के लिए 80 वाहनों का परिचालन होता है। क्षेत्र से प्रतिदिन 160 टन कचरों का उठाव हो रहा है, जिनमें करीब 44 टन गीले कचरे का उठाव होता है। कचरा प्रबंधन प्रभारी अविनाश कुमार और विशाल कुमार का कहना है कि जैविक खाद बनाने में कम से कम तीन महीने का समय लगता है। जितने टन कचरे होंगे। उसके 10 प्रतिशत ही जैविक खाद बनते हैं। ऐसे में प्रति तिमाही देखें तो 180 टन कचरे से करीब 18 टन खाद का उत्पादन हो रहा है। निगम के एक जिम्मेदार व्यक्ति का यह भी कहना है कि 44 टन कचरे सिर्फ शहर के कॉमर्शियल कम्पलेक्स, मुख्य चौक-चौराहे या उससे सटे कुछ ग्रामीण क्षेत्र से उठाए जा रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों अधिकतर लोग गीले कचरे का उपयोग भी कर लेते हैं।

रिश्वत मांगने वाले राजस्व कर्मचारी पर एफआईआर दर्ज

हाजीपुर, एजेंसी। दाखिल खारिज के लिए वर्षों से मामले को लटकाने और इसके लिए पैसा मांगने की शिकायत आने पर डीएम यशपाल मीणा ने कड़ा रुख अख्तियार करते हुए हाजीपुर अंचल कार्यालय के राजस्व कर्मचारी संजय कुमार पर एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया है। आदेश के बाद अंचलाधिकारी हाजीपुर ने सदर थाना में हल्का कर्मचारी संजय कुमार और उसके बिचौलियों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई है। संजय कुमार दिग्घी कला (पूर्वी), दिग्घी कला(पश्चिमी) तथा बिशनपुर बालाधारी के हल्का कर्मचारी है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार हल्का कर्मचारी के विरुद्ध जिला प्रशासन को बहुत दिनों से शिकायत मिल रही थी। शुक्रवार को जनता दरबार में आवेदक ठाकुर सोनू कुमार सिंह का आवेदन और उसके साथ दो वीडियो क्लिप प्राप्त होने के बाद तत्क्षण डीएम ने इसकी जांच के लिए हाजीपुर के सीओ को आदेश दिया। जांच में हल्का कर्मचारी द्वारा दाखिल खारिज के लिए पैसा मांगने की बात की पुष्टि हुई। इसके बाद जिला पदाधिकारी के निर्देश पर अंचल अधिकारी ने सदर थाना, हाजीपुर में कर्मचारी संजय कुमार पर प्राथमिकी दर्ज कराई है।

मिशन दक्ष के 65फीसदी बच्चों का परिणाम अच्छा, अब हर शिक्षक के साथ टैग होंगे पढ़ाई में कमजोर 5 से 7 बच्चे

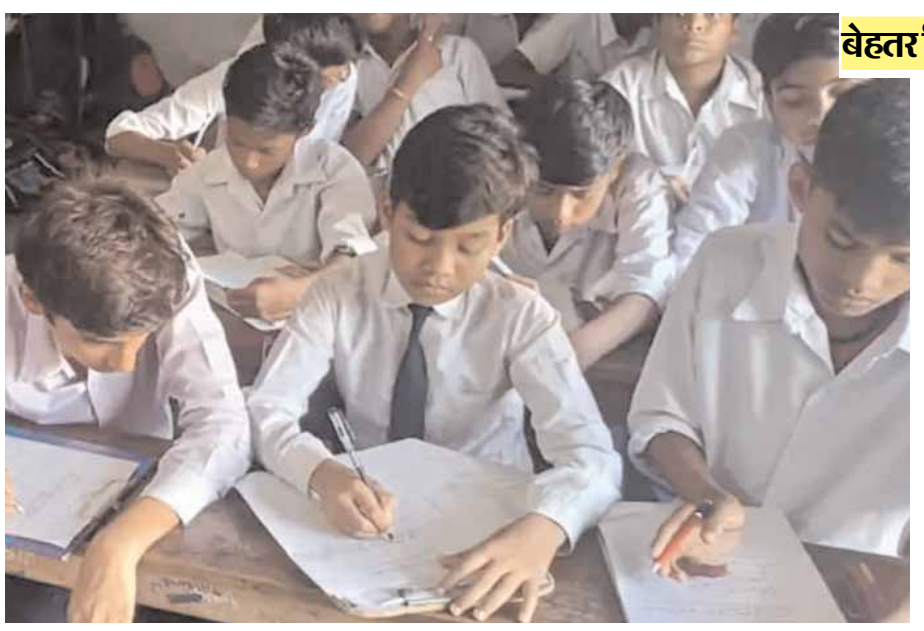

बेहतर रिजल्ट . मिशन दक्ष के 48,522 बच्चों में अधिकर छात्रों ने टेस्ट में किया शानदार प्रदर्शन

दरभंगा, एजेंसी। जिले के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले मिशन दक्ष के 48,522 बच्चों ने टेस्ट में शानदार प्रदर्शन किया है। इन बच्चों के प्रदर्शन को देखते हुए मिशन दक्ष को और भी बेहतर ढंग से संचालन करने की दिशा में कदम उठाने की तैयारी चल रही है। जिले के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले 48 हजार 522 बच्चों को पढ़ाई में काफी कमजोर होने पर मिशन दक्ष के तहत स्कूल में अतिरिक्त समय दे कर पढ़ाई कराया गया था। करीब 6 महीने के परिश्रम के बाद ही 48 हजार 522 बच्चों में से करीब 65 फीसदी बच्चों ने टेस्ट में अप्रत्याशित ढंग से पढ़ाई में शानदार प्रदर्शन किया है। जबकि 27 फीसदी बच्चों के क्लास की किताबों के ज्ञान के स्तर पर काफी सुधार देखने को मिला है। वहीं 7 से 8 फीसदी बच्चे अब भी ऐसे है जिन्हें क्लास की किताब की रीडिंग देने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जिला स्तर पर अभी टेस्ट का परिणाम अधिकारिक तौर पर जारी नहीं किया गया है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक अप्रत्याशित परिणाम पाने वाले छात्रों में कक्षा 6 और 8 के छात्र हैं। जबकि बेहतर प्रदर्शन करने वाले में निचली कक्षा के बच्चे शामिल है। राज्य स्तर की बात की जाए तो 68 फीसदी बच्चों ने अप्रत्याशित परिणाम हासिल किया है। जबकि 32 फीसदी बच्चों ने मिशन दक्ष में पढ़कर शानदार परिणाम हासिल किया है। मालूम हो कि मिशन दक्ष में कक्षा 3 से 8वीं के ऐसे बच्चों को चिन्हित किया जाता है। जो बच्चे अपनी कक्षा की हिंदी, अंग्रेजी और गणित के सामान्य ज्ञान से वंचित हो। ऐसे बच्चों को क्लास के बाद अतिरिक्त समय देकर शिक्षक बेसिक नॉलेज दिया करते थे। परिणाम से उत्साहित शिक्षा विभाग अब नए सिरे से मिशन दक्ष को संचालित करने की तैयारी कर ली है। मिशन दक्ष की कक्षाओं के लिए अलग से नोटबुक रखने की सलाह दी गई प्राथमिक शिक्षा निदेशक मिथिलेश मिश्र ने सभी डीईओ को नया आदेश जारी किया है। जिसमें कहा गया है कि पिछले दिनों में मिशन दक्ष की कक्षाओं को बच्चों की शिक्षा की गुणवत्ता अप्रत्याशित तौर पर बेहतर हुआ है। पहले से चल रही मिशन दक्ष की कक्षाओं के संचालन में थोड़ा बदलाव करने की जरूरत बताया है। बताए गए सुझाव के तहत अब एक बार फिर से कक्षा 3 से 8 तक के बच्चों की हिंदी, अंग्रेजी और गणित विषय की बुनियादी कौशल दुरूस्त किया जाएगा। प्रत्येक स्कूलों में बच्चों को ऐसे चिन्हित करने की बात कही गई है जिसके तहत स्कूल के प्रत्येक शिक्षकों से 5 से 7 बच्चों को संबद्ध करके व्यक्तिगत ध्यान देने को कहा गया है। इसमें एचएम और प्रभारी एचएम को भी 5 से 7 छात्रों को ध्यान देने की बात कही गई है।

सेवानिवृत्त लिपिक के खिलाफ प्राथमिकी

मुजफ्फरपुर/मुशहरी, एजेंसी। मुशहरी ग्रामीण के बाल विकास परियोजना पदाधिकारी स्मिता शर्मा ने तत्कालीन सेवानिवृत्त लिपिक संतन पाठक पर मुशहरी थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। उस पर बड़ा जगन्नाथ पंचायत के आंगनबाड़ी केंद्र संख्या-231 की सेविका मेनका कुमारी की चयन संचिका, कार्यवाही पंजी और उनके द्वारा अभी तक किसी को प्रभार नहीं देने का आरोप है। स्मिता शर्मा ने बताया कि बड़ा जगन्नाथ के सकिंदर कुमार यादव ने सूचना अधिकार के तहत उक्त केंद्र की सेविका के चयन अभिलेख की मांग की है। संतन पाठक के आवासीय पता पर कई बार पत्र भेजा गया, लेकिन आज तक उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया।

कब जरूरी है करियर काउंसलिंग

कई बार बच्चे अपने करियर को लेकर काफी कन्फ्यूज होते हैं। करियर की सीढ़ी में आगे बढ़ने के लिए कई बार वे कुछ चाहते हैं, पेरेंट्स की अलग अपेक्षाएं होती है तो रिश्तेदारों और दोस्तों से मिली सलाह कुछ अलग ही होती है। ऐसी स्थिति में जब बहुत ज्यादा कंफ्यूजन हो तो करियर काउंसलिंग की ज्यादा जरूरत होती है। हम कई बार काउंसलिंग को इग्नोर कर देते हैं। हमें लगता है हम सब जानते हैं लेकिन ऐसा नहीं है। करियर काउंसलिंग का सही समय वह हे जब बच्चे आगे की राह चुनने की दहलीज पर होते हैं। 10वीं के बाद उन्हें स्ट्रीम चूज करना होता है और ऐसे समय में सबसे ज्यादा गाइडेंस की जरूरत होती है। इसलिए पेरेंट्स को समझना चाहिए कि इस फेज में बच्चों को करियर से जुड़ा मार्गदर्शन उपलब्ध कराएं। इससे सही विषय चुन पाएंगे और करियर की पटरी सही बैठेगी। अगर सही विषय चयन नहीं किया गया तो पूरा करियर यू टर्न ले सकता है। इसलिए प्रोफेशनल काउंसलर की मदद लें जो मनोवैज्ञानिक तरीके से छात्र से संवाद करे और साइकोमेट्रिक टेस्ट के आधार पर छात्र की प्रतिभा को समझ सकें।

इसलिए है जरूरी

पेरेंट्स को यह समझना जरूरी है कि बच्चे का इंटरेस्ट किस विषय में है और वह किस तरह परफॉर्म कर रहा है। अपनी पसंद न थोपें। यह भी जानें कि किन विषयों में उसका मन नहीं लगता। इस तरह से पेरेंट्स करियर के चुनाव में मदद कर सकते हैं। बच्चे के रिजल्ट से यह फैसला करने की बजाए, उसकी पसंद को जानें। अगर गलत फैसला हुआ तो आगे चलकर वह परफॉर्म नहीं कर पाएगा और तनाव में घिरा रहेगा।

ऐसे न लें फैसले

यह कतई जरूरी नहीं है कि साइंस में 90 या 100 फीसदी अंक लाने वाला छात्र साइंस स्ट्रीम ही पसंद करे। हो सकता है उसकी रूचि गणित में न हो क्योंकि 10वीं के बाद पढ़ाई का लेवल अचानक हाई हो जाता है और अगर स्टूडेंट की रूचि उसमें न हो तो उसका प्रदर्शन प्रभावित होने लगता है। काउंसिलिंग में इन्हीं बातों को पैरेंट्स को समझाने की कोशिश की जाती है।

मार्केट ट्रेंड की जानकारी

काउंसिलिंग का एक सबसे बडा फायदा यह भी है कि काउंसिलर आपको वैसे सब्जेक्ट या उभरते क्षेत्रों के बारे में भी बताते हैं जिनसे आप अनजान होते हैं। आप ने उस फील्ड के बारे में कभी सोचा ही नहीं होता है। मार्केट ट्रेंड के बारे में बताते हैं और इन सबसे ऊपर आपको अच्छा इंस्टीट्यूट चुनने में मदद करते हैं। सब्जेक्ट पसंद का होने से आप अपनी पसंद की राह पर बढ़ तो सकते हैं, लेकिन इस गला काट प्रतियोगिता के जमाने में अच्छे इंस्टीट्यूट का चुनाव करके ही आप दूसरों पर बढते ले सकते हैं। आज मैनेजमेंट में कई नए सब्जेक्ट आ गए हैं। इसी तरह लॉ का क्षेत्र बढ़ गया है। फैशन टेक्नॉलजी का बुखार और खुमार तो है ही, खेल के क्षेत्र में हो रहे सुधार और कमाई से ऑप्शन पर भी उभरे हैं।

12वीं के बाद कर सकते हैं पॉलीमर साइंस में बीटेक

मौजूदा तकनीकी दौर में पॉलीमर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है। इनमें प्लास्टिक, मोल्डेड सामग्री, सिंथेटिक फाइबर, रबर आदि शामिल हैं। ईको-फ्रेंडली और रीसाइक्लेबल प्लास्टिक के साथ इन सभी पॉलीमर प्रोडक्ट्स के उचित प्रबंधन की आवश्यकता भी समय के साथ बढ़ रही है। यह काम पॉलिमर इंजीनियर्स करते हैं। वे प्लांट डिजाइन, प्रोसेस डिजाइन और थर्मोडाइनेमिक्स के सिद्धांतों का उपयोग करते हैं। विदेश ही नहीं, भारत में भी कई पॉलिमर और पेट्रोकेमिकल इंडस्ट्रीज खुल चुकी हैं। नतीजतन, करियर विकल्प के रूप में केमिकल इंजीनियरिंग या पॉलिमर इंजीनियरिंग का महत्व कई गुना बढ़ गया है। अगर आप इस क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो 12वीं के बाद पॉलीमर साइंस में बीटेक कर सकते हैं। आज के इस लेख में हम आपको पॉलीमर साइंस में बीटेक के बाद करियर अवसर के बारे में जानकारी देंगे-

पॉलिमर इंजीनियरिंग में बीटेक के बाद सार्वजनिक क्षेत्र के अवसर

पॉलिमर इंजीनियरिंग में बीटेक के बाद आप सरकारी फर्मों जैसे सेंट्रल ग्लास एंड सिरेमिक रिसर्च इंस्टीट्यूट, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, राउरकेला और सेंट्रल साल्ट एंड मरीन केमिकल्स रिसर्च इंस्टीट्यूट आदि में बतौर जूनियर रिसर्च फेलो काम कर सकते हैं। इन फेलोशिप कार्यक्रमों के लिए आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों को NTA द्वारा आयोजित UGC-NET और UGC-CSIR राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण करने की आवश्यकता है। कुल मिलाकर कम से कम 55% अंकों के साथ एम.टेक डिग्री प्राप्त करने के बाद कोई भी नेट के लिए बैठ सकता है। जिन उम्मीदवारों ने अपनी बी.टेक डिग्री में 60% अंक प्राप्त किए हैं, वे भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) में वैज्ञानिक या इंजीनियर के रूप में 40,000/- रुपये के मासिक वेतन के साथ काम कर सकते हैं। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन भी वैज्ञानिक बी पद की भूमिका में पॉलिमर इंजीनियरिंग स्नातकों की भर्ती करता है। इनके अलावा सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ प्लास्टिक इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, ब्रह्मपुत्र क्रैकर एंड पॉलिमर लिमिटेड (बीसीपीएल) जैसे संगठन भी पॉलिमर इंजीनियरिंग में बी टेक स्नातकों को नियुक्त करते हैं। इनके अलावा स्नातक डिग्री धारक पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय, ऑयल इंडिया लेबोरेटरीज, पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग प्लांट्स और ऑयल एंड नेचुरल गैस कमीशन (ओएनजीसी) आदि विभागों में भी रोजगार पा सकते हैं। उम्मीदवार विभिन्न इंजीनियरिंग संस्थानों में लेक्चरर पद का विकल्प भी चुन सकते हैं।

विदेश ही नहीं, भारत में भी कई पॉलिमर और पेट्रोकेमिकल इंडस्ट्रीज खुल चुकी हैं। नतीजतन, करियर विकल्प के रूप में केमिकल इंजीनियरिंग या पॉलिमर इंजीनियरिंग का महत्व कई गुना बढ़ गया है। अगर आप इस क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो 12वीं के बाद पॉलीमर साइंस में बीटेक कर सकते हैं।

पॉलिमर इंजीनियरिंग में बीटेक के बाद निजी क्षेत्र के अवसर

जर्मन आधारित कंपनी विंडमोलर एंड होल्शर, अक्सर अपने मैकेनिकल इंजीनियरिंग अनुभाग में संचालन करने के लिए पॉलिमर इंजीनियरों की भर्ती करती है। 7 से 8 साल के कार्य अनुभव वाले लोग एलाइड सॉल्यूशंस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड में सेल्स/बिजनेस डेवलपमेंट सेक्शन में जा सकते हैं। यहाँ आप 35,000/- से रु। 50,000/- प्रति माह तक की सैलरी पा सकते हैं। अपोलो टायर्स लिमिटेड, सिएट लिमिटेड आदि जैसी टायर कंपनियों को भी पॉलिमर इंजीनियर्स की जरूरत है। पॉलीमर इंजीनियरिंग में स्नातकों के लिए क्वालिटी इंजीनियर, प्रोडक्शन इंजीनियर्स/टेक्नोलॉजिस्ट, पॉलीमर स्पेशलिस्ट आदि सामान्य जॉब प्रोफाइल हैं।

जॉब के लिए अप्लाई करने से पहले अपने पुराने सीवी को करें अपडेट

सीवी में दी गई जानकारी के आधार पर ही एंपलॉयर आपको जज कर पाता है। खुद को दूसरों से अलग बनाने के लिए आपको सिरी को सही फॉर्मेट में बनाना बेहद जरूरी है। इसके साथ ही आपको अपने सीवी को अपडेटेड भी रखना चाहिए। जब भी आप किसी कंपनी में जॉब के लिए अप्लाई करते हैं तो आपसे सबसे पहले आपका सीवी या रेज्यूमे मांगा जाता है। इसमें आपकी पिछली कंपनी में आपकी पोजिशन, आपकी स्किल्स और अनुभव आदि की जानकारी होती है। इसी जानकारी के हिसाब से एंप्लॉयर आगे की प्रक्रिया शुरू करते हैं या रिजेक्ट करते हैं। सीवी में दी गई जानकारी के आधार पर ही एंपलॉयर आपको जज कर पाता है। खुद को दूसरों से अलग बनाने के लिए आपको सिरी को सही फॉर्मेट में बनाना बेहद जरूरी है। इसके साथ ही आपको अपने सीवी को अपडेटेड भी रखना चाहिए।

आमतौर पर कोई भी उम्मीदवार अपनी बीवी को अपडेट तभी करता है जब वह किसी दूसरी नौकरी की तलाश में होता है। ऐसे में अगर एक नौकरी से दूसरी के बीच अवधि ज्यादा होती है तो सीवी में कई महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स को अपडेट करना छूट जाता है। इसलिए आप अपनी कंपनी में जब भी किसी महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट को पूरा करें तो उसे उसी समय अपने सीवी में जरूर अपडेट कर लें। आप जिस भी प्रोजेक्ट के बारे में अपने सीवी में जिक्र कर रहे हैं, उसे पूरा करते वक्त आपको क्या कठिनाई आई इसका जिक्र जरूर करें। इससे एंप्लॉयर को यह विश्वास मिलेगा कि आप काम करते समय सिर्फ कंफर्ट जोन नहीं तलाशते हैं। इसके साथ ही, प्रोजेक्ट पर कितने लोगों ने क्या काम किया और आपकी क्या भूमिका रही इसकी जानकारी भी सीवी में जरूर दें।

अधिकतर लोगों को रेज्यूमे और सीवी के बीच अंतर नहीं मालूम होता है। आपको बता दें कि रेज्यूमे अधिकतम 2 पन्नों का होता है वहीं सिविल अधिकतम 5 पन्ने का होता है। इसलिए कंपनी आपसे जो मांगे, वही भेजें।

सीवी आमतौर पर ऑफिसर लेवल का होता है। इसमें सब कुछ डिटेल में लिखा होता है। वहीं, रेज्यूमे आमतौर पर शुरुआती नौकरियों के लिए होता है। इसमें स्किल्स, क्वालिफिकेशन आदि की जानकारी संक्षिप्त में लिखी होती है। अधिकांश इंटरव्यू के लिए एंप्लॉयर्स सीवी ही मांगते हैं।

सक्सेस के लिए बनाएं रखें मार्केटिंग एटीट्यूड

इसमें कोई शक नहीं कि सफल होने के लिए आपको कड़ी मेहनत करना चाहिए लेकिन अगर इसे बिना किसी उद्देश्य और सही एटीट्यूड के किया जाए तो यह मेहनत व्यर्थ ही जाएगी। मार्केटिंग में करियर बनाने के लिए आपको मेहनत के साथ सही एटीट्यूड रखना जरूरी है।

सकारात्मक सोच के साथ अगर आप आगे बढेंगे तो कंपनी की साख भी बना पाएंगे और अपना करियर उज्जवल करेंगे। दिन-रात अपने टारगेट पूरा करने में आप लगे रहते हैं लेकिन कुछ ऐसी ही स्किल्स की कमी के चलते यह पूरा करने से चूक जाते हैं। लेकिन अगर बार-बार आपके साथ ऐसा हो तो आप निराश हो सकते हैं। इसके कारण आप खुद में ही कमी ढूंढेंगे कि शायद आप इसके लायक नहीं। सबसे पहली बात तो आपको आपके क्षेत्र, उत्पाद, कंपनी और मार्केटिंग टूल्स की पूरी जानकारी होनी चाहिए। आपको जितना नॉलेज होगा, आपमें कॉन्फिडेंस उतना रहेगा।

पैशन

अगर आपको अपने काम को लेकर जुनून नहीं है तो शक है कि आप जो मुकाम चाहते हैं, वह हासिल हो। पैशन होने से आपके अंदर और भी कई स्किल्स स्वत- ही आ जाते हैं जिसके कारण आप सफलता की सीढ़ियां चढ़ते हैं। पैशन होने से आप राइट एटीट्यूड अपने आप ही आ जाएगा।

अप्रोच

मार्केटिंग ही नहीं, किसी भी क्षेत्र में आपकी अप्रोच बहुत मायने रखती है। इसलिए मार्केटिंग जॉब को लेकर आपकी अप्रोच पॉजिटिव, टू द पॉइंट और रिजल्ट ओरिएंटेड होना चाहिए।

एक्साइटमेंट

जो भी काम करें उसमें एक्साइटमेंट डाले। छोटे से छोटे से काम को लेकर आप अगर उत्साही रहेंगे तो उसका रिजल्ट सोच से कहीं बेहतर होगा। ऐसे आप लोगों में भी उत्साह का संचार कर पाएंगे। लोगों के बीच आपका उत्साह इम्प्रेसिव ही होगा।

कॉन्फिडेंस

आपको हर हाल में न केवल खुद पर, बल्कि अपने क्लाइंट पर भी पूरा भरोसा होना चाहिए। यह आत्मविश्वास ही है, जिसे सफलता की कुंजी कहा जाता है।

चेंज

मार्केटिंग एक ऐसा क्षेत्र है, जहां हमेशा चेंज की गुंजाइश बनी रहती है। क्योंकि यहां आपका पहला मकसद होता है क्लाइंट को संतुष्ट करना और ज्यादा-से-ज्यादा क्लाइंट्स जोडना। इसलिए जब भी लगे कि अमुक तकनीक में बदलाव की जरूरत है, आपको तत्काल उस तकनीक को अपना लेना चाहिए।

ज्वैलरी डिजाइनिंग के करियर में इस तरह बढ़ें आगे

भारत गोल्ड का सबसे बडा उपभोक्ता है और यहां जेम्स एंड ज्वैलरी के लिए बेहतर सुविधाएं भी मौजूद है। एक तथ्य यह भी है कि जयपुर को विश्व के सबसे बडे जेम्स कटिंग सेंटर के रूप में जाना जाता है। हालांकि, जयपुर के साथ-साथ सूरत, मुंबई, दिल्ली, अहमदाबाद आदि शहरों में जेम्स एंड ज्वैलरी के विशाल एक्सपोर्ट हाउसेज मौजूद हैं। यही कारण है कि देश के कुल निर्यात में जेम्स एंड ज्वैलरी सेक्टर का सबसे महत्वपूर्ण योगदान होने से आज भारतीय कारीगरों की बनाई ज्वैलरी को विदेशों में काफी पसंद किया जा रहा है।

समय ने बदली धारणा

वैश्वीकरण के इस दौर में युवतियों में जिस तरह फैशनेबल कपड़ों का क्रेज बढ़ रहा है। फैशन में हो रहे बदलावों ने ज्वैलरी का सारा आकर्षण तरह-तरह की डिजाइनों में केंद्रित कर दिया है। समय की बयार के साथ समाज की यह पारंपरिक तस्वीर तेजी से बदल रही है।

स्किल्स

जेमोलॉजी कोर्स के अंतर्गत जेम्स की पहचान, उसकी रंगत, धातु की पहचान, ड्राइंग टेक्निक्स, डिजाइन मेथोडोलॉजी, कम्प्यूटर ऐडेड डिजाइन आदि पहलुओं का अध्ययन किया जाता है। जेमोलॉजी में डिग्री (तीन-वर्षीय), डिप्लोमा (दो-वर्षीय) और सर्टिफिकेट कोर्सेज (एक साल) के साथ-साथ ट्रेंड प्रोफेशनल्स के लिए कुछ स्पेशलाइज्ड कोर्सेज भी उपलब्ध हैं। इन स्पेशलाइज्ड कोर्सेज की अवधि छह माह से छह हफ्ते तक की हो सकती है।

योग्यता

यदि आप जेम्स एंड ज्वैलरी डिजाइन के क्षेत्र में करियर बनाना चाहते हैं, तो इसके लिए आपको कोई खास शैक्षिक योग्यता नहीं जुटानी पडेगी। यदि आप बारहवीं पास या ग्रेजुएट भी हैं, तो आपके लिए इस सेक्टर में बेहतर संभावनाएं मौजूद हैं। यदि आप बारहवीं पास हैं, तो डिग्री कोर्स में और यदि ग्रेजुएट हैं, तो डिप्लोमा या सर्टिफिकेट कोर्स करने के बाद इस क्षेत्र में प्रवेश कर सकते हैं। आपकी अंग्रेजी और कम्युनिकेशन स्किल्स बहुत अच्छी होनी चाहिए। यदि यह गुण आपमें हैं तो इससे बेहतर दूसरा क्षेत्र संभवत- आपके लिए बना नहीं है।

करियर संभावनाएं

उदारीकरण के बाद भारत के इस उभरते सेक्टर को एक नया आयाम मिला है। दरअसल, जमोलॉजी के क्षेत्र में दबदबा रखने वाली दुनिया की बडी-बडी कंपनियां भारत में तेजी से अपनी शाखाएं खोल रही हैं। कहते हैं, जिस सेक्टर में जितनी तेजी से विकास होता है, उसे और विकसित करने के लिए ट्रेंड प्रोफेशनल्स की जरूरत अनिवार्य रूप से होती है। इस लिहाज से देखें, तो जेम्स एंड ज्वैलरी सेक्टर भी अछूता नहीं रहा है, जहां आज भारी संख्या में ट्रेंड प्रोफेशनल्स की जरूरत महसूस की जा रही है। जहां तक इस क्षेत्र में उपलब्ध संभावनाओं की बात है, जेमोलॉजी का कोर्स कर लेने के बाद आपको प्राइवेट एक्सपोर्ट हाउसेज, ज्वैलरी डिजाइनिंग एंड कटिंग फर्म्स और इससे जुडी कंपनियों में काफी आकर्षक जॉब मिल सकते हैं। इसके अलावा, यदि आप अपना बिजनेस शुरू करना चाहते हैं, तो संबंधित क्षेत्र में अनुभव और कौशल प्राप्त करने के बाद अपनी खुद की रिटेल, होलसेल या ज्वैलरी-शॉप्स खोल कर अच्छी खासी कमाई कर सकते हैं।

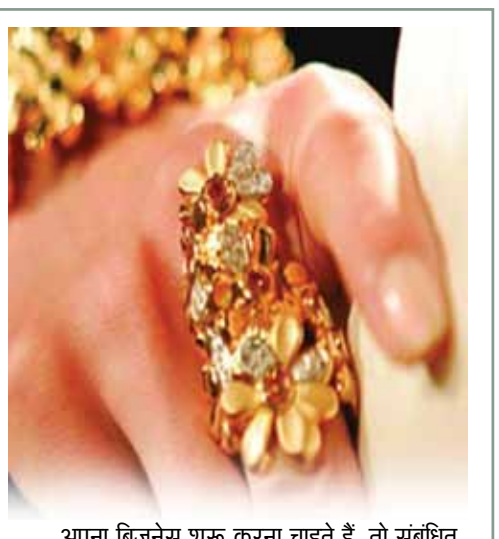

जॉब ऑप्शंस

- ज्वैलरी-डिजाइनर
- रिसर्चर
- प्रोडक्ट डेवलपमेंट ऑफिसर
- मर्केंडाइजर
- सेल्स एंड मार्केटिंग प्रोफेशनल
- कंसल्टेंट
- कैड-डिजाइनर

विचार-मंथन

संपादकीय

सबको मिला सही संदेश

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दो दिवसीय रूस यात्रा से न केवल द्विपक्षीय रिश्तों को मजबूती मिली है, युद्ध के खिलाफ और शांति के पक्ष में भारत का स्पष्ट रुख भी एक बार फिर प्रभावी ढंग से रेखांकित हुआ है। पीएम मोदी की इस यात्रा को लेकर दुनिया भर में कितनी उत्सुकता थी इसका अंदाजा विभिन्न देशों की प्रतिक्रियाओं से भी मिलता है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की इस यात्रा पर अपनी निराशा जाहिर करते हुए इसे शांति प्रयासों को झटका तक बता चुके थे। अमेरिका ने भी यात्रा को लेकर अपनी चिंता जता दी। खुद पीएम मोदी ने भी राष्ट्रपति पूतिन के साथ बातचीत में इसका जिक्र किया कि उनके रूस आने पर पूरी दुनिया की निगाहें टिकी हैं। मौजूदा अंतरराष्ट्रीय हालात को ध्यान में रखें तो यह कोई अचरज वाली बात भी नहीं है। यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से ही अमेरिका और अन्य पश्चिमी देशों का जोर इस बात पर रहा है कि भारत रूस से अपनी करीबी खत्म करे। भारत ने शुरू से ही यह स्पष्ट कर रखा है कि वह अपने राष्ट्रहित पर आधारित स्वतंत्र विदेश नीति पर कायम रहेगा। इसके बावजूद यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से पीएम रूस नहीं गए थे। दोनों देशों के बीच होने वाली सालाना द्विपक्षीय शिखर बैठक भी 2022 के बाद से नहीं हो पाई थी। इससे रूस के कुछ हलकों में यह धारणा बनने लगी थी कि भारत अमेरिका और पश्चिमी देशों के प्रभाव में रूस से दूरी बनाए रखना चाहता है। पीएम मोदी की इस यात्रा के पीछे जहां द्विपक्षीय रिश्तों को संदेहों और अविश्वासों से मुक्त करने की बात थी, वहीं अंतरराष्ट्रीय हलकों में यह स्पष्ट संदेश भेजना था कि भारत को किसी तरह के दबाव के जरिए इस या उस पक्ष में झुकाना संभव नहीं है। इस यात्रा के दौरान दोनों देशों में सहयोग बढ़ाने के समझौते तो हुए ही, पीएम मोदी ने पूतिन के साथ बातचीत में पूरी बेबाकी से कहा, 'युद्ध के मैदान से कोई हल नहीं निकलता।' यह पीएम मोदी का वैसा ही बयान है जैसा दो साल पहले समरकंद में पूतिन से बातचीत के दौरान उन्होंने दिया था कि 'यह युद्ध का दौर नहीं है'। यह खबर भी सुकून देने वाली है कि रूस ने भारत के आग्रह पर न केवल रूसी सेना के सपोर्ट स्टाफ के रूप में भारतीयों की नियुक्ति रोकना स्वीकार कर लिया है।

जलवायु परिवर्तन की वजह से भविष्य में पानी घटेगा

देशभर में भू-जल के स्तर में आ रही कमी को लेकर लंबे समय से चिंता जताई जा रही है। हालत यह है कि देश के कई इलाकों में पीने के पानी तक की जरूरत को पूरा करना मुश्किल हो रहा है। मगर इस चुनौती से निपटने के नाम पर अब तक कोई ठोस पहलकदमी नहीं दिखती है। अब भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) गांधीनगर के एक नए अध्ययन में दावा किया गया है कि वर्ष 2002 से लेकर 2021 तक लगभग 450 घन किलोमीटर भूजल घट गया है और निकट भविष्य में जलवायु परिवर्तन के कारण इसकी मात्रा में और गिरावट आएगी। अध्ययन के दौरान यह भी पाया गया कि पूरे उत्तर भारत में 1951-2021 की अवधि के दौरान मानसून की बारिश में 8.5 फीसद की कमी आई है और सर्दियों में तापमान 0.3 डिग्री सेल्सियस बढ़ गया है। यानी औसत बारिश का आंकड़ा और भू-जलस्तर दोनों में कमी आ रही है। अगर यही स्थिति बनी रही तो भविष्य में पेयजल संकट की कल्पना ही की जा सकती है। यह तय माना जा रहा है कि मानसून में कम बारिश होने और सर्दियों में तापमान बढ़ने के कारण सिंचाई के लिए पानी की मांग बढ़ेगी। इस कारण उत्तर भारत में पहले से ही कम हो रहे भूजल संसाधन पर और अधिक दबाव पड़ेगा। गौरतलब है कि भू-जल पुनर्भरण का काम बरसात, तालाब और झीलों के जरिए भी होता है। मगर जलशक्ति मंत्रालय की वर्ष 2023 की एक सर्वे रपट के मुताबिक, देशभर में हजारों तालाब गायब हो चुके हैं। कहीं तालाबों की जमीन पर अतिक्रमण कर ढांचे खड़े कर दिए गए हैं तो कहीं देखरेख के अभाव में तालाब और झील पूरी तरह सूख गए हैं। ऐसे में जरूरी है कि तालाबों और झीलों को पुनर्जीवित करने के लिए व्यापक स्तर पर अभियान शुरू किया जाए। हालांकि, कई राज्यों में इसको लेकर योजनाएं शुरू की गई हैं, लेकिन इनका कोई ठोस परिणाम अभी तक सामने नहीं आया है। कुछ राज्यों में भू-जल निकालने पर प्रतिबंध है, इसके बावजूद चोरी-छिपे यह काम जारी है। ऐसे लोगों पर शिकंजा कसने के लिए स्थानीय स्तर पर प्रशासन को चुस्त-दुरुस्त करना होगा। इसके अलावा वर्षाजल के संग्रहण और पानी के पुन: उपयोग को बढ़ावा देने पर भी गंभीरता से विचार करना होगा, ताकि भू-जल पर निर्भरता को कम किया जा सके।

भगवान राम, अयोध्या व सनातन को कोई कभी समाप्त कर ही नहीं सकता

(मृत्युंजय दीक्षित)

संसद सत्र में कमजोर दिखने के बाद विपक्ष के तेवर और तीखे हो गये हैं वह सच्ची-झूठी बातों को लेकर सरकार आरोप लगा रहा है। सोशल मीडिया स्वयं प्रियंका गाँधी ने ऐसे वीडियो डाले जो फेक थे। वास्तविक मुद्दों से अधिक विपक्ष झूठ फैलाने में सक्रिय है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने तीसरे कार्यकाल में विकसित भारत के संकल्प के साथ काम में जुट गए हैं और विपक्ष अभी भी तीसरी पराजय की हताशा में डूबा चुनावी मोड में दिख रहा है। कांग्रेस के नेतृत्व में सम्पूर्ण विपक्ष के नेता सप्ताह में दो बार सरकार गिरने की भविष्यवाणी करके सनसनी फैलाने और मीडिया की फुटेज खाने का प्रयास करते रहते हैं। वर्तमान लोकसभा में कुछ सीटें अधिक आने से कांग्रेस का दिमाग सातवें आसमान पर है। जब से कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने विपक्ष के नेता के रूप में स्थान मिला है, कांग्रेसी हर दिन मोदी सरकार अब गिरी तब गिरी के सपने देख रहे हैं। नई सरकार के गठन के बाद पहले संसद सत्र में मोदी सरकार ने जिस कुशलता के साथ विपक्ष के प्रत्येक दांव को ध्वस्त किया उससे विपक्ष बुरी तरह तिलमिला गया है। राहुल गांधी के नेतृत्व में विपक्ष ने पहले लोकसभा अध्यक्ष के चुनाव पर सरकार को घेरने और उसमें मतदान कराकर गिराने का सपना देखा और फिर नीट पेपर लीक घोटाले पर बहस करने को लेकर अड़ गया किंतु दोनों ही जगह वह मात खाया। यानि संसद के पहले सत्र में विपक्ष ने अनावश्यक रूप से सरकार को गिराने व घेरने का प्रयास किया और विफल रहा। संसद सत्र में कमजोर दिखने के बाद विपक्ष के तेवर और तीखे हो गये हैं वह सच्ची-झूठी बातों को लेकर सरकार आरोप लगा रहा है। सोशल मीडिया स्वयं प्रियंका गाँधी ने ऐसे वीडियो डाले जो फेक थे। वास्तविक मुद्दों से अधिक विपक्ष झूठ फैलाने में सक्रिय है। बारिश में पानी भरने के लिए भी केंद्र सरकार को कोसा जा रहा है और ब्राज़ील का वीडियो रामपथ के नाम से पोस्ट किया जा रहा है। विपक्ष को लगता है इस तरह झूठ फैलाने से मोदी सरकार की छवि प्रभावित हो जाएगी और उसको गिरना सरल होगा। राहुल गांधी सक्रियता के नाम पर आवेश दिखा रहे हैं। उन्होंने लोकसभा की 543 में से 99 सीटों पर सफलता प्राप्त की है और उनका अहंकार इतना अधिक बढ़ गया है कि वह जितनी बार मुंह खोलते हैं उतनी बार हिंदू समाज व उसकी आस्था के प्रतीकों का अपमान करते हैं फिर चाहे वो संसद के अंदर हो या बाहर। जहां जहां कोई दुर्घटना या सामाजिक समस्या है वहां वहां राहुल गांधी का काफिला अपनी राजनीति चमकाने जा रहा है। राहुल अभी तक हाथरस, मणिपुर और असम जाकर अपनी मोहब्बत की दुकान का प्रचार कर चुके हैं। समस्या कोई भी हो, स्थान कोई भी हो राहुल चर्चा केवल मोहब्बत की दुकान की ही करते हैं, इस बीच कोई पत्रकार प्रश्न पूछ ले तो उनके तेवर बदल जाते हैं और वो गुस्से में पैर पटक कर चल देते हैं। सोनिया के समय हिन्दुओं के प्रति कांग्रेस दबी ढकी नफरत राहुल के समय खुल कर सामने आ गई है। राहुल गांधी ने संसद में अपने पहले ही भाषण में सम्पूर्ण हिंदू समाज को हिंसक कहने का दुस्साहस किया। नेता प्रतिपक्ष के रूप में राहुल गांधी ने जोर देकर इस बात को दोहराया कि- जो अपने को हिन्दू कहते हैं वो हिंसक होते हैं। सदन में प्रधानमंत्री जी ने इसका तत्क्षण इसका प्रतिवाद किया और बाद में अपने संबोधन में भी इस पर विस्तार से चर्चा की तो कांग्रेस और इंडी गठबंधन के लोग हंगामा करते रहे। राहुल गांधी ने अपमानजनक तरीके से भगवन शिव का चित्र लहराया और उनके स्वरुप की गलत विवेचना करी। सदन के बाहर विरोध होने पर कांग्रेस ने एक बार झूठ का सहारा लेकर मामले पर लीपा पोती करने का प्रयास किया । नेता प्रतिपक्ष के रूप में पहली बार गुजरात पहुंचे राहुल गांधी इतने अधिक उत्साह में थे कि वह वाराणसी में ही प्रधानमंत्री मोदी को निपटा देते जैसी शब्दावली का प्रयोग करने लगे। राहुल यहीं नहीं रुके, आगे बढ़ते हुए बोले गुजरात से लालकृष्ण आडवाणी ने जो मूवमेंट चलाया था उसे हमने अयोध्या में हरा दिया है। स्पष्ट है राहुल गाँधी को न तो श्री रामजन्मभूमि मुक्ति यज्ञ का इतिहास पता है, न उनमें हिन्दुओं की आस्था के प्रति सम्मान है। राहुल गांधी ने गुजरात में अपने भाषण के माध्यम से हिंदू समाज को सोचने पर मजबूर कर दिया है कि उन्होंने कांग्रेस की कुछ सीटें बढ़ाकर बड़ी गलती कर दी है। राहुल के इस बयान से कांग्रेस की वामपंथी मुस्लिम परस्त मानसिकता ही बेनकाब हुयी है।

> *राहुल गांधी को भारत रत्न लालकृष्ण आडवाणी जी के राम मंदिर आन्दोलन को राजनैतिक समर्थन देने से आज भी इसलिए दर्द है क्योंकि लालकृष्ण आडवाणी जी की तमाम रथयात्राएं ही हैं जिनसे कांग्रेस का हिन्दू विरोधी चेहरा सामने आया और आज भी कांग्रेस लोकसभा में 100 का आंकड़ा छूने को तरस रही है।*

आजकल राहुल और अखिलेश फैजाबाद के सांसद को तमगे की तरह साथ लेकर घूमते हैं, उनको अयोध्या का राजा बताते हैं और सनातन समाज का मखौल उड़ाते हैं। यदि इन दोनों को लग रहा है कि अयोध्या में भाजपा को हराकर उन्होंने हिन्दुत्व को हरा दिया है तो यह उनकी बहुत बड़ी भूल है। इनको लग रहा है कि अब लोग न तो जय श्रीराम का नारा लगाएंगे और न ही अयोध्या में श्रीराम का दर्शन करने आयेंगे लेकिन उन्हें नहीं पता कि भगवान राम भारत की आत्मा और सनातन धर्म का मूल हैं। दो लड़कों की जोड़ी को यह बात समझनी चाहिए कि भगवान राम, श्रीकृष्ण और भगवान शिव भारत की आत्मा हैं और इनका सार्वजनिक उपहास बहुत दिनों तक नहीं बनाया जा सकता। राहुल गांधी के बयानों को सुन सुनकर हिंदू समाज मन ही मन कुढ़ रहा है और अपनी गलती पर सिर धुन रहा है। वहीं संत समाज राहुल को अयोध्या में नहीं घुसने देना चाहता। राहुल गांधी और इंडी गठबंधन के नेताओं को यह बात अच्छी तरह से पता होनी चाहिए कि लोकतांत्रिक देश के चुनावों में जय-पराजय तो होती ही रहती है किंतु राष्ट्रीय आस्था कभी नहीं बदलती। हिंदू समाज ने श्री रामजन्म भूमि को विधर्मियों से मुक्त कराने के लिए 77 बार भीषण संघर्ष किया और सर्वस्व बलिदान करते हुए अंततः विजय प्राप्त की इस विजय का उपहास कर रहे हैं ये लोग। अयोध्या अपराजिता है विधर्मी उस पर आक्रमण कर सकते हैं जीत नहीं सकते, अयोध्या यश से परिपूर्ण है, दुःखों का हरण करने वाली है और श्रीराम के तेज से प्रकाशित है, आसुरी भावनाओं द्वारा ये कभी पराजित नहीं होगी। इस अयोध्या को इक्ष्वाकुवंश के राजाओं ने अपनी राजधानी बनाया और भगवान राम ने यहीं जन्म लिया यह शाश्वत सत्य है। भगवान राम को सृष्टि पर्यंत कोई नहीं हरा सकता। सपा ने फैजाबाद लोकसभा सीट का चुनाव जीता है और उसको राहुल गांधी विपरीत दिशा में ले जाकर प्रचारित कर रहे हैं। अयोध्या की पराजय पर तंज कसने वाले नेताओं को पता होना चाहिए कि किसी भी बात की अति बुरी होती है।

भयहीन तंत्र भ्रष्टाचार ही बढ़ाएगा

(विभूति नारायण राय, पूर्व आईपीएस अधिकारी)

इन दिनों बिहार में एक लतीफा बहुत मशहूर हुआ है- 'आज का स्कोर क्या है?' यह कोई क्रिकेट मैच का स्कोर जानने की उत्सुकता नहीं है। रोज पुल गिर रहे हैं और लोगों ने इस बड़ी त्रासदी को भी मनोरंजन का बायस बना लिया है। वे पूछना चाहते हैं कि आज कोई पुल गिरा या नहीं? अभी मानसून पूरी तरह से आया भी नहीं था कि पहली बौछार के साथ अयोध्या में कुछ ही दिनों पहले बड़ी धूमधाम से उद्घाटित चमचमाता राम पथ कई स्थानों पर धंसक गया। इससे सत्तारूढ़ भाजपा की लोकसभा चुनावों में अयोध्या वाली फैजाबाद सीट हारने से कुछ कम किरकिरी नहीं हुई। विश्व की पांचवीं अर्थव्यवस्था होने का दावा करने वाले देश की राजधानी की हालत ऐसी है कि जरा सी बारिश होने पर सड़कें डूब जाती हैं और मीलों तक ट्रैफिक जाम लग जाता है। नई दिल्ली के एक छोटे से इलाके को छोड़कर कहीं भी निकल जाइए, आपको टूटी सड़कें, उखड़े फुटपाथ, पॉलीथिन और कूड़े से बजबजाती नालियां और इन सबके साथ कोढ़ में खाज की तरह दुर्घटनाओं को निमंत्रित करते गाय-भैंस के झुंड सार्वजनिक जगहों पर मिलेंगे। क्या सब कुछ अचानक घटित हो रहा है या यह भारतीय समाज के वर्षों संचित पाप हैं, जो अब खुलकर सामने आने लगे हैं? तंत्र में भ्रष्टाचार को लेकर सुगबुगाहट तो स्वतंत्रता के बाद से ही शुरू हो गई थी, लेकिन वर्षों तक भ्रष्टाचारियों को सामाजिक स्वीकृति या सम्मान नहीं मिलता था। भ्रष्ट अधिकारी अपने ड्रॉइंग रूम में वैभव का प्रदर्शन नहीं करते थे। ऐसा कुछ नैतिक मूल्यों के बचे रहने से अधिक सरकारी डंडे के भय के कारण भी होता था। नैतिक मूल्यों के बारे में कुछ कहना तो मुश्किल है, पर सरकारी डंडे का कितना भय बचा है, इसका अनुमान लगाना आसान है। पिछले साल नई दिल्ली के दिल प्रगति मैदान के चारों तरफ कुछ भूमिगत मार्ग बनाए गए। अरबों रुपये की लागत से बने मार्गों का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया और इन रास्तों की दीवारों पर की गई पेंटिंग से अभिभूत होकर उन्होंने सलाह दी कि सप्ताह के एक दिन ट्रैफिक बंद कर स्कूली बच्चों को यहां इन्हें देखने के लिए लाया जाए। गनीमत है, इस पर अमल नहीं किया गया, वरना नई पीढ़ी उन दुस्साहसी अफसरों की हरकतों को देखकर शर्मिंदा होती, जिन्होंने प्रधानमंत्री आवास से कुछ किलोमीटर दूर ऐसी सड़कें बनाई थीं, जो चंद महीनों में ही सुरक्षित चलने लायक नहीं रहीं। पहली बरसात में ही वे पानी में डूब गईं और हिंदी के एक मुहावरे के अनुसार, अरबों रुपये पानी में बह गए। इसी से मिलती-जुलती दूसरी दुस्साहसिक घटना उत्तर प्रदेश के अयोध्या में घटित हुई। करोड़ों रुपये खर्च करके निर्मित राम जन्मभूमि मंदिर को जाने वाला राम पथ मानसून की पहली बौछार भी नहीं झेल पाया और दस से अधिक स्थानों पर धंस गया। किसी भी अफसर को डर नहीं लगा कि इस रास्ते से हर महीने मुख्यमंत्री और साल में कम से कम एक बार तो प्रधानमंत्री भी गुजरेंगे। अयोध्या में जगह-जगह भ्रष्टाचार का प्रदर्शन देखने को मिला। नए बने रेलवे स्टेशन की दीवार गिर गई, सारी ड्रेनेज व्यवस्था ध्वस्त हो गई, सड़कों-गलियों में पानी भर गया और नए बने तीर्थ की चमक फीकी पड़ गई। यहां तक कि नए बन रहे राम मंदिर के पुजारी ने छत टपकने की बात की। मंदिर तो एक ट्रस्ट बना रहा है, इसलिए उसमें किसी कमी के लिए सरकारी अमला उत्तरदायी नहीं है, पर मनुष्य तो हर जगह एक जैसे ही हैं। ऐसा नहीं है कि भ्रष्टाचार एकदम से सिर उठाए दिखने लगा है। फर्क सिर्फ यह आया है कि फलती-फूलती अर्थव्यवस्था में अब आधारभूत ढांचे के विकास के लिए अकूत धन मिलने लगा है। सड़कों, रेलवे, हवाई अड्डों या बंदरगाहों के निर्माण और विकास के लिए सरकारें प्रभूत संसाधन झोंक रही हैं ऐसा कैसे हुआ कि अब कार्यदायी संस्थाओं के सदस्यों के मन में अपने किए का डर इस हद तक समाप्त हो गया है कि वे प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री की नजरों में आ सकने वाले कामों में भी भ्रष्टाचार का कोई अवसर नहीं छोड़ते? शायद इसका कारण पूरे तंत्र में भ्रष्टाचार का संस्थाबद्ध हो जाना है।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5429

					6			7
	6						9	8
1			4		2		3	
	4	9		6	7		5	
	1						6	
	3		8	9		4	7	
	2		5		1			4
5	8						2	
6			3					

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5428

5	1	7	3	6	9	8	2	4
8	4	9	7	1	2	6	5	3
6	2	3	8	5	4	7	1	9
4	9	8	5	2	3	1	6	7
3	6	5	1	4	7	2	9	8
1	7	2	9	8	6	4	3	5
7	8	1	6	3	5	9	4	2
2	5	6	4	9	8	3	7	1
9	3	4	2	7	1	5	8	6

आज का राशिफल

मेष

आज भाग्य में वृद्धि का दिन है और आज आपकी आर्थिक तरक्की होगी। आपके रुके कार्य पूर्ण होंगे और आर्थिक लाभ होगा और अधिकार में वृद्धि होगी। आपको लाभ की प्राप्ति होगी। कार्यक्षेत्र में आपको कुछ नए अधिकार दिए जा सकते हैं। रचनात्मक कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी बढ़ेगी। पुत्र और पुत्री के विवाह की बात आगे बढ़ सकती है।

वृष

आज दिन मिलाजुला रहेगा और आज आपको जरूरी काम से कहीं जाना पड़ सकता है। बहन भाई के विवाह इत्यादि मांगलिक समारोह में शामिल होने का अवसर मिलेगा। कोई पुराना मित्र या रिश्तेदार अचानक आपके सामने आकर खड़ा हो सकता है। यदि कोई आपसे उधार मांगे तो न दें, वरना आपका पैसा डूब सकता है।

मिथुन

आज लाभ का दिन है और आपके सम्मान में वृद्धि होगी। आपके सुख के साधनों में वृद्धि होगी और कार्य सफल होंगे। घर परिवार में आपस के बीच में बहसबाजी में न उलझें और आपस में सभी का सम्मान रखें और प्रेम रखें।

कर्क

आज करियर में सफलता प्राप्त होगी। आपके लिए धन प्राप्ति के योग बन रहे हैं। सक्रिय राजनीति में भाग लेने के योग बन रहे हैं। प्रतिस्पर्धा में प्रतिद्वन्दी आपके पीछे रह जाएंगे। दिन का उत्तरार्ध भी शुभ व्यय कीर्ति की वृदि कारक है। पुण्य कार्यों पर भी व्यय हो सकता है। आज परिवार की जरूरतों का ध्यान रखेंगे।

सिंह

आज करियर में लाभ का दिन है। घर में उत्तम संपत्ति प्रदान करेगा। खोया हुआ धन प्राप्त होगा और रुके कार्य संपन्न होंगे। मंत्रणा शक्ति के बल पर किसी कठिन समस्या का समाधान भी हो जाएगा। आपको कारोबार में सफलता प्राप्त होगी और धन सम्मान में वृद्धि होगी और कार्य संपन्न होंगे।

कन्या

आज लाभ होगा और करियर में सफलता की प्राप्ति के योग बन रहे हैं। पुराना उधार चुकता कर सकते हैं। कार्यक्षेत्र में भी आपके सुझावों का स्वागत होगा। कुछ आवश्यक घरेलू सामान की खरीदारी करनी पड़ सकती है। अपनी जेब का खास ख्याल रखें।

तुला

आज लाभ होगा और ऑफिस में हर कार्य में आपको मान सममान प्राप्त होगा। आपके सम्मान और सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी और भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। व्यापार में पार्टनर्स के साथ आपके संबंध मधुर होंगे और आपसी संबंधों में लाभ होगा। पत्नी पक्ष से भी पूर्ण सहयोग मिलेगा। आपके उधार में कमी होगी और आप पैसों की बचत भी कर पाएंगे।

वृश्चिक

आज लाभ का दिन है और आपको अपने सहयोगियों से हर प्रकार का लाभ होगा। आपको आत्मसंतोष होगा। कभी कभार दूसरों की बात सुनने में कोई परेशानी नहीं है। ऑफिस में आप अपनी टीम की लीड अच्छे से कर पाएंगे और लोग आपकी बात को मानेंगे। टीमवर्क के जरिए ही आप किसी समस्या का हल निकालने में सफल होंगे।

मकर

आज करियर के मामले में लाभ होगा और आपको नए अवसरों की प्राप्ति होगी। आज किसी पुराने विवाद का अंत होगा। अपने आस पास खुशनुमा माहौल बनाने का प्रयास करें। कार्यालय में भी अकस्मात कोई नया परिवर्तन आपको आश्चर्य में डाल सकता है। महिला सहकर्मी व अधिकारी आपका सहयोग कर सकते हैं।

कुंभ

आज लाभ होगा और कारोबार में आपके लिए लाभ के योग बने हैं। आपके धन में वृद्धि होगी और अचानक से लाभ हो सकता है। आज बेहतर होगा कि किसी नए कार्य में निवेश न करें वरना आपको नुकसान हो सकता है। कानूनी मामलों पर विचार करने के बाद ही कोई फैसला करें। घर के पुराने लटके हुए कार्यों को बना लेने का मौका भी मिलेगा। आपके धन में वृद्धि के योग हैं और आपको लाभ होगा।

धनु

आज उत्तम संपत्ति की प्राप्ति के योग हैं और आपके भाग्य में वृद्धि होने से रुके धन की प्राप्ति होगी। नए संबंधों में स्थायित्व बनेगा और पुराने संबंधों से भी आपको लाभ होगा। राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र में भी अच्छी सफलता मिल सकती है, प्रयत्नशील रहें। प्रियजनों के साथ हर्षोल्लास में समय बीतेगा।

मीन

आज दिन खुशियों से भरा रहेगा। बिजनस के सिलसिले में किसी की सलाह लेने की आवश्यकता पड़ सकती है। बेहतर होगा कि लेनदेन से दूर रहें और अपने काम पर फोकस करें। दिन के दूसरे भाग में महिला मित्रों के साथ समय व्यतीत होगा। मामला कार्यक्षेत्र का हो या घर का आप अपने सभी उत्तरदायित्वों को सफलतापूर्वक निभा लेंगे।

वर्ग पहेली 5429

1	2	3	■	■	4	5	6
7			8	■	9		
	■	10		11		■	
12	13		■		■	■	
■	14		15	■	16	17	■
18		■	19	20			21
22		23				■	
24			■	25			■

संकेत: बाएं से दाएं
1. 27 अगस्त 1976 की वो बेरहम शाम जब कायनात ने इस प्रसिद्ध पार्श्व गायक को हमसे छीन लिया (3)
4. लिखने वाला, लेखक (3)
7. समालापक, गायक, आलाप लेने वाला (4)
9. मध्यप्रदेश के अंचलों में से एक जहां लता मंगेशकर की जन्म भूमि है (3)
10. उड़ानहीन पक्षी (4)
12. अपवित्र, अशुद्ध, अशुचि (3)
14. ईश्वर, प्रभु (3)
16. कौच, किसी को बैठने के लिए बनाया गया एक वस्तु (2)
18. मर्यादा, गौरव, दृढ़ प्रतिज्ञा (2)
19. जालिम, अन्यायी (5)
22. उपहार में देना, रिश्वत देना (6)
24. कोमल, मुलायम, मृदुल (3)
25. पिरोना, नत्थी करना, वशाधीन करना, बस में करना (3)

ऊपर से नीचे
1. निरीक्षण, परीक्षण (उर्दू)(4)
2. इस फल को कदरी या कदली भी कहते है (2)
3. शपथ ग्रहण करने वाला, शपथ ग्रहीता, शपथी (5)
4. कामेश्वरी देवी का एक नाम, तंत्रोक्त की एक देव की मूर्ति (3)
5. शरीर पर काले रंग का ऊभरा हुआ दाग या धब्बा (2)
6. यह रोग पाइल्स भी कहलाता है (4)
8. बीता या आने वाला दिन (2)
11. क्षण, लम्हा (2)
13. वह व्यक्ति जिसकी दृष्टि बुराई पर न पड़े (5)
15. काव्य मर्मज्ञ (3)
16. गुजरात में स्थित बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक (4)
17. होलिकोत्सव पर गाया जाने वाली गीत (2)
18. मुंखमंडल, चेहरा (3)
20. सद्गति प्राप्त करना (3)
21. जले या कटे हुए कपड़े को तागे से भरकर उसे बराबर करना (2)
23. प्रेमकर्ता, प्रसन्ताप्रद (2)

वर्ग पहेली 5428 का हल

अ	मे	रि	का	■	से	च	ना
शो	ला	■	या	द	क	र	ना
क	■	अ	प	ना	■	क	■
कु	रू	■	ल	द	ना	■	शै
मा	प	■	ट	न	क	ना	■
र	व	■	■	■	■	ते	ज
■	ती	ज	न	बा	ई	■	ल
■	■	या	द	बू	द	■	ना

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, (डी वी कार्पो. लि.) उड़ान टोला, दानापुर कैंट, शिवाला रोड, खगौल, पटना में मुद्रित एवं सोन वर्षा वाणी बिल्डिंग, क्लब रोड, औरंगाबाद (बिहार) से प्रकाशित
संपादक- श्रीराम अम्बष्ट, उप संपादक- **साकेत अम्बष्ट** फोन/फैक्स-०6186-226116 मो.-9934957121, E-mail : sonevershavani@gmail.com, **RNI-BIHHIN/1998/03009**

संक्षिप्त समाचार

नई सदी की राह में पुस्तक का लोकार्पण

जमशेदपुर। पीपुल्स एकेडमी स्कूल में शहर की प्रतिष्ठित कवयित्री प्रेमलता ठाकुर द्वारा लिखित काव्य संकलन नई सदी की राह में पुस्तक का लोकार्पण हुआ।संचालन का कार्यभार साहित्यकार लक्ष्मी सिंह रूबी ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रपति पदक से सम्मानित पूर्व शिक्षिका ज्योत्सना अस्थाना ने की। मुख्य अतिथि पूर्व प्रशासनिक अधिकारी मोहन लाल राय और विशिष्ट अतिथि संस्कार भारती की प्रांतीय सह नाट्य प्रमुख, वरिष्ठ रंगकर्मी और साहित्यकार अनीता सिंह थी। कार्यक्रम में शहर के वरिष्ठ साहित्यकार जन बसंत जमशेदपुरी, नीलांबर चौधरी, रंदी सत्यनारायण, छाया, माधुरी मिश्रा, बबली मीरा, अनिता निधि, उपासना सिन्हा, सरिता सिंह सहित अन्य मौजद थी।

जर्जर व गड्ढानुमा होने से ग्रामीण व राहगीर काफी परेशान

दुमका/दलाही। मसलिया प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत मसानजोर पंचायत के खेड़बोना से बास्कीडीह पंचायत के आस्ताजोड़ा तक लगभग पांच किलोमीटर सड़क जर्जर व गड्ढानुमा होने से ग्रामीण व राहगीर काफी परेशान है।उक्त पंचायत के अस्तजोड़ा, बरमसिया, जोगीडीह, बास्कीडीह, भोक्ताडीह,करमाटांड़, मोहलीडीह, खेड़बोना आदि गांव के लोग इसी सड़क से होते हुए मसलिया प्रखंड़ मुख्यालय, सीएचसी,थाना जाते हैं। साथ ही देवघर के सरसामोड,खागा,चितारा जाते है,लेकिन इस सड़क में कई जगह बिछाए गए बोल्डर व गिट्टी निकल गए हैं और गड्ढा का आकार ले लिया है। ग्रामीण व राहगीरों से मिली जानकारी के अनुसार बोल्डर, गिट्टी निकल जाने से पैदल चलना काफी दुर्लभ हो रहा है।इसके चपेट में कई बार राहगीर व ग्रामीण चोटिल हो गए है। सरकार जल्द सड़क निर्माण करवाने का मांग किया है।

बिरसा हरित ग्राम योजना के तहत आम उत्सव का आयोजन

रांची। बिरसा हरित ग्राम योजना के तहत शुक्रवार को प्रखंड मुख्यालय के सभागार में आम उत्सव का कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिला खाद्य आपूर्ति पदाधिकारी प्रदीप भगत ने कहा कि आम बागवानी में किसान को अन्य फसल से कम मेहनत करनी पड़ती है और इस खेती से ज्यादा मुनाफा किसान को होता है। आम बागवानी पर जोर देते हुए उन्होने अपनी बातों को विस्तार पूर्वक रखा। कार्यक्रम में अंचल अधिकारी सह प्रखंड विकास पदाधिकारी रवि कुमार, प्रखंड उप प्रमुख रेयाजुल अंसारी, बीटीएम मुनी कुजूर ने बिरसा हरित ग्राम योजना के लाभुक एवं किसानों को उनके बागवानी से अधिक लाभ लेकर अपने जीवन यापन को बेहतर बनाने की बात कही। उन्होने सरकार की योजना से जुड़कर योजना का लाभ लेकर आजीविका से जुड़ने संबंधित विषय पर जानकारी दी। आम बागवानी के किसानों ने आम प्रदर्शनी लगाई। प्रदर्शनी में बेहतर उत्पाद करने वाले किसानों को प्रशस्ति पत्र एवं गमछा देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में सीताराम ठाकुर, मंजु कुमारी, अयुब अंसारी, धर्मेन्द्र तिवारी, भागीरथ महतो, अनीता खलखो, सुधीर कुमार, सुरेश तिर्की नरेंद्र कुमार आदि उपस्थित थे।

उत्क्रमित मध्य विद्यालय में बाल संसद का गठन

हजारीबाग/बड़कागांव। प्रखंड संसाधन केंद्र के तलसवार संकुल के आंगो पंचायत अंतर्गत संचालित उत्क्रमित मध्य विद्यालय देवगढ़ में शुक्रवार को बाल संसद का गठन किया गया। अध्यक्षता प्रधानाध्यापक उमेश कुमार महतो एवं संचालन सहायक अध्यापक मोहम्मद शमशेर ने किया। प्रधानमंत्री पद के लिए सात उम्मीदवारों ने नॉमिनेशन किया। विद्यालय की छात्र-छात्राओं द्वारा मतदान करवाया गया। इसमें अंजली कुमारी प्रधानमंत्री एवं उप प्रधानमंत्री पद के लिए रितेश कुमार निर्वाचित हुए। शिक्षा, स्वास्थ्य सहित कई पदों के लिए सर्व सम्मति से बाल संसद के मंत्री बनाए गए। चुनाव को संपन्न कराने में शिक्षकों एवं छात्र-छात्राओं का अहम योगदान रहा। निर्वाचित होने पर प्रधानमंत्री अंजली कुमारी ने कहा कि विद्यालय के तमाम गतिविधि समय पर संचालित हो इसके लिए मैं प्रयासरत रहूंगी। मौके पर विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष नागेश्वर गंझू, सचिव उमेश कुमार महतो, सहायक अध्यापक मोहम्मद शमशेर, कर्पूरी ठाकुर, अरविंद सिंह, सुधू गंझू, बिनेश्वर प्रसाद विनायक एसएमसी कमिटि के सदस्य, रसोईया आदी ने शुभकामनाएं व बधाई दी।

दुमका में एक दिन की मूसलाधार बारिश से आम जनजीवन अस्त-व्यवस्त, कई जगहों के पेड़ गिरे

दुमका। गुरुवार को मूसलाधार बारिश होने से मौसम सुहाना हो गया है। वहीं दूसरी ओर मूसलाधार बारिश से आम-जनजीवन प्रभावित हो गयी है। आंधी-बारिश से कई जगहों के पेड़ एवं पेड़ की टहनी बिजली पोल एवं तार में गिरने से शहर सहित ग्रामीण इलाकों की बिजली आपूर्ति बाधित हो गयी है। शहर के कई जगहों पर जलभराव से लोगों को काफी परेशानी हो रही है। मूसलाधार बारिश से शहर के नीचले इलाकों के घरों में पानी घुस आया था। घरों में पानी घुसने से लोगों के साथ-साथ गृहणियों को काफी दिक्कत हुई।

गुरुवार को दुमका में पहली बार मूसलाधार बारिश हुई। पहली बारिश में ही शहर की स्थिति नारकीय बन गयी। अगर कई दिनों तक मूसलाधार बारिश हुई तो शहर की स्थिति क्या होगी। आंधी बारिश से शहर के ग्रांट स्टेट मुहल्ले में एक विशाल पेड़ बिजली तार में गिरने से एक पोल क्षतिग्रस्त हो गयी है। इस इलाकों में घंटों बिजली आपूर्ति बाधित रही। बिजली पोल एवं तार की मरम्मत करने में विभाग के मिस्त्री लगे हुए है। इस घटना में किसी के जान-माल का कोई नुकसान नहीं हुआ है। जामा के मदनपुर में 33 हजार केवीए के तार में पेड़ की टहनी गिरने से शहर की बिजली आपूर्ति कई घंटों तक बाधित हो गयी थी,पर रात 9 बजे शहर के कई इलाकों में बिजली आपूर्ति को पुनर्बहाल कर लिया गया था। बिजली विभाग के अनुसार मदनपुर के अलावे शहर के शिवपहाड़ एवं श्रीअमड़ा में भी बिजली तार पर पेड़ की टहनी गिरने से आपूर्ति कई घंटों तक बाधित रही। सभी जगहों के बिजली तार मरम्मत का काम चालू है। शुक्रवार की शाम तक सभी फीडरों में बिजली आपूर्ति पुनर्बहाल होने की उम्मीद जतायी गई है। एक दिन की आंधी-बारिश से विद्युत विभाग को 2 लाख रुपए से अधिक का नुकसान लग गया है।

नाले का अतिक्रमण कर अपार्टमेंट बनाने से पानी की नहीं होती है निकासी,आसपास के लोग परेशान : मूसलाधार बारिश से शहर के न्यू कुम्हारपाड़ा एवं राखाबनी मोड़ स्थित कई घरों में पानी घुसने से लोग रात भर परेशान दिखे। बता दें कि दुमका शहर के राखाबनी मोड़ के पास एक बड़ा नाला है। उक्त नाले को अतिक्रमण कर एक इंजीनियर ने उसी के ऊपर अपार्टमेंट बना दिया है। नाले से पानी की निकासी नहीं हो पाती है। वहीं नाले की नियमित साफ-सफाई भी नहीं हो रही है। नाला अपार्टमेंट के अंदर होने की वजह से सफाई कर्मी भी सफाई करने में कतराते है। इस दिशा में नगर परिषद की ओर से भी कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। गैरकानूनी ढंग से नाले को अतिक्रमण कर अपार्टमेंट बना दिया गया है। उक्त नाला सरकारी है। स्थानीय लोगों ने भी कई बार नगर परिषद से शिकायत की,पर अब तक अपार्टमेंट के मालिक के विरुद्ध कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

पीजेएमसीएच कैम्पस में जल भराव की बनी समस्या,नहीं होती है नियमित नालों की साफ-सफाई : दुमका के फुलो-झानो मेडिकल कॉलेज के कैम्पस पास जल भराव की समस्या उत्पन्न हो गई है। पीजेएमसीएच के नालों की नियमित रुप से साफ-सफाई नहीं होती है। नालों में कूड़ा-कचरा भरा हुआ है। एक दिन की बारिश में ही पीजेएमसीएच कैम्पस जलमग्न हो गया है। पीजेएमसीएच की साफ-सफाई का टेंडर हजारीबाग के एक कमांडो सिक्यूरिटी फोर्स ने लिया है। साफ-सफाई के नाम पर केवल खानापूर्ति पूरी जाती है। सरकार अस्पताल एवं आसपास इलाकों की साफ-सफाई के लिए लाखों रुपए खर्च कर रही है,पर नियमित रुप से साफ-सफाई नहीं होती है।

दुमका के विद्युत कार्यपालक अभियंता अमिताभ बच्चन सोरेन का कहना है कि आंधी-बारिश से शहर के अलावे ग्रामीण इलाकों में बिजली आपूर्ति बाधित रही। शहर के ग्रांट स्टेट,शिवपहाड़,श्रीअमड़ा के अलावे जामा के मदनपुर में पेड़ व पेड़ की टहनी बिजली तार में गिरने से आपूर्ति बाधित हो गयी थी। धीरे-धीरे कई जगहों की बिजली आपूर्ति पुनर्बहाल हो गयी है।

बीज नहीं मिलने से चंद्रपुरा व नावाडीह के किसान परेशान

बोकारो/चंद्रपुरा। बोकारो जिला के चंद्रपुरा व नावाडीह प्रखंड क्षेत्र के किसान तबाह हैं। उनकी तबाही का कारण सरकार द्वारा धान का बीज उपलब्ध नहीं कराना तथा मानसून का दगा देना है। किसानों से मिली जानकारी अनुसार इस साल सरकार द्वारा किसानों के लिए सरकारी दर पर धान का बीज उपलब्ध नहीं कराया गया है। जो किसान आज की विषम परिस्थिति में खेती के लिए उत्सुक हैं वे बाजार भाव से गैर पंजीकृत बीज भंडारों से बीज खरीदने को मजबूर हैं। बाजार में धान के बीज 45 से 50 रुपये तक प्रति किलो की दर से बिक रहा है।

इस साल पूरे जिले के किसानों को बीज नहीं मिल सका है। सूत्रनुसार सिर्फ चास के चंद्रा पैक्स को 5 टन धान बीज जून के प्रथम सप्ताह में उपलब्ध कराया गया था जिसका वितरण किसानों में कर दिया गया। बताया गया है कि झारखंड सरकार ने राष्ट्रीय बीज कारपोरेशन को बीज के लिए टेंडर दिया पर अभी तक यह नहीं मिल सका है। बोकारो जिला को आवंटन का महज 10 प्रतिशत ही उपलब्ध हो सका है। पिछले साल चंद्रपुरा प्रखंड के बंदियो पैक्स को धान का बीज उपलब्ध कराया गया जिसे यहां के किसानों ने खरीदा था। बंदियो पैक्स के अध्यक्ष अनिल महतो ने बताया कि पेटरवार स्थित कृषि विज्ञान केंद्र से एमटीयू 1001 राजेंद्र मंसूरी बहियार तथा एमटीयू 1010 बाईद/कनारी के लिए 135 पैकेट (कुल 3375 किलो) धान का बीज उठाया गया था जिसे किसानों के बीच सरकारी दर पर बांटा गया। केवीके पेटरवार में धान के दो वेराइटी के बीज ही उपलब्ध थे। चंद्रपुरा-नावाडीह प्रखंड क्षेत्र के किसान चिंतित हैं।

यहां के किसानों ने बताया कि धान के बीज डालने के लिए वे खेतों को तैयार कर रहे हैं पर वे बीज डालने से डर भी रहे हैं। यदि वर्षा नहीं हुई तो उनकी मेहनत पर पानी फिर जाएगा। पहले कई बार ऐसा हो चुका है। बारिश नहीं होने पर कई बार बीज खराब हो चुके हैं। चंद्रपुरा व नावाडीह के कई किसानों से धान के बीज अपने घरबारी में डाला है ताकि वे समय-समय पर उसकी पटवन कर सके। आर्द्रा जैसे नक्षत्र में भी बारिश ने दगा दिया। बादल तो आसमान पर मंडरा रहे हैं पर वे बरस नहीं रहे। चंद्रपुरा प्रखंड के गांवों में धान की अच्छी खेती और पैदावार होती है। यहां के तेलो, पपलो, जुनौरी, बंदियो, तारानारी, अलारगो, कुरूंबा, मदनपुर तरंगा आदि गांवों में खरीफ फसल भगवान भरोसे ही होता है। सिंचाई के साधन उपलब्ध नहीं हैं। कुछ किसानों के पास ही यह सुविधा उपलब्ध है। वर्तमान समय किसान खेतों की जुताई का काम कर रहे हैं। यहां के टांड़ व अन्य जमीन पर भी खेती की उनकी तैयारी है।

पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के अधूरे कार्य को जल्द से जल्द करें पूरा अधिकारी : आयुक्त

दुमका। संताल परगना प्रमंडल के आयुक्त लालचंद डांडेल ने संताल परगना प्रमंडल में पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के द्वारा संचालित विगत तीन वर्षों की योजनाओं की समीक्षा की गई। समीक्षा बैठक में अधीक्षण अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता अंचल, दुमका एवं संथाल परगना प्रमंडल के सभी कार्यपालक अभियंता उपस्थित रहे। समीक्षा के क्रम में आयुक्त द्वारा कतिपय योजनाओं में अधूरे कार्य को जल्द पूर्ण कराने का निर्देश अधीक्षण अभियंता एवं सम्बन्धित कार्यपालक अभियन्ताओं को दिया गया। आयुक्त द्वारा क्लस्टर आधारित योजनाओं की भी समीक्षा की गई। कतिपय योजनाओं में लंबे समय से कार्य अधूरा रहने पर आयुक्त द्वारा अप्रसन्नता भी व्यक्त की गई। समीक्षोपरांत कतिपय योजनाओं के अपूर्ण रहने के कारणों से संबंधित प्रतिवेदन अधीक्षण अभियंता के माध्यम से उपलब्ध कराने का निदेश कार्यपालक अभियन्ताओं को दिया गया। अधीक्षण अभियंता को निदेशित करते हुए कहा गया कि प्रत्येक माह योजनाओं का प्रगति प्रतिवेदन प्रमंडलीय आयुक्त कार्यालय को उपलब्ध कराएं। योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी तरह की समस्या हो तो उपायुक्त और विभाग को अविलंब अवगत कराएं,ताकि समस्याओं का निराकरण किया जा सके। आयुक्त द्वारा कहा गया कि योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। संवेदकों,कार्य एजेंसियों के साथ नियमित रूप से बैठक कर कार्य में तेजी लाने का निदेश दिया गया। सभी कार्यपालक अभियन्ताओं को एक सप्ताह के अंदर योजनाओं से सम्बन्धित विस्तृत प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निदेश दिया गया। अधीक्षण अभियंता को योजनाओं का नियमित रूप से भौतिक निरीक्षण करने का निदेश दिया गया। समीक्षा बैठक में आयुक्त के सचिव अमित कुमार, आयुक्त के निजी सहायक-सह-सहायक प्रशाखा पदाधिकारी सौरभ कुमार तिवारी आदि उपस्थित थे।

धनबाद से भाजपा एमपी की मुश्किलें बढ़ी, ढुलू महतो सहित 23 पर जमीन विवाद में केस दर्ज

चार महिला सहित पांच हुए थे घायल

धनबाद। धनबाद के चिटाहीधाम मंदिर की धर्मशाला के निकट की जमीन विवाद में मारपीट के मामले में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की सख्ती के बाद पुलिस ने घायल नीरा देवी की शिकायत पर एफआईआर दर्ज कर ली है। मामले में धनबाद के सांसद ढुलू महतो सहित 11 नामजद और 12 अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज हुआ है। गुरुवार को उक्त जमीन की डोजरिंग को लेकर दो पक्षों में मारपीट की घटना हुई थी। इसमें चार महिलाओं समेत पांच लोग घायल हो गए थे। एक पक्ष सांसद ढुलू महतो तथा दूसरा जमीन पर मालिकाना हक का दावा करने वाले ग्रामीण डोमन महतो के परिजन थे।

मारपीट में जख्मी हुई डोमन महतो की पत्नी नीरा देवी (अस्पताल में इलाजरत) की शिकायत पर केस दर्ज किया गया है। इस मामले में सीएम ने धनबाद की डीसी माधवी मिश्रा को त्वरित कार्रवाई कर रिपोर्ट देने को कहा है। मामले में ढुलू समर्थक पूजा देवी ने भी बरोरा थाने में शिकायत दर्ज कराई है। एफआईआर में षड्यंत्र के तहत जान मारने की नीयत से मारपीट करने, छेड़खानी करने, बाड़ी में लगी फसल को जेसीबी से उजाड़कर संपत्ति का नुकसान पहुंचाने सहित अन्य आरोप लगाए गए हैं।

कौन-कौन आरोपी

धनबाद सांसद ढुलू महतो, अजय गोराई, रामेश्वर साव, केदार यादव, आनंद शर्मा, बसंत राय उर्फ बूढ़ा, भोला राय, प्रेम महतो, नागेंद्र प्रजापति (सभी ग्राम चिटाही), डंपी मंडल (कोड़ाडीह), सुभाष सिंह (लेढीडूमर) एवं 12 अज्ञात हैं।

दूसरे पक्ष ने भी की शिकायत

मामले में ढुलू समर्थक पूजा देवी ने भी बरोरा थाने में शिकायत की है।

रामराज मंदिर में महिला प्रसाद विक्रेता मंडल केंदुआडीह निवासी पूजा देवी (पति नगीना भुईंया) ने शिकायत में बेरमो विधायक जयमंगल सिंह उर्फ अनूप सिंह और कांग्रेस जिलाध्यक्ष संतोष सिंह के इशारे पर डोमन महतो एवं सुरेश महतो समेत उसके परिवार पर शिकायत दर्ज कराई है।

जेसीबी लगा आधी रात को डोमन का खेत और दुकान उजाड़ी

डोमन महतो की पत्नी नीरा देवी सहित परिजनों पर हमले की घटना के 12 घंटे भी नहीं गुजरे कि सांसद ढुलू महतो के समर्थकों पर एक और घटना को अंजान देने का आरोप लगा। इसमें डोमन महतो की बाड़ी (खेत) में डोजरिंग कर फसल बर्बाद करने का आरोप लगाया गया है। नीरा देवी ने यह आरोप लगाया है। उनका कहना है कि रात के अंधेरे में सांसद समर्थकों ने घटना को अंजाम दिया है। उनका यह भी आरोप है कि निकट में ही कुंती देवी (पति अशोक महतो) की घुघनी, इडली आदि की झोपड़ीनुमा दुकान भी उजाड़ दी गई है।

हेमंत सरकार को उखाड़ फेंकने का लें संकल्प, चुनाव की तैयारी में जुटें कार्यकर्ता : बाबूलाल

रांची। राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने शुक्रवार को जामा एवं शिकारीपाड़ा विधानसभा क्षेत्र के मंडल अध्यक्ष एवं महामंत्री तथा प्रमुख कार्यकर्ताओं के साथ दुमका परिसदन सभागार में बैठक की। उन्होंने पूर्व के कार्यक्रमों की समीक्षा एवं आगामी कार्यक्रमों पर विस्तृत रूप से चर्चा की।

बैठक में मरांडी ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि बूथ स्तरीय कार्यकर्ताओं का सम्मेलन, अभिनंदन सह संकल्प सभा में प्रत्येक बूथ से कार्यकर्ता शत-प्रतिशत उपस्थित होकर इस भ्रष्टाचारी सरकार को उखाड़ फेंकने का संकल्प लें तथा 28 जुलाई को मन की बात जिले के सभी बूथों में लोग सुनें, इसके लिए प्रभारी नियुक्त करने का निर्देश दिया। मरांडी ने कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि 20 जुलाई को रांची के मोरहाबादी मैदान में विस्तृत कार्यसमिति में जिला से लेकर मंडल स्तर के कार्यकर्ता सम्मिलित हों।

एसपी कॉलेज में वोटर लिस्ट में नये नाम जोड़ने हेतु एक कार्यशाला का आयोजन

दुमका। अंचल अधिकारी कार्यालय, दुमका सदर के द्वारा एसपी कॉलेज में वोटर लिस्ट में नये नाम जोड़ने हेतु एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता महाविद्यालय प्राचार्य डॉ खिरोधर प्रसाद यादव ने की। इस कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में दुमका अंचल अधिकारी अमर कुमार उपस्थित हुए। मुख्य अतिथि अमर कुमार कहा कि देश और समाज के निर्माता हमेशा से युवा वर्ग रहा है, और हमारा संविधान सभी वयस्कों को मतदान के द्वारा सही सरकार चुनने का अधिकार देता है। इसके लिए प्रत्येक 18 वर्ष के युवाओं को सरकार के द्वारा मतदान पहचान पत्र निर्गत किया जाता है। इस पहचान पत्र को प्राप्त करने के लिए खुद को पंजीकृत किया जाता है एवं जरूरी कागजात के साथ इस पहचान पत्र को प्राप्त किया जा सकता है। कार्यशाला की अध्यक्षता कर रहे डॉ यादव ने भी अपने संबोधन में विद्यार्थियों से वोटर पहचान पत्र के लिए खुद को पंजीकृत करवाने का आह्वान किया एवं साथ ही भविष्य में चुनाव में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करने की बात कही। इस कार्यशाला में दुमका ब्लॉक के सहयोगियों के साथ महाविद्यालय के डॉ कलानंद ठाकुर, डॉ वेद प्रकाश सहाय, प्रो निर्मल मुर्मू, डॉ होलिका कुमारी मरांडी, प्रो पुष्पा सोरेन एवं सैंकड़ों छात्र/छात्राएं उपस्थित थे। इस पूरे कार्यशाला का आयोजन महाविद्यालय कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ कुमार सौरभ के नेतृत्व में किया गया।

बाइक पर बैठाया, रेलवे लाइन पर पत्थर से कूचकर मार डाला

धनबाद। धनबाद के गलफरबाड़ी ओपी क्षेत्र में दो महीने पहले पत्थर से कूचकर की गई अफसाना खातून (32 वर्ष) की हत्या का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। हत्या में शामिल शहाबुद्दीन अंसारी (26) ओर रब्बानी अंसारी (27) को गिरफ्तार कर शुक्रवार को जेल भेज दिया गया है। एसडीपीओ रजत माणिक बाखला ने मैथन कार्यालय में पत्रकारों को यह जानकारी दी।

एसडीपीओ ने बताया कि दो महीने पहले गलफरबाड़ी ओपी क्षेत्र के सियारकनाली रेलवे लाइन के समीप एक महिला की हत्या के आरोपियों को पुलिस को गिरफ्तार कर लिया है। हालांकि मामले के खुलासे में पुलिस को दो महीने लग गए। उन्होंने बताया कि 23 मई को गलफरबाड़ी पुलिस को सूचना मिली कि सियारकनाली रेलवे लाइन के समीप जख्मी महिला बेहोशी की हालत में पड़ी हुई है। पुलिस पहुंची व महिला को इलाज के लिए एसएनएमएमसीएच भेज दिया, जहां इलाज के दौरान 27 मई को उसकी मौत हो गई थी।

बाद में महिला की पहचान कालूबथान ओपी क्षेत्र निवासी अफसना खातून (32 वर्ष) के रूप में हुई। एसएसपी के निर्देश पर एसडीपीओ के नेतृत्व में टीम गठित कर मामले की जांच शुरू की गई। जांच में पता चला कि अफसाना तालाकशुदा थी। उसका प्रेम प्रसंग कालूबथान के जयपुर गांव निवासी शहाबुद्दीन अंसारी के साथ चल रहा था। शहाबुद्दीन ने पैसे के लालच में अपने दोस्त रब्बानी अंसारी के साथ मिलकर हत्या की योजना बनाई। शहाबुद्दीन अपने दोस्त रब्बानी के साथ अफसाना खातून को बाइक से लेकर सियारकनाली पहुंचा, जहां रेलवे लाइन किनारे उससे 2 लाख 26 हजार रुपए छीन कर पत्थर से कूचकर उसकी हत्या कर दी।

दोनों आरोपियों ने आपस में रुपए बांट लिए। पूछताछ में दोनों आरोपियों ने हत्याकांड में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली है। उनकी निशानदेही पर पुलिस ने हत्याकांड में प्रयुक्त बाइक और मृतका के सिमकार्ड सहित मोबाइल फोन भी बरामद कर लिया गया है। टीम में सर्किल इंस्पेक्टर फागू होरो, गलफरबाड़ी ओपी प्रभारी नीतीश कुमार, कुमारधुबी ओपी प्रभारी पंकज कुमार, पंचेत ओपी प्रभारी प्रभात रंजन राय, एसआई अर्जुन सिंह, एएसआई नीरज यादव, आरक्षी विनोद महतो, बीरेंद्र यादव शामिल थे।

झारखंड में छत से कूदकर मोस्ट वांटेड की मौत, शक के घेरे में क्यों आई पुलिस?

रांची। हत्या और रंगदारी के कई मामलों में 13 साल से फरार कोल्हान के मोस्ट वांटेड कार्तिक मुंडा (42) की गुरुवार देर रात छत से कूदने में मौत हो गई। उसके सोनारी बाल विहार स्थित मित्तल अपार्टमेंट के एम-4 फ्लैट में पुलिस छापेमारी करने गई थी। पुलिस का कहना है कि उसकी पत्नी ने देर से दरवाजा खोला।पुलिस अंदर गई तो कार्तिक मुंडा ने अपने घर की बालकनी से दूसरे घर में छलांग लगा दी और वहां से पाइप के सहारे नीचे उतरने में गिर गया। वह बेहोश हो गया था। टीएमएच में उसे मृत घोषित कर दिया। कार्तिक को पकड़ने के लिए आदित्यपुर और सोनारी की पुलिस ने संयुक्त रूप से छापेमारी की थी। आदित्यपुर में हुए विवेक हत्याकांड में उसकी तलाश थी।

दूसरी ओर कार्तिक की पत्नी प्रेमा डोरा ने आरोप लगाया कि उसके पति की हत्या की गई है। हत्या और रंगदारी के कई मामलों में 13 साल से फरार चल रहे कोल्हान के मोस्ट वांटेड कार्तिक मुंडा की मौत को परिजन हत्या करार दे रहे हैं। परिजनों ने इसका आरोप पुलिस पर मढ़ा है। कार्तिक की पत्नी प्रेमा डोरा ने बताया वह अपने आठ साल के बेटे के साथ घर में थी। पति भी सो रहे थे।

अचानक घर के बाहर पुलिस पहुंची, जिसमें महिलाएं भी थीं। उसने दरवाजा खोला तो पुलिस घर में घुस गई। उसके पति इससे पहले घर से निकलकर दूसरे फ्लैट की बालकनी में चले गए थे। इस दौरान उन्हें हल्की चोट लगी थी। उसने पति से पूछा तो उन्होंने कहा कि ज्यादा चोट नहीं है। इधर, पुलिस घर की तलाशी लेकर निकल गई। उसने बालकनी में जाकर देखा कि एक काले रंग की गाड़ी में उसके पति को ले जाया जा रहा है।

पूछने पर बताया कि उन्हें चोट लगी है, वे लोग अस्पताल ले जा रहे हैं। प्रेमा ने आरोप लगाया कि उसके पति को पुलिसवालों ने मार दिया है। उन्हें इतनी चोट नहीं लगी थी कि जान चली जाए।

उपायुक्त से गुहार, मेडिकल बोर्ड का गठन

मुंडा समाज के लोगों ने मृतक की पत्नी व अन्य रिश्तेदारों के साथ उपायुक्त से मिलकर ज्ञापन सौंपा। आरोप लगाया कि 11 जुलाई की रात दो बजे दबिश दी गई और कार्तिक मुंडा को पकड़कर सही सलामत पुलिस ले गई। बाद में परिजनों को पता चला कि उसकी मौत हो गई है। मामला संदिग्ध है, इसलिए शव का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम कराया जाए और आश्रित को मुआवजा मिले। उपायुक्त ने मेडिकल बोर्ड के गठन का निर्देश दिया।

कार्तिक पर एक दर्जन से अधिक मामले थे दर्ज : कार्तिक मुंडा पर एक दर्जन से अधिक हत्या, रंगदारी और फायरिंग के मामले दर्ज हैं। मूल रूप से तमाड़ निवासी कार्तिक मुंडा के पिता की टाटा स्टील में नौकरी थी। कार्तिक की पत्नी प्रेमा ने सोनारी थाने में शिकातय दी है कि उसके घर रात डेढ़ बजे दबिश दी गई। इस दौरान उसके पति को चोट आई। पति को लेकर पुलिस काले रंग की गाड़ी में जा रही थी। उसने साथ जाने की कोशिश की तो उसे धक्का दे दिया गया। सुबह उसके देवर अशोक मुंडा ने फोन किया कि पति की लाश टीएमएच में है। प्रेमा का आरोप है कि पति को पुलिसवालों ने गिरफ्तारी के बाद मार दिया। जिन पुलिसवालों ने मारा है, उसपर केस चले और गिरफ्तारी हो।पूर्वी सिंहभूम के ग्रामीण व सिटी एसपी ऋषभ गर्ग ने कहा, भागने के दौरान गिरने से कार्तिक मुंडा की मौत हो गई। मौके से ब्लड सैंपल लिया गया है। मेडिकल बोर्ड और मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में पोस्टमार्टम होगा। इसकी वीडियो रिकार्डिंग भी होगी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में जो बातें आएंगी, उसके अनुसर कार्रवाई की जाएगी।

वहीं सरायकेला के एसपी मुकेश लुणायत ने कहा, पुलिस टीम छापेमारी करने गई थी। इस दौरान वह बालकनी से भागा और पाइप के सहारे नीचे उतर रहा था कि गिरकर मौत हो गई।

संक्षिप्त समाचार

उत्तराखंड में यूसीसी अक्टूबर में लागू होगा, सभी प्रावधान लागू होंगे

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड में रहने वाली जनजातियों के लिए समान नागरिक संहिता के प्रावधान पूरी तरह स्वैच्छिक होंगे, यदि जनजाति समाज का कोई व्यक्ति समान नागरिक संहिता के किसी प्रावधान को इस्तेमाल करना चाहता है तो कर सकता है। अलबत्ता, सभी धार्मिक अल्पसंख्यकों पर यूसीसी के सभी प्रावधान लागू होंगे। समान नागरिक संहिता तैयार करने वाली विशेषज्ञ समिति ने शुक्रवार को चार खंडों वाली रिपोर्ट और समान नागरिक संहिता कानून को जन सामान्य के लिए उपलब्ध करा दिया है। बीजापुर गेस्ट हाउस में मीडिया के सामने रिपोर्ट जारी करते हुए कमेटी के सदस्य व पूर्व मुख्य सचिव शत्रुघ्न सिंह ने कहा कि कमेटी फरवरी में ही अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंप चुकी है। प्रदेश सरकार इसी आधार पर समान नागरिक संहिता कानून भी बना चुकी है। लेकिन तब लोकसभा चुनावों की जल्दबाजी में कमेटी की मूल रिपोर्ट पब्लिक डोमेन में नहीं आ पाई थी। उन्होंने कहा कि अब कमेटी ने चार खंडों वाली रिपोर्ट और इसी आधार पर तैयार कानून को सरकारी बेवसाइट पर उपलब्ध करा दिया है, जिसे कोई भी देख सकता है। सिंह ने कहा कि जनजातियों को संविधान में मिले अधिकार के कारण यूसीसी से बाहर रखा गया है, इसलिए जनजातियों के लिए यूसीसी पूरी तरह स्वैच्छिक रहेगी। जनजाति व्यक्ति किसी भी धर्म का हो, वो यूसीसी के दायरे में आएगा। विदित है कि उत्तराखंड के देहरादून के चकराता, चमोली के जोशीमठ, उत्तरकाशी के मोरी, भटवाड़ी, डुंडा, पिथौरागढ़ के धारचूला व मुनस्यारी और यूएसनगर के खटीमा क्षेत्र में काफी संख्या में जनजाति के लोग रहते हैं। जनजाति की तुलना मुस्लिम समाज से किए जाने पर उन्होंने कहा कि मुस्लिम समाज की तरफ से यूसीसी को लेकर दायर आपत्ति में मुख्य तौर पर धार्मिक कानूनों को ही सर्वोच्च मानने पर जोर दिया गया था।

राष्ट्रीय करणी सेना और राजपूत करणी सेना में विवाद

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान में राजपूत नेताओं में विवाद सुर्खियों में है। राष्ट्रीय करणी सेना के अध्यक्ष शिव सिंह शेखावत और श्री राजपूत सेना के महिपाल मकराना के बीच झड़प हुई। इस विवाद में महिपाल मकराना घायल हो गए। दोनों पक्ष एक-दूसरे पर गोलीबारी के आरोप लगाया है। इस मामले में पुलिस ने 4 आरोपियों को हिरासत में लिया है। बताया जाता है कि सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की मौत के बाद राष्ट्रीय करणी सेना पर अधिपत्य को लेकर शिव सिंह शेखावत और महिपाल मकराना के बीच विवाद हुई। जिसमें महिपाल मकराना घायल हो गए। महिपाल को इलाज के लिए प्राइवेट हॉस्पिटल में इलाज के भेजा गया है। शिव सिंह शेखावत का कहना है कि पहले राष्ट्रीय महामंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत को महिपाल मकराना ने कहा था कि शिव सिंह शेखावत को ये कर दूंगा वो कर दूंगा। इसी बीच 9 जून को मुझे पाकिस्तान नंबर से धमकी मिली। जिसके बाद मैं घर से बाहर नहीं निकलता। इस बीच में इन्होंने राजपूत आदमी को चुना। क्योंकि राजपूत समाज का आदमी यहां आसानी से पहुंच सकता है। शिव सिंह शेखावत के मुताबिक हमारे कोर कमेटी के अध्यक्ष महेंद्र सिंह बाढियावास का जन्मदिन था। जन्मदिन मनाकर हमलोग मुंबई के अध्यक्ष सुरजीत सिंह के साथ हमलोग सुशांत सिंह राजपूत की आवाज को उठाने की प्लानिंग कर रहे थे। इसी दौरान हमारे दफ्तर में चार लोग आए और बोले शिव सिंह शेखावत से मिलना है। राजपूत हैं तो कोई दिक्कत ही नहीं है। इस बीच महिपाल की पत्नी वर्षा ने मीडिया से बात की है। उन्होंने कहा कि इनको धोखे से बुलाकर मारा गया है। उन लोगों को पता था ये आदमी अकेला आएगा। उन्होंने पहले से 40 लोग इकट्ठा कर रखे थे। इसलिए उन्हें बुरी तरीके से मारा है। महिपाल की पत्नी ने आगे कहा कि सुखदेव सिंह गोगामेड़ी को भी इसी तरह धोखाधड़ी से मारा गया था। उन्होंने मुझे अभी इतना बताया है, धोखे से बुलाकर मारा गया है। वर्षा ने कहा कि फायरिंग उनकी (शिव सिंह) तरफ से हुई है। उन्होंने खुद से फायरिंग की है। नाम लगा दिया इन्होंने फायरिंग की है।

अब एक साथ दो डिग्रियां ले सकेंगे डीयू के छात्र

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) में विद्वत परिषद की बैठक के दौरान एक साथ दो डिग्री प्राप्त करने के प्रावधान के प्रस्ताव को पारित कर दिया गया। इसके तहत एक डिग्री विश्वविद्यालय के कॉलेजों या विभागों में नियमित मोड में तथा दूसरी डिग्री दिल्ली विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग द्वारा डिस्टेंस लर्निंग मोड में की जा सकती है। एक साथ दो कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने के तौर-तरीकों में विभिन्न नियम और शर्तें शामिल होंगी, जो इस निर्णय को प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक हैं।

नई शिक्षा नीति के तहत इस प्रावधान को शामिल करने की बात कही थी। डीयू इसे अभी सीमित तौर पर लागू कर रहा है, लेकिन धीरे-धीरे इसके फीडबैक आने पर इसका विस्तार करेगा।

(डीयू) के लॉ कोर्स में पढ़ाई जाएगी मनुस्मृति? केंद्र सरकार ने दूर की कन्फ्यूजन: संस्कृत विश्वविद्यालयों की डिग्रियों को मिलेगी समकक्षता = दिल्ली विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग द्वारा प्रस्तावित किसी भी क्षेत्र या विशेषज्ञता के अनुरूप केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय आदि द्वारा प्रदान की गई डिग्रियों को अनुसंधान और रोजगार के उद्देश्य से दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई डिग्री के समकक्ष मानने पर भी बैठक के दौरान विचार किया गया। इसके तहत शास्त्री को बी.ए. सम्मानित शास्त्री को बी.ए. (ऑनर्स या चतुर्थ वर्ष स्नातक), आचार्य को एम.ए. शिक्षा शास्त्री को बी.एड, शिक्षा आचार्य को एम.एड., विद्या वारिधि को पीएचडी और वाचस्पति को डी.लिट. के समकक्ष माने को भी अनुमोदित कर दिया गया।

संस्कृत विश्वविद्यालयों द्वारा इन शोध पत्रों में दी जाने वाली आचार्य डिग्री को दिल्ली विश्वविद्यालय के संस्कृत के परास्नातक कार्यक्रम के समतुल्य माना जाएगा। इसी प्रकार, संस्कृत विश्वविद्यालयों द्वारा ज्योतिष शास्त्र और वास्तु शास्त्र में दी जाने वाली आचार्य डिग्री को दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा एमए में ज्योतिष शास्त्र के समतुल्य माना जाएगा। विद्वत परिषद की बैठक में दिल्ली सरकार द्वारा वित्त पोषित 12 कॉलेजों में शिक्षक नियुक्ति प्रक्रिया पर कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने सभी कॉलेजों को 31 जुलाई 2024 तक रिक्तियों पर नियुक्ति के लिए विज्ञापन जारी करने बारे कहा जाएगा।

आंबेडकर पीठ स्थापित की जाएगी: कुलपति ने कहा कि यूजीसी को आंबेडकर पीठ स्थापित करने के लिए प्रस्ताव भेजा गया है। वहां से अनुमति मिलते ही डॉ. बीआर आंबेडकर चेयर स्थापित कर दी जाएगी। आंबेडकर पीठ के तहत आंबेडकर के विषय में शोध और जानकारी हो सकेगी। प्रो. योगेश सिंह ने बताया कि डीयू में पहली बार यूजी लेवल पर रूसी प्रोग्राम शामिल किया गया है।

आरएसएस के साथ मिलकर राजनीति, कांग्रेस को बताएगी संविधान भक्षक, भाजपा ने बदली रणनीति

नईदिल्ली, एजेंसी। भाजपा नेतृत्व लोकसभा चुनाव के नतीजों से उबरते हुए अब एनडीए को मजबूत करने के साथ अपनी संगठनात्मक और चुनावी रणनीति को और बेहतर बनाएगा। पार्टी जल्दबाजी में बड़े बदलाव किए बगैर विपक्ष पर आक्रामक रुख बरकरार रखेगी और संविधान के मुद्दे पर कांग्रेस एवं अन्य विपक्षी दलों को कठघरे में खड़ा करने का कोई मौका नहीं छोड़ेगी।

भाजपा के संगठन चुनाव की प्रक्रिया जल्द शुरू होगी और चार राज्यों के आगामी विधानसभा चुनाव उसकी भावी रणनीति के केंद्र में रहेंगे। सूत्रों के अनुसार, तब तक पार्टी केंद्रीय स्तर पर बड़े बदलाव नहीं करेगी। भाजपा को लोकसभा चुनाव में जिन राज्यों में अपेक्षाकृत कम सफलता मिली है, उन पर खास ध्यान दिया जाएगा। आगामी चार राज्यों के विधानसभा चुनाव तक मौजूदा नेतृत्व को ही बरकरार रखा जाएगा।

हालांकि, संगठन चुनाव पूरे होने तक पार्टी संसद सत्र के बाद राष्ट्रीय पदाधिकारियों की बैठक कर सकती है, जिसमें वह आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर जरूरी फैसला कर सकती है। फिलहाल राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक होने की संभावना कम है। हालांकि जिन राज्यों में संगठन में नए अध्यक्ष बनाए जाने हैं, उसे जरूर पूरा किया जाएगा। इनमें बिहार, पश्चिम बंगाल, तेलंगाना जैसे राज्य शामिल हैं।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को लेकर भी पार्टी पूरी तरह स्पष्ट है और उसके साथ ही उसकी संगठनात्मक रूप से आगे बढ़ेगी। अगले माह होने वाली संघ की बैठक में पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा भी हिस्सा लेंगे।

समान नागरिक सहायता को लेकर भाजपा का स्पष्ट मानना है कि उसे आगे बढ़ाया जाएगा। चूंकि राज्यों के द्वारा प्रक्रिया शुरू हो गई है इसलिए इसे उसी तरह से आगे ले जाया जाएगा। पार्टी जम्मू-कश्मीर के विधानसभा चुनाव में घाटी में अपनी ताकत बढ़ाने के लिए स्थानीय दलों के साथ तालमेल कर सकती है, लेकिन वह चुनाव में अपनी दम पर ही उतरने की तैयारी में है।

कांग्रेस ही संविधान की असली भक्षक: पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने कहा है कि संविधान हत्या दिवस मनाने की एक वजह कांग्रेस द्वारा इस देश को गुमराह किया जाना है। कांग्रेस पार्टी लोकसभा चुनाव से लगातार संविधान को मुद्दा बनाकर भाजपा पर हमलावर है, जबकि आपातकाल के जरिए उसी ने संविधान की हत्या की थी। अब पार्टी आक्रामक रूप से इसे लेकर जनता के बीच जाएगी और बताएगी कि कांग्रेस ही संविधान की असली भक्षक है। उसकी कथनी और करनी में कितना अंतर है। उसके साथ खड़े दल इसमें किस तरह भागीदार बन रहे हैं।

25 जून को कांग्रेस सरकार ने भारत के संविधान को रौंदा था : डा. सतीश पूनिया

चंडीगढ़, एजेंसी। भाजपा प्रदेश प्रभारी डा. सतीश पूनिया ने 25 जून को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाने के भारत सरकार के निर्णय का स्वागत किया है और प्रधानमंत्री मोदी का आभार जताया। सोशल मीडिया पर लिखते हुए उन्होंने कहा कि 25 जून का दिन संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाना हमें याद दिलाएगा कि जब भारत के संविधान को रौंदा गया था तब लोगों ने कितने कष्ट सहे थे। यह दिन हर उस व्यक्ति को श्रद्धांजलि देने का दिन है जिन्होंने आपातकाल की ज्यादतियों के कारण कष्ट झेले, जो भारतीय इतिहास का एक काला दौर था।

डा. सतीश पूनिया ने कहा कि 25 जून 1975 वह काला दिवस था जब तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के तानाशाही मानसिकता ने हमारे संविधान में निहित लोकतंत्र की हत्या कर देश पर आपातकाल थोपा था। उन्होंने कहा कि यह दिवस हमारे सभी महापुरूषों के त्याग व बलिदान का स्मरण कराएगा जो कांग्रेस के इस तानाशाही मानसिकता के विरुद्ध संघर्ष करते हुए संविधान की रक्षा व लोकतंत्र की पुनर्स्थापना के लिए यातनाएं सही और दिवंगत हो गए। प्रदेश प्रभारी ने कहाकि 25 जून 1975 को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गाँधी ने अपनी तानाशाही मानसिकता के चलते भारतीय लोकतंत्र की आत्मा का गला घोंटा था। आपातकाल में लाखों लोगों को अकारण जेल में डाल दिया गया और मीडिया की आवाज को दबा दिया गया।

अमरनाथ यात्रा : अब तक 2.80 लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं ने बाबा बर्फानी के दर्शन किए

जम्मू , एजेंसी। अमरनाथ यात्रा 2024 लगातार जारी है। पिछले 14 दिनों में 2.80 लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं ने पवित्र गुफा मंदिर में बाबा बर्फानी के दर्शन किए हैं। शनिवार को 4 हजार 669 यात्रियों का एक और जत्था घाटी के लिए रवाना हुआ। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा की अध्यक्षता वाले श्री अमरनाथजी श्राइन बोर्ड (एसएएसबी) के अधिकारियों ने कहा कि 29 जून को यात्रा शुरू होने के बाद से 2.80 लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं ने यात्रा की है। शनिवार को 4,669 यात्रियों का एक और जत्था भगवती नगर यात्री निवास से दो सुरक्षा काफिलों में घाटी के लिए रवाना हुआ। अधिकारियों ने बताया, इनमें से 1,630 यात्री 74 वाहनों के सुरक्षा काफिले में उत्तरी कश्मीर के बालटाल बेस कैंप जा रहे हैं, वे सुबह 3:05 बजे जम्मू से रवाना हुए। 3,039 यात्रियों का एक और समूह 109 वाहनों के सुरक्षा काफिले में सुबह 3:57 बजे दक्षिण कश्मीर के नुनवान (पहलगाम) बेस कैंप के लिए रवाना हुआ। यह गुफा कश्मीर हिमालय में समुद्र तल से 3,888 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। भक्त या तो पारंपरिक दक्षिण कश्मीर पहलगाम मार्ग से या उत्तर कश्मीर बालटाल मार्ग से गुफा मंदिर तक पहुंचते हैं। श्रद्धालु या तो 48 किलोमीटर लंबे पारंपरिक पहलगाम गुफा मंदिर मार्ग से यात्रा करते हैं या फिर 14 किलोमीटर लंबे बालटाल मार्ग से यात्रा करते हैं। पहलगाम मार्ग का उपयोग करने वालों को गुफा मंदिर तक पहुंचने में चार से पांच दिन लगते हैं, जबकि बालटाल मार्ग का उपयोग करने वाले लोग गुफा मंदिर के अंदर दर्शन करने के बाद उसी दिन आधार शिविर लौट आते हैं। इस वर्ष की यात्रा 52 दिनों के बाद 29 अगस्त को श्रावण पूर्णिमा और रक्षा बंधन त्योहार के साथ संपन्न होगी।

संविधान हत्या दिवस पर भड़के शशि थरूर कहा- असंवैधानिक नहीं थी इमरजेंसी, कोई मर्डर नहीं हुआ

तिरुअनंतपुरम, एजेंसी। कांग्रेस नेता और तिरुअनंतपुरम से सांसद शशि थरूर ने 25 जून को संविधान हत्या दिवस के रूप में घोषित करने के लिए भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर हमला बोला। उन्होंने करीब 50 साल पहले इंदिरा गांधी सरकार द्वारा लगाए गए आपातकाल का बचाव करते हुए कहा कि यह अलोकतांत्रिक था, लेकिन असंवैधानिक नहीं था। थरूर ने जोर देकर कहा कि इसकी कोई हत्या नहीं हुई है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने एक एक्स पोस्ट में कहा, किसी तारीख को संविधान हत्या दिवस के रूप में घोषित करना थोड़ा विचित्र है। सबसे पहले, संविधान जीवित है और मतदाताओं द्वारा इसका पुरजोर समर्थन किया जा रहा है। कोई हत्या नहीं हुई है। थरूर ने कहा, उस तारीख (25 जून, 1975) को जो कुछ हुआ वह पूरी तरह से संविधान के प्रावधानों के अनुरूप था। यह अलोकतांत्रिक था, लेकिन असंवैधानिक नहीं था।

तिरुवनंतपुरम के सांसद ने जून में हिंदुस्तान टाइम्स का एक लेख साझा किया जिसमें उन्होंने तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा आपातकाल लगाए जाने का बचाव किया था। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि विपक्षी नेताओं को गिरफ्तार करना, प्रेस पर सेंसरशिप लगाना और उस दौरान उठाए गए कई कदम अलोकतांत्रिक थे, लेकिन दुख की बात है कि असंवैधानिक नहीं थे। उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के संसद के संयुक्त सत्र में दिए गए संबोधन के जवाब में टिप्पणी यह की, जिसमें उन्होंने आपातकाल की निंदा की थी।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने घोषणा की कि सरकार 25 जून यानी जिस दिन इमरजेंसी लागू की गई थी, उस दिन को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाएगी ताकि उस अवधि के कष्टों को सहन करने वालों को सम्मानित किया जा सके। कांग्रेस ने सरकार के इस निर्णय की आलोचना करते हुए इसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा सुर्खियां बटोरने का एक और पाखंडपूर्ण प्रयास बताया।

कांग्रेस महासचिव (प्रभारी, संचार) जयराम रमेश ने कहा, गैर-जैविक प्रधानमंत्री द्वारा पाखंड में सुर्खियां बटोरने का एक और प्रयास, जिन्होंने दस वर्षों तक अघोषित आपातकाल लागू रखा, जिसके बाद भारत की जनता ने उन्हें 4 जून, 2024 को एक निर्णायक व्यक्तिगत, राजनीतिक और नैतिक पराजय दी - जिसे इतिहास में मोदी मुक्ति दिवस के रूप में जाना जाएगा।

संविधान हत्या दिवस मनाने का फैसला हार की झुंझलाहट व ध्यान भटकाने की नाकाम कोशिश: सुप्रिया श्रीनेत

नई दिल्ली , एजेंसी। 25 जून को संविधान हत्या दिवस मनाने के केंद्र सरकार के फैसले पर कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत की तीखी प्रतिक्रिया सामने आयी है। उन्होंने कहा कि संविधान हत्या ये दो शब्द कभी एक साथ कहा ही नहीं सकता, क्योंकि इस देश में संविधान की हत्या करने वाला आज तक कोई पैदा ही नहीं हुआ है। सरकार हत्या की जगह रक्षा या बचाओ भी तो कह सकते थी, लेकिन यह हत्या शब्द भाजपा के अंदर की नफरत, उनकी कुंठा, उनका असली चेहरा और उनके अंदर की हिंसा का परिचायक है। उन्होंने कहा कि असलियत यह है कि संविधान बदलने की भाजपा की साजिश नाकाम हो गई और इस देश की जनता ने उनके साजिश का पर्दाफाश कर दिया है। इस तरह की हरकतें हार की झुंझलाहट और ध्यान भटकाने की नाकाम कोशिश मात्र हैं। जब बात अग्निवीर पर होनी चाहिए, मणिपुर पर होनी चाहिए, बेरोजगारी पर होनी चाहिए, महंगाई पर होनी चाहिए तो ये सरकार बात 50 साल पहले की करेगी। अगर ऐसा ही है तो क्यों न हर दिन इस देश में रोजगार हत्या दिवस, किसान हत्या दिवस, महिला सुरक्षा हत्या दिवस मनाया जाये

वहीं रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा है कि केंद्र सरकार का ये फैसला बिल्कुल सही है। देश की जनता को हमेशा ये याद दिलाना जरूरी है कि किस तरीके से 25 जून 1975 को संविधान की हत्या की गई थी। वहीं, भाजपा प्रवक्ता राकेश तिपाठी ने कहा कि आने वाली पीढ़ी को याद रखना होगा कि कैसे देश में संविधान की हत्या की गई थी आपातकाल लगाकर देश को अंधकार में धकेला गया था। ये बहुत दुर्भयपूर्ण है कि जिन राजनीतिक पार्टियों का उदय तानाशाही का विरोध करके हुआ, वही समाजवादी लोग आज परिवारवादी होकर कांग्रेस के तानाशाही रवैए के साथ खड़े हो गए हैं।

भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा कि भारत सरकार का यह बहुत ही अहम फैसला है। अहम फैसला इसलिए है कि लोकतंत्र में काला अध्याय कभी आया, तो वह आपातकाल है। हमारी पीढ़ी है और आगे आने वाली पीढ़ी है इनको सीख लेने की जरूरत है। कांग्रेस और गांधी परिवार को आपातकाल के लिए माफी मांगना चाहिए।

केंद्र सरकार ने हर साल 25 जून को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाने का फैसला लिया है। हर साल 25 जून को देश उन लोगों के महान योगदान को याद करेगा, जिन्होंने 1975 के इमरजेंसी के अमानवीय दर्द को सहन किया था। 25 जून को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाने को लेकर भारत सरकार की ओर से एक अधिसूचना भी जारी कर दी गई है।

राजस्थान में 3 लाख सरकारी कर्मचारियों पर लटकी तलवार, भजनलाल सरकार ने लिया कड़ा फैसला

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान में फर्जी दस्तावेजों के जरिए नौकरी पाने के मामले सामने आने के बाद करीब 3 लाख कर्मचारियों की नियुक्ति सवालों के घेरे में आ गई है। राज्य की भजन लाल शर्मा के नेतृत्व वाली सरकार ने इस संबंध में कड़ा फैसला फैसला लिया है।

राजस्थान सरकार ने फर्जी डिग्री रैकेट का खुलासा होने के बाद पिछले पांच वर्षों में भर्ती किए गए तीन लाख राज्य कर्मचारियों की नियुक्ति प्रक्रियाओं की जांच करने का फैसला किया है। इन 3 लाख सरकारी कर्मचारियों की डिग्रियों की भी जांच की जाएगी। फर्जी दस्तावेजों के जरिए नौकरी पाने के मामले सामने आने के बाद भजन लाल शर्मा के नेतृत्व वाली सरकार ने यह फैसला लिया है। सरकार को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित धोखाधड़ी की गतिविधियों की सूचना मिली है। ऐसी भी खबरें आई हैं कि डमी उम्मीदवारों का उपयोग करके सैकड़ों लोगों को आदिवासियों के लिए आरक्षित नौकरियां मिलीं, जिनके लिए कट-ऑफ तुलनात्मक रूप से कम है। सरकारी आदेश में कहा गया है कि प्रत्येक विभाग को एक आंतरिक समिति बनाकर जांच करने के लिए कहा गया है।

हरियाणा में सरपंचों को अब 5000 रुपये मिलेगा मानदेय, पंचों की भी सैलरी बढ़ी

चंडीगढ़, एजेंसी। विधानसभा चुनाव से पहले हरियाणा सरकार ताबड़तोड़ घोषणाएं कर रही है। सरपंचों को 21 लाख तक ई-टेंडरिंग के बिना विकास कार्य करवाने की छूट के साथ अब मानदेय को लेकर नायब सरकार ने बड़ी घोषणा की है। पूर्व सरपंचों को भी मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पेंशन देने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने सरपंचों की मांग गंभीरता से लेते हुए उनका मानदेय बढ़ा दिया है। यही नहीं निकायों के प्रतिनिधियों के लिए भी मानदेय और पेंशन की घोषणा की है।

सीएम ने कहा कि 4 जून 2019 से भूतपूर्व सरपंचों को 1500 रुपये प्रतिमाह पेंशन दी जाएगी। इसके अलावा, सरपंचों का मानदेय डेढ़ गुना बढ़ा दिया गया है। अब सरपंचों का मानदेय 3000 से बढ़कर 5000 रुपये हो गया है। इसके पंचों का मानदेय 600 से बढ़ाकर 1600 रुपये कर दिया है। वहीं, निकायों के प्रतिनिधियों को सीएम सैनी ने सौगात दी है। अब से जिला परिषद के अध्यक्षों की पेंशन 2000 से बढ़ाकर 3000 रुपये कर दिया है। उपाध्यक्षों के को 1500 रुपये मिलेगा। इसके अलावा

पंचायत समिति के अध्यक्षों को 2250 रुपये प्रति माह मिलेगा। पंचकूला में आयोजित पंचायत सम्मेलन में मुख्यमंत्री सैनी ने यह घोषणा की।

50 प्रतिशत फंड बिना ई-टेंडर के खर्च करने की शर्त हटाई: प्रदेश सरकार ने सरपंचों की एक और मांग मान ली है। सीएम नायब सिंह सैनी ने पिछले दिनों पूर्व सीएम मनोहर लाल का फैसला पलटते हुए सरपंचों को बिना ई-टेंडर 21 लाख रुपये तक के विकास कार्य कराने की छूट दी थी। हालांकि, 50 प्रतिशत फंड ही बिना ई-टेंडर के खर्च करने की शर्त से सरपंच नाराज थे। अब उसे भी हटा दिया गया है। अब अगर किसी ग्राम पंचायत का फंड 30 लाख रुपये है तो सरपंच 21 लाख रुपये के काम बिना ई-टेंडर करा सकेंगे। एसोसिएशन के राज्य अध्यक्ष रणबीर समैण ने कहा कि सरकार की ओर से शर्त हटाए जाने का हम स्वागत करते हैं, लेकिन अभी काफी मांगें बाकी हैं। ग्राम पंचायतों को सभी 29 अधिकार दिए जाएं, जिसमें पार्क-भवन निर्माण, विधायकों का हस्तक्षेप हटाना आदि शामिल हैं। उसमें कुल फंड का बिना ई-टेंडर 50 प्रतिशत खर्च करने की शर्त थी। अब विभाग के आयुक्त अमित अग्रवाल ने शर्त वापस लेने के संशोधित आदेश जारी किए हैं।

शहरी और ग्रामीण विकास के लिए 2400 करोड़ रुपये होंगे खर्च: मुख्यमंत्री नायब सैनी ने सम्मेलन में करोड़ों रुपये की घोषणा की। उन्होंने कहा कि शहरी और ग्रामीण विकास के लिए सरकार 2400 करोड़ रुपये खर्च करेगी। दलित और पिछड़े वर्ग चौपालों की मरम्मत और रखरखाव पर 118 करोड़ रुपये खर्च होंगे। राज्य वित्त आयोग की तरफ से भी ग्रामीण विकास पर 429 करोड रुपये खर्च किए जाएंगे। सीएम सैनी ने कहा कि सरपंच ग्राम के विकास की धुरी होते हैं और गांव के विकास के लिए जन समस्याओं का समाधान जरूरी है। इन पैसों से गांव में गलियां पक्की, फिरनी, चौपालों की मरम्मत की जाएगी। ताकि जनता को ज्यादा से ज्यादा सहूलियत मिले। आज के सम्मेलन में सरपंचों ने अपने मानदेय बढ़ाने की बात की थी। सरकार ने इसमें बढ़ाकर डेढ़ गुना कर दिया है। मगर, सरपंच ज्यादा बढ़ाने की मांग कर रहे थे। उन्हें बुलाकर दोबारा बात की जाएगी। बीजेपी सरकार बिना भेदभाव के काम करेगी।

कांग्रेस में बापू-बेटा ही बचे : कांग्रेस के बीजेपी सरकार से हरियाणा मांगे हिसाब मुहिम पर मुख्यमंत्री नायब सैनी ने पलटवार करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि नेता विपक्ष भूपेंद्र सिंह हड्डा, जो चार सीट लिए हुए हैं, उनको यह भी बताना चाहिए कि उनके 2 कार्यकाल में जो मेनिफेस्टो बनाए गए थे, उनमें से कितनी घोषणाएं और वादे पूरे किए गए। भूपेंद्र हुड्डा इस पर कभी कुछ नहीं बोलते।

विंबलडन: 2024

मुसेट्टी को हराकर फाइनल में पहुंचे जोकोविच, 14 को होगा अल्काराज से सामना

नई दिल्ली,एजेंसी। सर्बियाई खिलाड़ी अपना दसवां विंबलडन फाइनल और 37वां ग्रैंड स्लैम फाइनल खेलेंगे। 14 जुलाई को उनका सामना अल्काराज से होगा, जिन्होंने पहले सेमीफाइनल में जीत दर्ज की। नोवाक जोकोविच ने लोरेंजो मुसेट्टी को हराकर विंबलडन 2024 के पुरुष एकल के फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। मुसेट्टी ने दिग्गज खिलाड़ी के खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और अंत तक संघर्ष किया। हालांकि, जोकोविच करीबी मुकाबलों के बावजूद सेट जीतने में कामयाब रहे। अब सर्बियाई खिलाड़ी अपना दसवां विंबलडन फाइनल और 37वां ग्रैंड स्लैम फाइनल खेलेंगे। 14 जुलाई को उनका सामना अल्काराज से होगा, जिन्होंने पहले सेमीफाइनल में जीत दर्ज की।

सुपरयूनाइटेड रैपिड और ब्लिट्ज़ शतरंज: गुकेश नें मकसीम को हराया

जागरेब , क्रोसिया, एजेंसी। ग्रांड चैस टूर के तीसरे पड़ाव सुपरयूनाइटेड रैपिड और ब्लिट्ज़ शतरंज के दूसरे दिन भी रैपिड के मुक़ाबले खेले गए , पहले दिन जीत दर्ज नहीं कर पाने वाले भारत के डी गुकेश नें दूसरे दिन की शुरुआत पहले दिन के बाद सबसे आगे चल रहे फ्रांस के मकसीम लागरेव को मात देकर की , काले मोहरो से खेलते हुए गुकेश नें सिसिलियन ओपनिंग में बेहद रचनात्मक खेल दिखाया , बड़ी बात यह रही की गुकेश नें खेल के अंतिम पड़ाव में कुछ सेकंड होने के बाद भी अच्छी चालें चली और 43 चालों में जीत दर्ज की । इसके बाद अगले राउंड में उन्होने हमवतन विदित गुजराती से ड्रॉ खेला , वहीं विदित को इससे पहले लगातार चार राउंड में पराजय का सामना करना पड़ा था , विदित को चौंथे राउंड में यूएसए के वेसली सो नें पराजित किया । फिलहाल पाँच राउंड के बाद यूएसए के फबियानों करूआना 8 अंक बनाकर सबसे आगे चल रहे है , उनके बाद यूएसए के ही वेसली सो 7 अंक , रूस के यान नेपोमनिशी , फ्रांस के मकसीम लागरेव और अलीरेजा फिरौजा 6 अंक , गुकेश ,5 अंक , यूएसए के लेवान अरोनियन और नीदरलैंड के अनीश गिरि 4 अंक , मेजबान देश के इवान सरिक 1.5 और भारत के विदित गुजराती 1 अंक बनाकर खेल रहे है ।

खुशखबरी !

भारत VS पाकिस्तान महामुकाबले में दर्शकों की होगी फ्री एंट्री

कोलंबो, एजेंसी। क्रिकेट जगत में भारत बनाम पाकिस्तान का मुकाबला सबसे बड़ा मुकाबला माना जाता है. इन दो चिर-प्रतिद्वंद्वियों के बीच होने वाले मैच कई हमेशा टिकटें पहले ही बिक जाती हैं. भारत और पाकिस्तान की टीमें इसी महीने यानी के 19 जुलाई को एक बार फिर से आमने-सामने होने वाली है.

दोनों टीमों के बीच इस महामुकाबले को लेकर अब श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) ने एक बड़ा ऐलान किया है. हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम टी20 एशिया कप के उद्घाटन मुकाबले में 19 जुलाई को दांबुला में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से भिड़ेगी. भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश और श्रीलंका के अलावा थाईलैंड, संयुक्त अरब अमीरात, नेपाल और मलेशिया की टीम भी टूर्नामेंट में हिस्सा लेगी. श्रीलंका क्रिकेट ने घोषणा की है कि इन सभी मैचों को दर्शक फ्री में देख पाएंगे यानी स्टेडियम में एंट्री के लिए फैंस को किसी भी तरह का टिकट नहीं लेना होगा. एसएलसी के इस कदम की अब सराहना हो रही है. टूर्नामेंट में कुल 15 मैच खेले जाएंगे, जिनमें दोनों सेमीफाइनल और फाइनल भी शामिल हैं.

भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश और श्रीलंका के अलावा टूर्नामेंट में थाईलैंड, यूएई, नेपाल और मलेशिया की टीम भी शिरकत करेंगी. भारत को ग्रुप ए में पाकिस्तान, यूएई और नेपाल के साथ रखा गया है, जबकि ग्रुप बी में बांग्लादेश, श्रीलंका, मलेशिया और थाईलैंड शामिल हैं.

इस टूर्नामेंट में कुल 15 मैच खेले जाएंगे, जिनमें दो सेमीफाइनल और फाइनल शामिल हैं. मीडिया विज्ञप्ति में कहा गया है, सभी मैचों का अंतरराष्ट्रीय प्लेटफार्मों पर सीधा प्रसारण किया जाएगा और स्टेडियम को मैट देखने के लिए जनता के लिए मुफ्त में खुला रखा जाएगा.

एसएलसी और एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) की कार्यकारी समिति ने संयुक्त रूप से रविन विक्रमरत्ने को टूर्नामेंट निदेशक नियुक्त किया है. विक्रमरत्ने, जो श्रीलंका क्रिकेट के उपाध्यक्ष भी हैं, ने कहा, श्रीलंका क्रिकेट, एशियाई क्रिकेट परिषद के सहयोग से, एक बेहद सफल टूर्नामेंट आयोजित करने की योजना बना रहा है, क्योंकि इस टूर्नामेंट के सफल परिणाम से वर्ल्ड लेवल पर महिला क्रिकेट को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी.

झूलन गोस्वामी को विदेशी टी20 लीग में मिली बड़ी जिम्मेदारी

नईदिल्ली, एजेंसी। विमेंस कैरेबियन प्रीमियर लीग के आगामी सीजन की शुरुआत 21 अगस्त से होगी जिसमें फाइनल सहित कुल 7 मैच खेले जाएंगे। इस महिला टी20 लीग में खेलने वाली त्रिनबागो नाइट राइडर्स की टीम ने बड़ा ऐलान करते हुए दिग्गज पूर्व भारतीय महिला खिलाड़ी झूलन गोस्वामी को अपनी टीम का मेंटर बनाने का ऐलान किया है। झूलन ने इंटरनेशनल क्रिकेट को साल 2022 में अलविदा कहने के बाद महिला प्रीमियर लीग में मुंबई इंडियंस के लिए गेंदबाजी कोच और मेंटर की जिम्मेदारी संभाली थी। इसमें पहले सीजन में जहां टीम ने खिताब को अपने नाम किया था तो दूसरे सीजन टीम का प्रदर्शन काफी खराब देखने को मिला था।

कपिल देव करेंगे पेंशन दान

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत को अपनी कप्तानी में विश्व कर जिताने वाले पूर्व दिग्गज खिलाड़ी कपिल देव ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) से खास अपील की है।

दरअसल, भारतीय टीम के पूर्व खिलाड़ी और कोच अंशुमान गायकवाड़ ब्लड कैंसर से जूझ रहे हैं। 71 वर्षीय गायकवाड़ का लंदन के एक अस्पताल में इलाज चल रहा है और कपिल ने बोर्ड से उनकी मदद करने की अपील की है। कपिल ने खुलासा करते हुए बताया कि टीम के उनके पूर्व साथी मोहिंदर अमरनाथ, सुनील गावस्कर, संदीप पाटिल, दिलीप वेंगसरकर, मदन लाल, रवि शास्त्री और कीर्ति आजाद गायकवाड़ के इलाज के लिए फंड जुटाने को लेकर अपना पूरा प्रयास कर रहे हैं। कपिल ने कहा कि उन्हें भरोसा है बीसीसीआई इस मामले को देखेगा और भारतीय टीम के कोच रह चुके गायकवाड़ को वित्तीय मदद देगा।

इंग्लैंड- वेस्टइंडीज टेस्ट

इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज को 114 रनों से हराया

41 साल के एंडरसन ने क्रिकेट को कहा अलविदा

लंदन, एजेंसी। इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज को लॉर्ड्स में पहले टेस्ट मैच में शुक्रवार को तीसरे ही दिन पारी और 114 रनों से हरा दिया। इस जीत के साथ इंग्लिश टीम ने अपने महान तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन को यादगार विदाई दी। इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के बीच तीन टेस्ट मैचों की सीरीज का पहला मैच लॉर्ड्स में खेला गया। टॉस जीतकर इंग्लैंड ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया।

पहले बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज की पारी मात्र 121 रन पर सिमट गई। जवाब में इंग्लिश टीम ने 371 रन बनाए। इंग्लैंड की तरफ से जो रुट, हैरी ब्रूक और जेमी स्मिथ ने अर्धशतक जड़े। वेस्टइंडीज की तरफ से जेडेन सील्स ने सबसे ज्यादा 4 विकेट लिए। उनके अलावा गुडाकेश मोती और जेसन होल्डर को 2-2 विकेट मिले। पहली पारी में इंग्लैंड ने 250 रन की बढ़त हासिल की जिसे उतारने उतरी वेस्टइंडीज की टीम के बल्लेबाज एक बार फिर फ्लॉप साबित हुए। वेस्टइंडीज की पूरी टीम दूसरी पारी में 136 रन पर पवेलियन लौट गई।

इंग्लैंड की जीत के हीरो तेज गेंदबाज गस एटकिंसन रहे। अपना डेब्यू टेस्ट मैच खेलने उतरे एटकिंसन ने पहली पारी में सात और दूसरी पारी में पांच विकेट चटकाए। वहीं, अपना आखिरी मैच खेल रहे जेम्स एंडरसन ने कुल 4 विकेट लिए। बता दें, तीसरे दिन के खेल की शुरुआत से पहले जेम्स एंडरसन को साथी खिलाड़ियों ने गार्ड ऑफ ऑनर दिया।

पाकिस्तान क्रिकेट में उठापटक के बीच यूसुफ और शफीक ने बरकरार रखी अपनी जगह

कराची, एजेंसी। टी20 विश्व कप में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद पाकिस्तान क्रिकेट में उठापटक मची हुई है। टीम से लेकर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) में इस हार के बाद हाहाकार मचा है। इस बीच, पीसीबी ने मोहम्मद यूसुफ और असद शफीक जैसे पूर्व खिलाड़ियों को नई चयन समिति में बरकरार रखा है। ये समिति अगले महीने बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज के लिए टीमों का चयन करेगी।

वहाब रियाज और अब्दुल रज्जाक को किया था बर्खास्त

पीसीबी ने टी20 विश्व कप में टीम के पहले दौर से आगे नहीं बढ़ पाने के बाद वहाब रियाज और अब्दुल रज्जाक को बर्खास्त कर दिया था, लेकिन हैरानी की बात है कि यूसुफ और शफीक को बरकरार रखा गया है। यूसुफ पाकिस्तान टीम के बल्लेबाजी कोच भी थे, जबकि वहाब ने आयरलैंड, इंग्लैंड और विश्व कप के दौरे पर सीनियर टीम मैनेजर के रूप में भी काम किया था। यूसुफ और शफीक पिछली चयन समिति के सदस्य थे जिसने टी20 विश्व कप टीम का चयन किया था। नई समिति में लाल और सफेद गेंद वाली टीमों के कप्तान और मुख्य कोच भी शामिल होंगे। यूसुफ और शफीक सहित सभी सदस्यों के पास वोट देने और निर्णय लेने का

अधिकार होगा।

मसूद को टेस्ट कप्तान बरकरार रखने का लिया था फैसला

पीसीबी और टेस्ट टीम के कोच जेसन गिलेस्पी ने व्यस्त अंतरराष्ट्रीय सत्र से पहले राष्ट्रीय टीम के टेस्ट कप्तान के रूप में शान मसूद पर भरोसा जताया और टेस्ट कप्तान बरकरार रखा था।

जिम्बाब्वे दौरे पर एक और भारतीय सूरमा का सपना साकार, टीम इंडिया के लिए मिला डेब्यू का मौका

हरारे, एजेंसी। भारतीय टीम और जिम्बाब्वे के बीच आज यानी 13 जुलाई को चौथा टी20 मुकाबला खेला गया। इस मुकाबले में भारत के लिए तुषार देशपांडे ने डेब्यू किया। उन्होंने आईपीएल में सबको काफी प्रभावित किया है।

भारतीय क्रिकेट टीम इस वक्त 5 मैच की टी20 सीरीज के लिए जिम्बाब्वे का दौरा कर रही है। पूरी नई टीम इस दौरे पर गई है। शुभमन गिल जिम्बाब्वे में भारत की कप्तानी कर रहे हैं। वहीं हरारे स्पोर्ट्स क्लब में 13 जुलाई को भारत और जिम्बाब्वे के बीच सीरीज का चौथा मुकाबला खेला गया। इस मैच में तेज गेंदबाज तुषार देशपांडे ने भारत के लिए डेब्यू किया है।

तुषार को इस सीरीज में पहली बार टीम इंडिया से कॉल आया था। उनका आईपीएल 2023 और 2024 दोनों ही सीजन कमाल के रहे। उसके बाद आखिरकार उन्हें टीम इंडिया के लिए डेब्यू करने का मौका मिला।

पिता सिक्योरिटी गार्ड और मां क्लीनर...

अब बेटी ओलिंपिक में देश का नाम करने जा रही रोशन

नई दिल्ली, एजेंसी। पेरिस ओलिंपिक 2024 के लिए भारतीय दल का ऐलान हो गया है। नीरज चोपड़ा समेत तमाम भारतीय एथलीट ओलिंपिक खेलों में भाग ले रहे हैं। उसमें से एक भारत की ट्रैक और फील्ड एथलीट ज्योति याराजी भी हैं।

ज्योति याराजी (जन्म 28 अगस्त 1999) आंध्र प्रदेश की एक भारतीय ट्रैक और फील्ड एथलीट हैं। वह 100 मीटर बाधा दौड़ में माहिर हैं और भारतीय राष्ट्रीय रिकॉर्ड रखती हैं। उन्होंने 10 मई 2022 को 13.23 सिकेंड के साथ अनुराधा बिस्वाल का लंबे समय से चला आ रहा रिकॉर्ड तोड़ दिया। तब से उन्होंने कई बार यह रिकॉर्ड तोड़ा है। ज्योति आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम की रहने वाली हैं। उनके पिता सूर्यनारायण एक सिक्योरिटी गार्ड हैं और उनकी मां कुमारी घरेलू सहायक के रूप में काम करती हैं। वो पार्ट टाइम सिटी हॉस्पिटल में क्लीनर के रूप में काम करती हैं। ज्योति ने अपनी स्कूली शिक्षा विशाखापत्तनम पुराने शहर के पोर्ट हाई स्कूल में की।

उन्होंने अपनी शिक्षा आचार्य नागार्जुन विश्वविद्यालय से संबद्ध एक कॉलेज में की। बाद में वह हैदराबाद में भारतीय खेल प्राधिकरण के छात्रावास में शामिल हो गईं और कोच ओलिंपियन एन रमेश के तहत दो साल तक ट्रेनिंग की। जिन्हें द्रोणाचार्य पुरस्कार भी मिला। बाद में वह उत्कृष्टता केंद्र में शामिल होने के लिए गुंटूर चली गईं। 2019 से, वह भुवनेश्वर में रिलायंस एथलेटिक्स हाई-परफॉर्मेंस सेंटर में ब्रिटिश कोच जेम्स हिलियर के तहत ट्रेनिंग की। ज्योति के करियर का मुख्य आकर्षण तब आया जब उन्होंने चीन के हांगझोउ में 2022 के एशियाई खेलों में 100 मीटर बाधा दौड़ में रजत पदक जीता।

शुरू में उन्हें एक चीनी एथलीट के साथ गलत शुरुआत के लिए डिस्क्वालीफाई घोषित कर दिया गया था। लेकिन बाद में उन्हें शुरुआत करने की अनुमति दी गई। अंत में एक रिव्यू के बाद, चीनी एथलीट वू यन्नी को डिस्क्वालीफाई कर दिया गया और भारतीय को रजत पदक के लिए प्रमोट किया गया। 2023 की शुरुआत में, उन्होंने अस्तानैन कजाकिस्तान में 2023 एशियाई इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में रजत जीतने के अलावा, पांच बार इनडोर 60 मीटर बाधा दौड़ के लिए राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉग ऑन करें
www.sonvarshavani.com
ई-पेपर
sonvarshavani.com.epaper

एक नजर

साहित्यिक संस्था आयाम 20 -21 को मनाएगा वार्षिकोत्सव

औरंगाबाद(का.सं.)। नेशनल हाईवे पर जसोइया मोड़ से टेंपो से कॉलेज जा रही छात्रा के साथ छेड़खानी करने और उसका सामान लूटने के मामले में एसपी के निर्देश पर प्राथमिकी दर्ज हुई है। इस मामले में लापरवाही बरतने पर पुलिस कर्मियों पर कार्रवाई भी होगी। औरंगाबाद की एसपी स्वप्ना गौतम मेश्राम ने बताया कि छात्रा के साथ जो घटना घटी थी, उसकी प्राथमिकी दर्ज हो गई है। घटनास्थल पर पुलिस ने पहुंचकर छानबीन की है। आरोपित को चिन्हित कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि जिन लोगों के स्तर से लापरवाही बरती गई है, उन पर भी कार्रवाई होगी। इसकी जांच का निर्देश दिया गया है।

रिश्तेदार के घर आई बच्ची बनी थी हवस का शिकार

पटना(नि.सं.)। औरंगाबाद नगर थाना क्षेत्र में पांच वर्षीय बच्ची के साथ दुष्कर्म की घटना घटित होने के मामले में पुलिस ने एक आरोपित को शनिवार को जेल भेज दिया। गिरफ्तार आरोपित 26 वर्षीय सुनील कुमार बारुण थाना क्षेत्र के बनौली गांव का रहने वाला है। जानकारी के अनुसार बच्ची झारखंड की रहने वाली है और शुक्रवार को अपने रिश्तेदार के घर औरंगाबाद में एक शादी समारोह में शामिल होने आई थी। शाम में वह घर के बाहर खेल रही थी तभी यहां खटाल में काम करने वाला एक मजदूर सुनील कुमार उसे बहला फुसला कर उठा कर ले गया। वह बच्ची को लेकर बांध की तरफ चला गया और वहां उसने उसके साथ दुष्कर्म किया। इसी दौरान बच्ची रोती चिल्लाती रही। इधर घर के लोगों को जब इसकी भनक लगी कि बच्ची घर के बाहर नहीं है तो वह उसे ढूंढने लगे। खोजते हुए लोग बांध के पास पहुंचे जहां सुनील कुमार पुलिस को देखकर भागने लगा। मामले की जानकारी पुलिस को दी गई और इधर बच्ची को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने छापेमारी करते हुए सुनील कुमार को गिरफ्तार कर लिया। इस संबंध में नगर थानाध्यक्ष उपेंद्र सिंह ने बताया कि बच्ची की मेडिकल जांच कराई गई है और उसकी हालत खतरे से बाहर है। एक आरोपित इस घटना में शामिल था जिसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

याद किये गए सत्येंद्र बाबू

दाउदनगर(औरंगाबाद)(नि.सं.)। दाउदनगर प्रखंड कांग्रेस कमेटी द्वारा बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री एवं स्वतंत्रता सेनानी सत्येंद्र नारायण सिन्हा की 107वीं जयंती मनाई गई। उपस्थित लोगों ने उनकी तस्वीर पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर उन्हें नमन किया। उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला गया। कहा गया कि वे जब बिहार के मुख्यमंत्री बने तो उन्होंने ही दाउदनगर-बारुण पथों को स्वीकृति प्रदान की थी। अध्यक्षता प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष राजेश्वर सिंह ने की। मौके पर डॉ. संजय कुमार सिंह, रामप्रवेश सिंह यादव, कमाल खान, युवराज पांडेय, अशरफ अली उपस्थित रहे।

सावन पूजा की तैयारी को लेकर न्यास समिति की बैठक

ओबरा(औरंगाबाद)(नि.सं.)। बरा अंचल कार्यालय में शनिवार को देवी मंदिर न्यास समिति के अध्यक्ष सह एसडीओ मनोज कुमार की अध्यक्षता में सावन पूजा के तैयारी को लेकर अस्थाई समिति की बैठक हुई। बैठक में देवी मंदिर में सावन महीने में होने वाले पूजा पर चर्चा हुई। एसडीओ ने मंदिर की सजावट करने तथा तैयारी को पूर्ण करने का निर्देश दिया। सोमवार को विशेष पूजा एवं महाआरती पर विचार-विमर्श किया गया। कोष संग्रह पर चर्चा करते हुए कहा कि मंदिर में आने वाले दान एवं सावन पूर्णिमा के दिन लगने वाले मेले में दुकानों से प्राप्त राजस्व आयोजन में खर्च किया जाएगा।

करंट लगने से बिजली मिस्त्री की मौत

निज संवाददाता

फेसर (औरंगाबाद)। औरंगाबाद सदर प्रखंड में फेसर थाना क्षेत्र के बरिमल गांव के पास शनिवार को बिजली लाइन जोड़ने के दौरान हाईटेंशन तार के चपेट में आकर एक बिजली मिस्त्री की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान फेसर थाना के बखारी गांव निवासी संतोष कुमार सिंह(38) के रूप में की गई है। बिजली मिस्त्री की मौत के बाद ग्रामीण आक्रोशित हो गए। आक्रोशितों ने मौके पर जमकर हंगामा किया। ग्रामीणों ने बिजली मिस्त्री की मौत के लिए रेलवे का काम कर रहे मुंशी और फेसर पावर ग्रिड के कर्मियों को जिम्मेवार ठहराते हुए कहा कि संतोष फेसर पावर ग्रिड से जुड़कर एक एजेंसी के माध्यम से क्षेत्र में बिजली बनाने का काम करते थे। बघोई हॉल्ट के रेलवे क्रॉसिंग के पास अंडरग्राउंड पुल के निर्माण के लिए बिजली की जरूरत थी। इसी के लिए मुंशी ने संतोष पर बिजली के खंभे पर चढ़कर लाइन जोड़ने का दबाव बनाया लेकिन यह कार्य उसके क्षेत्र से बाहर होने के कारण उसने मना कर दिया। इसके बावजूद उसे जबरदस्ती कर बिना सुरक्षा के ही लाइन जोड़ने के लिए बिजली के खंभे पर चढ़ा दिया गया।

मुंशी और कर्मी पर हत्या का मुकदमा दर्ज करने की मांग

संतोष की मौत की सूचना ग्रामीणों ने फेसर थाना पुलिस को दी, लेकिन समय से पुलिस के नहीं पहुंचने पर आक्रोश फूट पड़ा और थानाध्यक्ष को हटाने की मांग को लेकर नारेबाजी करने लगे। ग्रामीणों ने इस मौत का जिम्मेदार रेलवे मुंशी मंजीत कुमार और फेसर ग्रिड पर कार्यरत कर्मी पर हत्या का मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है। 3 घंटे बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की प्रक्रिया में जुट गई।

पोल पर चढ़ने के पहले संतोष ने फेसर पावरग्रिड से परमिट लेते हुए बिजली कटवाई और लाइन जोड़ने में लग गया। अभी एक तार जोड़ा ही था कि 11 हजार वोल्ट वाली तार में करेंट दौड़ गई, जिसके चपेट में आकर उसकी घटनास्थल पर ही की मौत हो गई। संतोष की मौत की सूचना ग्रामीणों ने फेसर थाना की पुलिस को दी लेकिन समय से पुलिस मौके पर नहीं पहुंची। इसे लेकर ग्रामीणों का आक्रोश फूट पड़ा। आक्रोशित फेसर थानाध्यक्ष को हटाने की मांग को लेकर नारेबाजी करने लगे। लोगों ने कहा कि थानाध्यक्ष के विलंब के कारण ही मुंशी भागने में सफल रहा। ग्रामीणों ने मिस्त्री की मौत के लिए रेलवे के मुंशी मंजीत एवं फेसर ग्रिड पर कार्यरत कर्मी को जिम्मेवार ठहराते हुए उनपर हत्या का मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है। बाद में पुलिस ने ग्रामीणों को समझा बुझा कर आक्रोशितों को शांत कराया। इसके बाद पुलिस ने शव को कब्जें में लेकर पोस्टमार्टम के लिए औरंगाबाद सदर अस्पताल लाया है। मामले में पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी है।

चार पहिया वाहन की टक्कर से किशोर की मौत

गोह(औरंगाबाद) (नि.सं.)। गोह के उपहारा थाना क्षेत्र के तेयाप बिगहा मोड के समीप शनिवार की दोपहर एक तेज रफ्तार स्कार्पियो ने एक किशोर को जबरदस्त टक्कर मार दी। जिससे किशोर की मौत मौके पर ही हो गई। गुसाएं ग्रामीणों ने शव को घटनास्थल पर रखकर मुख्य सड़क पर आगजनी करते हुए जाम कर दिया और मुआवजे की मांग करने लगे। इस दौरान लगभग दो घंटे आवागमन बाधित रहा।सूचना पर पहुंचे उपहारा थानाध्यक्ष मनेश कुमार ने आक्रोशित को समझाने बुझाने की कोशिश की,लेकिन लोग नही माने। सूचना मिलते ही गोह विधायक भीम कुमार सिंह एवं सीओ सोनम राज ने घटना स्थल पर पहुंचकर अस्वाशन देते हुए लोगो को समझाया बुझाया तब जाकर ग्रामीण माने और पुलिस ने शव को उठाया। मृतक के परिजन ने बताया की उपहारा थानाक्षेत्र के तेयाप बिगहा मोड़ निवासी सुरेंद यादव के 12 वर्षीय पुत्र अमन कुमार घर से खाना खाकर अपना खेत देखने बधार में गया था।

बाल भारती पब्लिक स्कूल ने समारोहपूर्वक मनाया छठा स्थापना दिवस

बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति से मोहा मन

निज संवाददाता

नवीनगर (औरंगाबाद)। नवीनगर सुपर थर्मल पावर स्टेशन(एनएसटीपीएस) परिसर स्थित बाल भारती पब्लिक स्कूल ने शनिवार को विद्यालय का छठा स्थापना दिवस समारोहपूर्वक मनाया। समारोह में बतौर मुख्य अतिथि एनएसटीपीएस के मुख्य महाप्रबंधक चंदन कुमार सामंता के अलावा स्वरा महिला संघ की अध्यक्षा राखी सामंता, एनएसटीपीएस के महाप्रबंधक(ओ एंड एम) केडी यादव, महाप्रबंधक(फ्यूल प्रबंधन) रवि प्रकाश अग्रवाल, महाप्रबंधक(प्रचालन) अनिल कुमार त्रिपाठी, एचआर हेड रॉय थॉमस, उप महाप्रबंधक प्रहलाद प्रसाद, डीजीएम(एचआर) नागेंद्र शर्मा, विवेक गौतम, सीआईएसएफ के डिप्टी कमांडेंट राघवेंद्र सिंह सहित शिक्षाविद, अभिभावक एवं गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। स्थापना दिवस समारोह का शुभारंभ एनएसटीपीएस के सीजेएम चंदन कुमार सामंता एवं अन्य आगत अतिथियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इसके बाद अपने संबोधन में एनएसटीपीएस के मुख्य महाप्रबंधक ने विद्यालय को उज्ज्वल भविष्य और शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट बनाए रखने की शुभकामनाएं दी। इस मौके पर स्कूल के बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम की भी प्रस्तुति दी। इस दौरान छात्रों ने अपनी प्रतिभा और कौशल का के उत्कृष्ट प्रदर्शन से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। समारोह में विद्यालय में शिक्षा, खेल और अन्य पाठ्येतर गतिविधियों सहित विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए छात्रों को प्रमाण पत्र तथा पदक देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के प्रथम वर्ष के अभिभावकों ने विद्यालय के विगत पांच वर्षों के अपने अनुभवों को साझा किया। वही कार्यक्रम में विद्यालय की प्राचार्या सारिका कुटे ने स्कूल के विकास और सफलता में योगदान के लिए एनटीपीसी प्रबंधन, चाइल्ड एजुकेशन सोसायटी, संस्थापकों, प्रबंधन समिति, शिक्षकों, अभिभावकों और छात्रों के प्रति आभार जताया। छात्रों को उनकी उपलब्धियों के लिए बधाई दी और भविष्य में और अधिक सक्रिय भागीदारी के लिए प्रोत्साहित किया।

नहीं थम रही पुल-पुलियों के गिरने-बहने का सिलसिला

पहली बारिश में देव-अम्बा पथ पर निर्माणाधीन पुल का वैकल्पिक रोड व पुलिया बहा

निज संवाददात

देव (औरंगाबाद)। बिहार में पुल-पुलियों के गिरने-बहनें का सिलसिला लगातार जारी है। ऐसी खबरें लगातार आ रही हैं। ऐसी ही एक और खबर बिहार के एक औरंगाबाद जिले की है, जहां निर्माणाधीन पुल के पास बना वैकल्पिक रोड(डायवर्सन) और पुल पहली ही बरसात के पानी में बह गया। मामला देव प्रखंड के अम्बा-देव रोड में चट्टी बाजार के पास की है।सुबह में चट्टी बाजार और आसपास के लोग जब अपने घर से निकले तो देखा कि निर्माणाधीन पुल के पास बना वैकल्पिक मार्ग(डायवर्सन) के साथ उसके नीचे दिया गया

वैकल्पिक पुल पानी के तेज बहाव में बह गया है। वहीं मामले की जानकारी मिलने के बाद जिला पार्षद गायत्री देवी ने आरोप लगाया कि ठेकेदार द्वारा काम में लापरवाही बरती जा रही है।सरकारी पैसों का बंदरबाट हो रहा है। कार्य की गुणवत्ता खराब होने के कारण ही डायवर्सन और पुलिया बही है। इसके लिए ठेकेदार पर कार्रवाई होनी चाहिए। वही समाजसेवी संजीव कुशवाहा ने कहा कि अम्बा से देव और बालूगंज के तरफ के सैंकड़ो गांव के लोगों के देव आने जाने के लिए यही एकमात्र सड़क है, जो पहली बारिश में ही बह गया है। अब लोगों को बरसात के इस मौसम में आवागमन में भारी परेशानी झेलनी पड़ेगी।

डीएम-एसपी ने मुहर्रम पर्व को लेकर शांति समिति के सदस्यों के साथ की बैठक

निजसंवाददाता

रफीगंज (औरंगाबाद)। शनिवार को जिला पदाधिकारी श्रीकांत शास्त्री एवं पुलिस अधीक्षक स्वप्ना गौतम मेश्राम द्वारा रफीगंज सभागार में रफीगंज, कासमा, पौथु के शांति समिति के सदस्य के साथ मुहर्रम पर्व को लेकर बैठक किया गया। जिला पदाधिकारी महोदया द्वारा शांति सौहार्द तथा भाईचारा के साथ मुहर्रम मनाने की बात कही गई एवं उचित दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में सदर अनुमंडल पदाधिकारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर-2(मदनपुर), प्रशिक्षु पुलिस उपाधीक्षक-सह-थानाध्यक्ष रफीगंज एवं अन्य पुलिस पदाधिकारी मौजूद रहें।

मारपीट मामले में केस दर्ज, 23 नामजद

गोह(औरंगाबाद)(नि.सं.)। गोह थाना क्षेत्र के अजान गांव में भूमि विवाद में दो पक्षों ने मारपीट की प्राथमिकी दर्ज कराया गया है। पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज करते हुए मामले की अनुसंधान में जुट गई है। थानाध्यक्ष ने बताया की अजान गांव निवासी सुरेंद्र पासवान की पत्नी उर्मिला देवी के बयान पर कांड संख्या 202/24 दर्ज किया गया है जिसमें आठ लोगों को नामजद अभियुक्त बनाया गया है। वही दूसरे पक्ष से ज्ञानचंद राम के पुत्र गिरजा राम के ब्यान पर कांड संख्या 203/24दर्ज किया गया है जिसमे 15 लोगो को नामजद अभियुक्त बनाया गया है।

राष्ट्रीय लोक अदालत का हुआ सफल आयोजन

लोक अदालत से निस्तारित वादों से भाईचारे को मिलता है बढ़ावा : जिला जज

अमन राज वर्मा

औरंगाबाद। शनिवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकार के तत्वावधान में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। इस अदालत के मुख्य उद्घाटन समारोह में जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अध्यक्ष अशोक राज, जिला पदाधिकारी श्रीकान्त शास्त्री, और पुलिस अधीक्षक स्वप्ना मेश्राम ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित किया। इस समारोह में कई न्यायिक पदाधिकारीगण, अधिवक्तागण, बैंक और बीमा के पदाधिकारीगण तथा अन्य विभागों के पदाधिकारीगण उपस्थित रहे। जिला विधिक सेवा प्राधिकार सुकुल राम ने आगंतुकों का स्वागत करते हुए कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत का महत्व बहुत अधिक है, जिससे न केवल वादकारीगण को न्याय मिलता है बल्कि यह न्यायालय विभिन्न विधिक व्यवस्थाओं को सहायक भी होता है। उन्होंने मीडिया की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि मीडिया के माध्यम से ही लोगों तक न्याय पहुंचता है और उन्हें इसका उचित लाभ होता है।

अध्यक्ष श्रीकान्त शास्त्री ने भी राष्ट्रीय लोक अदालत के महत्व पर जोर दिया, कहते हुए कि इससे वादकारीगण के बीच के तनाव भी खत्म होते हैं और न्यायालय के बोझ को भी कम किया जा सकता है। वे थाना स्तर पर थानाध्यक्षों के लिए भी अधिक सतर्कता की मांग करते हुए कहा कि सही धारा लागू करने से कई मामले सुलझ सकते हैं। जिला

विधि संघ के अध्यक्ष विजय कुमार पाण्डेय ने भी राष्ट्रीय लोक अदालत के महत्व को बताते हुए कहा कि इसका आयोजन न्यायालय में भाईचारे की भावना को मजबूत करता है। वे भविष्य में भी इस पर सतत निगरानी रखने की बात कहते हुए अपने संघ के सदस्यों से उम्मीद करते हैं। पुलिस अधीक्षक स्वप्ना जी मेश्राम ने इस अवसर पर यह बताया कि लोक अदालत का महत्व यह है कि इसमें जनता की आवाज को सुना जाता है और वादों को समझाकर न्याय मिलता है। समारोह के अंतिम अध्यक्षीय उद्बोधन में जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अध्यक्ष अशोक राज ने राष्ट्रीय लोक अदालत के आयोजन की महत्वपूर्णता पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि इस अदालत का आयोजन न केवल वादकारीगण को न्याय प्राप्ति का मार्ग प्रदान करता है बल्कि इससे समाज में विवादों को सुलझाने का माध्यम भी उत्तरदायी रूप से काम करता है। यह आयोजन सभी उपस्थित लोगों के लिए एक सामाजिक मेले की भावना भी पैदा करता है जहां वे न्यायालय की अपनी सेवाओं को समझने और समर्थन करने का मौका प्राप्त करते हैं। इस अदालत के माध्यम से स्थानीय समुदाय को न्याय के प्रति जागरूकता और संकल्प बढ़ाने का भी मौका प्राप्त होता है। समारोह को समाप्त करते हुए सभी अधिकारीगण ने एक-दूसरे के साथ ब्रादरहुड के संकल्प को दोहराया और न्यायालय के माध्यम से समाज के हर व्यक्ति को समान और न्यायिक सुविधाएँ प्रदान करने का संकल्प जताया। इस राष्ट्रीय लोक अदालत के आयोजन से समाज में न्यायिक प्रक्रिया के प्रति जागरूकता बढ़ी है और लोगों में न्याय के प्रति विश्वास को मजबूती मिली है। इसके साथ ही, स्थानीय समुदाय के लोगों के बीच एक अदालती संवाद के माध्यम से समाज की समस्याओं को सुलझाने के लिए एक प्रेरणा भी बनी है। इस अदालत के माध्यम से न्यायिक प्रक्रिया को लेकर जनता में जागरूकता और विश्वास को बढ़ाने का यह प्रयास स्थानीय स्तर पर एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो रहा है। इस तरह के कार्यक्रमों के माध्यम से समाज में न्यायालयों की भूमिका को समझाने और लोगों को इनके प्रयासों का समर्थन करने का महत्वपूर्ण मौका मिलता है।

गौरतलब रहे कि 1702 मामलों का निस्तारण करते हुए कुल लगभग 05 करोड़ रूपये का समझौता कराया गया। इस पुरे राष्ट्रीय लोक अदालत के आयोजन को सफल बनाने में प्राधिकार के उप प्रमुख विधिक रक्षा परामर्श प्रणाली अभिनन्दन कुमार, कर्मी सुनील कुमार सिंह, परसुराम कुमार सिंह, संजय कुमार, टेक्निकल, सुनील कुमार सिन्हा, और सहयोगी नवरतन कुमार, गीता कुमारी, कुंदन कुमार सहित सभी अर्धविधिक स्वयं सेवकों की भूमिका भी सराहनीय रही। स्वास्थ्य जांच शिविर के माध्यम से लोगो को मिला स्वास्थ्य का लाभ। राष्ट्रीय लोक अदालत की मुख्य विशेषता यह रहा की राष्ट्रीय लोक अदालत के साथ साथ स्वास्थ जाँच शिविर का आयोजन विधिक सेवा सदन में किया गया था जिसमे सुगर, बीपी, हिमोग्लोविन के साथ साथ चिकित्सीय जांच और दवा का वितरण इत्यादि प्रमुख सुविधावों से वादकारियों के साथ साथ सभी उपस्थित लोगो ने लाभ उठाया इस चिकित्सीय जांच एवं दवा वितरण में डॉ अरुण कुमार, डा. प्रवीण कुमार, शुशील कुमार, मो. तारिक चिंता कुमारी पूनम कुमारी ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा किया।

वाद-विवाद प्रतियोगिता कार्यकम का आयोजन

कार्यालय संवाददाता

औरंगाबाद। शनिवार को समाहरणालय के नगर भवन में जिला पदाधिकारी श्रीकांत शास्त्री एवं पुलिस अधीक्षक स्वप्ना गौतम मेश्राम द्वारा उर्दू निदेशालय मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग, बिहार सरकार के योजनान्तर्गत जिला उर्दू भाषा कोषांग, उर्दू भाषी विद्यार्थी प्रोत्साहन राज्य योजना के तहत वाद-विवाद (तकरीरी) प्रतियोगिता कार्यकम का आयोजन किया गया। समारोह का उद्घाटन जिला पदाधिकारी,श्रीकांत शास्त्री एवं पुलिस अधीक्षक, स्वप्ना गौतम मेश्राम, के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। जिसमें अन्य पदाधिकारी एवं गणमान्य अतिथि भी उपरिथत थे। उक्त कार्यक्रम के द्वीप प्रज्वलन के पश्चात वाद-विवाद (तकरीरी) प्रतियोगिता कार्यक्रम प्रारंभ करने के पूर्व मो. गजाली, प्रभारी पदाधिकारी, जिला उर्दू भाषा कोषांग सह-उप निर्वाचन पदाधिकारी ने उर्दू भाषा

एवं विभाग के कार्यकमों पर संक्षेप में प्रकाश डाला और उर्दू भाषा पर शायरी अन्दाज में कहा कि लश्करियों के जांच से निकली शीरीं जबान है उर्दू, तहजीब-ए-गंग व जगन की तर्जुमान है उर्दू तत्पश्चात जिला पदाधिकारी, औरंगाबाद महोदय ने उर्दू भाषा की विशेषता एव कार्यक्रम मेंउपस्थित उर्दू भाषी श्रोतागण को संबोधित करते हुए कहा कि उर्दू भाषा मुल्क की हर दिल अरजीज और तहजीब व अदब सिखाने वाली जुबान है। उन्होनें उर्दू भाषी अवाम से अपील की के उर्दू भाषा का प्रचार-प्रसार करें, पंचायत से लेकर जिला स्तर केदफ्तरों में उर्दू में भी आवेदन दें और दैनिक उर्दू समाचार-पत्र व मैगजीन का क्रय कर इसकी आर्थिक मदद करें। संबोधनोपरांत उर्दू भाषी विद्यार्थी प्रोत्साहन राज्य योजना के तहत वाद -विवाद (तकरीरी) प्रतियोगिता कार्यक्रम प्रारंभ हुआ, जिसमें मैट्रिक, इण्टर व स्नातक एवं समकक्ष स्तर के प्रतिभगियों ने भाग लिया। वाद-विवाद (तकरीरी) प्रतियोगिता के मूल्थांकत्ता के रूप में जिल्लुस समी प्राचार्य,+2 गल्स हाई स्कूल, अम्बा, औरंगाबाद, गौलाना अस्तर हसन कासमी, शिक्षक मदरसा इस्लामिया, औरंगाबाद एवं अबुलआला हयात, शिक्षक, +2 दादर हाई स्कूल, गोह, औरंगाबाद उपरिथत रहे। इस कार्यक्रम में औरंगाबाद जिला के ख्याति प्राप्त शायर जनबा अयाज आलम सिद्दीकी (निजामत). दानिश मामून व अन्य शामिल हुए अन्त में मो. गजाली, प्रभारी पदाधिकारी, जिलाउर्द भाषा कोषांग-सह-उप निर्वाचन पदाधिकारी, औरंगावाद द्वारा विभगीय निदेशानुसार वाद-विवाद(तकरीरी) प्रतियोगिता के प्रत्येक वर्ग समूह से 8-8 (प्रथम- 1. द्वितीय-3 एवं तृतीय -4) के सफल प्रतिभागियों को राशि एवं प्रशित-पत्र से पुरस्कृत किया गया। शनिवार को आयोजित वाद-विवाद प्रतियोगिता में मैट्रिक में उजमा सरवर इण्टर में सैफ रजा व स्नातक में मो. उसमान ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। अन्य सभी प्रतिभागियों को प्रतिभागिता प्रमाण-पत्र दे कर उन्हें प्रोत्साहित व सम्मानित किया गया। उक्त अवसर पर भू अर्जन पदाधिकारी सच्चिदानंद सुमन, पंचायती राज पदाधिकारी इफ्तेखार अहमद समेत संबंधित अन्य लोग मौजूद रहे।

जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के दाउदनगर अनुमंडल अध्यक्ष बने कुंवर विजयकृष्ण ब्रजराज

- 31 जुलाई को दाउदनगर अनुमंडल में प्रेमचंद जयंती आयोजित की जाएगी।
- जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के सभी पदाधिकारी इसमें शिरकत करेंगे और प्रेमचंद के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला जाएगा।

निज संवाददाता

दाउदनगर (औरंगाबाद)। औरंगाबाद जिले की महत्वपूर्ण साहित्यिक संस्था जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के पिछले बैठक में लिए गए निर्णय के आलोक में पूरे जिले में प्रत्येक प्रखंड में कमेटी का गठन किया जाए। इस क्रम में औरंगाबाद जिले में दो अनुमंडल

हैं जिसमें दाउदनगर अनुमंडल में संस्था के उपाध्यक्ष सुरेश विद्यार्थी द्वारा दाउदनगर अनुमंडल का अध्यक्ष अवकाश प्राप्त प्रोफेसर कुंवर विजयकृष्ण ब्रजराज को बनाया गया। जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष डॉ सिद्धेश्वर प्रसाद सिंह, उपाध्यक्ष डॉ सुरेंद्र प्रसाद मिश्रा, महामंत्री धनंजय जयपुरी के आह्वान पर पूरे जिले में साहित्यिक गतिविधियों को मूर्त स्वरूप प्रदान करने के विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। इस क्रम में मनोनीत दाउदनगर अनुमंडल अध्यक्ष के द्वारा 31 जुलाई को प्रेमचंद जयंती आयोजित की जाएगी जिसमें जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के सभी पदाधिकारी शिरकत करेंगे। प्रेमचंद जयंती के दिन प्रेमचंद के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला जाएगा साहित्यिक गोष्ठी मनाई जाएगी। विदित हो कि औरंगाबाद जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन लगभग तीन दर्जन से अधिक पुस्तकों को प्रकाशित करा चुकी है। अन्य पुस्तक भी जल्द प्रकाशन की प्रतीक्षा में है। डॉ. हनुमान राम एवं प्रसिद्ध कवि लवकुश प्रसाद सिंह की पुस्तक बहुत जल्द संस्था के द्वारा लोकार्पित की जाएगी।

औरंगाबाद में आज निकलेगी भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा

कार्यालय संवाददाता

औरंगाबाद। औरंगाबाद इस्कॉन के द्वारा श्री श्री जगन्नाथ रथ यात्रा और कथा का आयोजन किया जा रहा है। शनिवार को इसकी शुरूआत हो गई। उत्सव की शुरुआत इस्कॉन, गया के प्रतिष्ठित मंदिर अध्यक्ष जगदीश श्याम प्रभु द्वारा जगन्नाथ कथा से की गई। जगदीश श्याम प्रभु ने कहा कि उपस्थित लोग भगवान जगन्नाथ की लीलाओं की एक मनोरम कथा का अनुमान लगा सकते हैं। परंपरा और आध्यात्मिक प्रतीकवाद से समृद्ध कहानियां, देवता के चारों ओर मौजूद सांस्कृतिक विविधता को समझने के लिए अभिन्न अंग हैं। उन्होंने बताया कि भगवान कृष्ण कैसे जगन्नाथ बने, रथ यात्रा क्यों होती है और भगवान जगन्नाथ की विभिन्न लीलाएं जैसे राजा के बगीचे से अपने भक्त के साथ कटहल चुराना उत्सव का मुख्य आकर्षण होगा। 15 जुलाई को भव्य जगन्नाथ रथ यात्रा होगी। एक यात्रा जहां भक्त आनंदपूर्वक भगवान जगन्नाथ के रथ को गांधी मैदान से शुरू होकर औरंगाबाद की सड़कों से खींचेंगे और रथ को धर्मशाला सब्जी मंडी, रमेश चौक, बाईपास पंचदेव मंदिर से होकर गुजरेगा। यह प्रतीकात्मक कृत्य भगवान जगन्नाथ से सभी प्रतिभागियों के लिए आशीर्वाद और आध्यात्मिक समृद्धि का आह्वान करता है। उत्सव का समापन 15 जुलाई की शाम 7 बजे आयोजित होने वाले भंडारे के साथ होगा जहां भगवान जगन्नथ को लगाए गए भोग को महाप्रसाद के रूप में वितरित किया जाएगा।

आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना अन्तर्गत हुई समीक्षात्मक बैठक

कार्यालयसंवाददाता

औरंगाबाद। शनिवार को जिलापदाधिकारी के निर्देशानुसार, उप विकास आयुक्त अभ्येंद्र मोहन सिंह के द्वारा अपने कक्ष में आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना अन्तर्गत समीक्षात्मक बैठक में आहुत की गई। बैठक में उप विकास आयुक्त द्वारा बताया गया कि आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना एवं मुख्यमंत्री जन अरोग्य योजना अन्तर्गत जिले में 16,65,171 राशन कार्ड

लाभार्थियों में से 651,641 लाभार्थियों का आयुष्मान कार्ड बनाया गया है। शेष बचे लाभार्थियों का आयुष्मान कार्ड निर्माण में प्रगति लाने हेतु जिलापदाधिकारी औरंगाबाद के निर्देशानुसार, जिले में आयुष्मान कार्ड कैंप के माध्यम से बनाया जाना है। सभी प्रखण्ड आपुर्ति पदाधिकारी को निर्देशित किया गया कि राशन कार्डधारी लाभार्थियों को नजदीक के वसुधा केन्द्रों पर भेजकर वसुधा केन्द्र के भीएलई के द्वारा आयुष्मान कार्ड बनाया जाए ताकि कार्ड बनाने में प्रगति लाया जा सके । सभी प्रखण्ड विकास पदाधिकारी को निदेशित किया गया कि सभी पंचायत सरकार भवन पर पंचायती राज के कार्यपालक सहायक के द्वारा आयुष्मान कार्ड का निर्माण में प्रगति लाया जाए, जिसके लिए प्रखण्ड पंचायती राज के पदाधिकारी, पंचायत सचिव लाभार्थियों की लामबंदी विकास मित्र, जनप्रतिनियों के माध्यम से करायेंगे। भीसी के माध्यम से कार्यपालक सहायक को प्रशिक्षित किया गया।

उनके द्वारा निर्देश दिया गया कि अनुमंडल पदाधिकारी के द्वारा अपने स्तर से आयुष्मान कार्ड निर्माण की समीक्षा करेंगे। जिला कार्यक्रम समन्वयक, आयुष्मान भारत के द्वारा बताया गया के आयुष्मान कार्ड स्वयं भी बनाया जा सकता है जिसके लिये मोबाईल में गूगल प्ले स्टोर से आयुष्मान भारत का मोबाईल एप- एप डाउनलोड करे।